THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 24 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.9 2083 शनिवार, 25 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत में ताबड़तोड़ बैठकें

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल भारत-ब्रिटेन रणनीतिक डायलॉग में शामिल होने के लिए नई दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने ताबड़तोड़ कई मीटिंग की। जोनाथल पॉवेल ने पहले भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से वैश्विक सुरक्ष मुद्दों पर बात की, इसके बाद एनएसए अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

दोनों नेताओं के बीच भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। ब्रिटेन के एनएसए जोनाथन पॉवेल ने भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात की। एस जयशंकर ने मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। उन्होंने लिखा-आज दोपहर नई दिल्ली में ब्रिटेन के एनएसए जोनाथन पॉवेल से मिलकर खुशी हुई।

आप से छूटा सात का साथ

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने का एलान कर दिया। हालांकि इसके कयास राजनीतिक गलियारों में पहले से लगाए जा रहे थे, इंतजार था तो बस दिन और वक्त का और आज वो आ गया। राघव अकेल पार्टी छोड़कर नहीं गए बल्कि अपने साथ सात सांसदों को भी भाजपा में ले गए। उन्हेंने कहा कि दो तिहाई सांसद भाजपा में शामिल होंगे। इस घटनाक्रम पर आप ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह ऑपरेशन लोटस का घिनौना खेल है। संजय सिंह ने कहा कि ये जो सात राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, उनके नाम पंजाब के लोगों को याद रखना चाहिए और इन्हें आने वाले चुनाव में सबक सीखाने का काम करें।

विश्वास से लेकर राघव तक, कई 'आप' नेताओं की राह जुदा

आइए जानते हैं कि इस आप से जुड़े बड़े नाम कब और क्यों अलग हुए।

प्रशांत भूषण : प्रशांत भूषण भी आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं में से एक थे लेकिन उन्होंने भी आम आदमी पार्टी के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाए थे और कहा था कि पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित है। प्रशांत भूषण ने कहा है कि पार्टी में आतंरिक लोकतंत्र तो है, लेकिन स्वराज नहीं है। पार्टी के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाने के साथ पार्टी फंड की जांच के लिए एथिक्स कमेटी की मांग भी की थी। प्रशांत भूषण के पिता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील शांति भूषण ने आप की स्थापना के समय एक करोड़ की राशि चंदे के रूप में दी थी। हालांकि जल्द ही उनका पार्टी से मोहभंग हो गया था और वो आम आदमी पार्टी से अलग हो गए थे।

शाजिया इल्मी : शाजिया इल्मी ने आप में आंतरिक लोकतंत्र की कमी का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। शाजिया ने 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ी। >14

आप और राघव के बीच कैसे बिगड़ी थी बात?

दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे। विपक्ष जहां इसे आप के अंदरूनी मतभेद का संकेत बता रहा है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और नए उपनेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया करार दिया है, जिसका मकसद अन्य सांसदों को भी जिम्मेदारी देना है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा द्वारा कई पासपोर्टों से संबंधित आरोपों पर दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया की अध्यक्षता वाली एकल-न्यायाधीश पीठ ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलों के बाद 21 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए यह आदेश सुनाया। विस्तृत निर्णय की प्रतीक्षा है। सुनवाई के दौरान, खेड़ा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और मुख्यमंत्री के कथित बयानों से उपजा है।

हैदराबाद में मिलावटी चाय का भंडाफोड़ : 30 टन नकली पाउडर जब्त, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद फूड एडाल्टरेशन सर्विलांस टीम (एच-फास्ट) ने शुक्रवार को 15 अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर करीब 3000 किलोग्राम मिलावटी चायपत्ति जब्त किया। इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। एच-फास्ट के प्रभारी डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि शहर के कई गोदामों में बड़े पैमाने पर चायपत्ति में मिलावट की जा रही है। पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद इन ठिकानों पर छापे मारे गए। खुलासा हुआ, वह चौंकाने वाला था। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों द्वारा असम और अन्य राज्यों से लाया गया एक्सपायर्ड और इस्तेमाल की हुई चायपत्ति बड़े पैमाने पर मिलावट के लिए इस्तेमाल की जा रही थी। >14

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

> इस पर 73 सांसदों के दस्तखत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं।

इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते। लोकसभा में सीईसी को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

कानून के अनुसार प्रस्ताव मंजूर होने पर ही जांच समिति

मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

'पहले चरण के मतदान ने सत्ताधारी दल की नींदे उड़ाई'

आरजी कर मामले पर पीएम बोले-दोषियों को मिलेगी सजा

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक बहुत बड़ा और कड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आरजी कर अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस की साजिश में शामिल किसी भी रसूखदार या अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम मोदी ने जनता को भरोसा दिलाया है कि अगले महीने जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, तो हर एक अपराधी को खोजकर उसे सजा दी जाएगी। यह खबर बंगाल के उन सभी आम लोगों के लिए बहुत बड़ी उम्मीद है जो लंबे समय से इस दर्दनाक मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह बात शुक्रवार को उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल चुनावी रैली के दौरान कही। यह वही पानीहाटी इलाका है जहां अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाली महिला डॉक्टर का पुराना घर है। इस चुनाव में भाजपा ने उसी पीड़ित महिला डॉक्टर की मां स्वप्ना देबनाथ को इस सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। मोदी ने कहा कि स्वप्ना देबनाथ ने अपनी बेटी को देश की सेवा करने के लिए डॉक्टर बनाने में जीवन भर संघर्ष किया, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुशासन वाले जंगलराज में उनकी बेटी छिन गई। उन्होंने वादा किया कि 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद हर जुल्म का हिसाब होगा।

प्रधानमंत्री ने मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस सरकार ने बंगाल की पहचान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। राज्य में लगातार घुसपैठियों को लाया जा रहा है और उन्हें यहां बसाया जा रहा है। ये घुसपैठिए बंगाल की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और यहां के स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। एक तरफ सरकार का भारी भ्रष्टाचार है और दूसरी तरफ घुसपैठियों का जुल्म है। इस कारण से बंगाल के युवाओं को नौकरी की तलाश में अपने घर छोड़कर बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य में कोई नया निवेश नहीं आ रहा है और पुरानी फैक्ट्रियां भी बंद होकर दूसरी जगह जा रही हैं। रैली में पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके हकों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के राज में बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन जब भाजपा की सरकार आएगी, तो कोई भी रेपिस्ट या अपराधी सुरक्षित नहीं बचेगा। महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर मातृ शक्ति भरोसा कार्ड बांट रहे हैं।

सीजेआई बोले-बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग की तारीफ की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने राज्य में चुनावी हिंसा न होने पर संतोष जताया।

सीजेआई ने कहा- भारत के नागरिक के रूप में, मुझे मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुशी हुई। जब लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, कि वे लोग समाधान के लिए कोर्ट की तरफ से नियुक्त 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों से संपर्क करें। कोर्ट बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था।

'व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति लगभग 70 प्रतिशत तक बहाल'

> बेचे गए पांच किलो के 81 हजार सिलिंडर

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि, व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति लगभग 70 प्रतिशत तक बहाल हो चुकी है और अप्रैल में अब तक 1.47 लाख टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है। पांच किलो के सिलिंडरों की बिक्री भी सुचारू रूप से जारी है। कल ही 81000 से अधिक पांच किलो के सिलिंडर बिके।

यूरिया उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति 95 प्रतिशत तक बहाल :

वहीं, यूरिया की आपूर्ति बहाल करने और संकट निवारण योजना पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल शोधन) सुजाता शर्मा ने बताया कि, यूरिया उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति 95 प्रतिशत तक बहाल कर दी गई है... संकट निवारण योजना के तहत, संकट शुरू होने के बाद से ही मंत्रालय और सरकार ने मांग और आपूर्ति को सक्रिय रूप से प्रबंधित किया है। उपायों में घरेलू रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन बढ़ाना, कच्चे तेल और एलपीजी की कार्गो सुरक्षित करना और घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए विशेष निर्यात शुल्क लगाना शामिल है। इन कदमों से घरेलू बाजार में कोई कमी नहीं हुई है। एलपीजी की मांग और आपूर्ति पर सुजाता शर्मा ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, मांग के अनुसार प्रबंधन के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए गए हैं। बुकिंग को कुछ हद तक सुव्यवस्थित किया गया है। परिणामस्वरूप, पेट्रोल और डीजल की घरेलू आपूर्ति बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चल रही है। घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति भी बिना किसी बाधा के हो रही है। वाणिज्यिक क्षेत्र में अभी भी कुछ समस्याएं हैं, लेकिन सरकार ने धीरे-धीरे वहां आपूर्ति बढ़ाकर लगभग 70 प्रतिशत कर दी है। उद्योगों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कोयला और केरोसिन जैसे अतिरिक्त ईंधनों की आपूर्ति बढ़ाई जा रही है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन (सीएनजी) के लिए 100 प्रतिशत है, और ग्रिड पर औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग 80 प्रतिशत है।

पीएम मोदी ने हुगली नदी में नाव की सवारी की

नाव चलाने वाले को गले लगाया, 1000 दिए, 5 दिन पहले झालमुड़ी खाई थी

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हुगली नदी में नाव की सवारी की है। इस दौरान पीएम ने खुद से फोटोग्राफी भी की। तस्वीरों में वे हाथ में कैमरा लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने नाविकों से बातचीत भी की। हुगली में नाव की सवारी कराने वाले नाविक को एक हजार रुपये भी दिए।

पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नाव की सवारी वाली तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा, हर बंगाली के लिए गंगा का एक बहुत ही खास स्थान है। यह कहना गलत नहीं होगा कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है। इससे पहले पीएम 19 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई।

नाविक को दिए 1000 रुपये :

पीएम मोदी ने कोलकाता के हुगली घाट पर नाव की सवारी के बाद नाविक गौरांगो बिस्वास को गले लगाया और 1000 रुपये दिए। पीएम ने एक्स पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- कल शाम हावड़ा से कोलकाता तक लंबे रोड शो के दौरान हावड़ा ब्रिज पर था। आज सुबह उसे हुगली नदी से देखा।

19 अप्रैल को पीएम ने बंगाल में झालमुड़ी खाई :

पीएम मोदी रविवार 19 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने झाड़ग्राम में एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई। झालमुड़ी बनाते हुए दुकानदार ने पूछा, आप प्याज खाते हैं। पीएम ने जवाब दिया- हां प्याज खाता हूं बस दिमाग नहीं। यह सुनकर दुकानदार हंसने लगा। पीएम ने दुकानदार से इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। साथ ही कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं।

कोई अदालत नाबालिग को गर्भावस्था बनाए रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम फैसला देते हुए कहा कि किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी। अदालत ने कहा कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि गर्भवती महिला की पसंद सर्वोपरि है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। अदालत ने कहा कि जबरन गर्भावस्था को जारी रखने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर गहरा असर पड़ सकता है।

पीवीएनआर एक्सप्रेसवे: वह कॉरिडोर जो हैदराबाद के दक्षिणी विकास की कहानी को फिर से लिख रहा है

हैदराबाद के शहरी स्वरूप को इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विस्तार ने आकार दिया है, जहाँ प्रमुख कॉरिडोर ने दूरी को फिर से परिभाषित किया है, समय को कम किया है, और विकास के नए क्षेत्रों के द्वार खोले हैं। इस संदर्भ में, पीवी नरसिम्हा राव (PVNR) एक्सप्रेसवे एक निर्णायक हस्तक्षेप के रूप में सामने आता है, जिसने शहर के दक्षिणी विकास की दिशा को मौलिक रूप से बदल दिया है।

2009 में शुरू किया गया, यह 11.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर मेहदीपटनम और आरामघर के बीच एक हाई-स्पीड, सिग्नल-मुक्त संपर्क स्थापित करता है, और शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल के पास से शुरू होकर आरामघर जंक्शन (ORR) पर समाप्त होने वाला यह कॉरिडोर, शहर के मुख्य हिस्से और उसके दक्षिणी किनारे के बीच की दूरी को प्रभावी ढंग से कम करता है, जिससे बाहर की ओर अधिक व्यवस्थित विस्तार संभव हो पाता है।

जो बात पीवीएनआर एक्सप्रेसवे को सबसे अलग बनाती है, वह है आवागमन में निश्चितता लाने की इसकी क्षमता। एक ऐसे शहर में जहाँ आवागमन में होने वाला बदलाव अक्सर रहने की जगहों के चुनाव को प्रभावित करता है, यह कॉरिडोर एक विश्वसनीय और समय-बद्ध संपर्क प्रदान करता है। पारंपरिक रास्तों पर भीड़भाड़ को काफी हद तक कम करके, इसने दैनिक आवागमन की दक्षता में सुधार किया है, साथ ही दक्षिणी क्षेत्र की समग्र पहुंच को भी बढ़ाया है। इसका निर्बाध जुड़ाव बंजारा हिल्स, गच्चीबोवली, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट और हाईटेक सिटी जैसे स्थापित शहरी केंद्रों तक आसान पहुंच भी सुनिश्चित करता है—जो यहाँ से बस कुछ ही मिनटों की दूरी पर हैं—जिससे यह कॉरिडोर रहने के लिए और रणनीतिक कनेक्टिविटी, दोनों ही दृष्टियों से एक महत्वपूर्ण लाभ के रूप में स्थापित होता है।

इसका प्रभाव तब और भी अधिक स्पष्ट हो जाता है, जब इसे इसके सूक्ष्म-बाजारों (micro-markets) के विकास के माध्यम से देखा जाता है। लक्ष्मी नगर, रेथीबोवली, हैदरगुडा, अट्टापुर, राजेंद्रनगर और अपरपल्ली से होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 7 में मिलने वाला यह कॉरिडोर, विकास के अलग-थलग पड़े हिस्सों के बजाय एक निरंतर विकास-रेखा (development spine) का निर्माण करता है। मेहदीपटनम और अत्तापुर जैसे स्थापित स्थान अपनी मजबूत सामाजिक बुनियादी सुविधाओं के साथ इस कॉरिडोर को लगातार मजबूती प्रदान कर रहे हैं, जबकि शिवरामपल्ली और राजेंद्रनगर जैसे उभरते क्षेत्रों में भी लोगों की रुचि और आवाजाही बढ़ रही है। इन क्षेत्रों से परे, गगनपहाड़, मामिडपल्ली, मनखल और शमशाबाद जैसे उभरते हुए सूक्ष्म-बाजारों में भी विकास की एक नई लहर देखने को मिल रही है। ये जगहें एयरपोर्ट से नज़दीकी, बेहतर होते इंफ्रास्ट्रक्चर और ज़मीन के बड़े टुकड़ों की उपलब्धता की वजह से तेज़ी से लोगों का ध्यान खींच रही हैं, जिससे यहाँ इंटीग्रेटेड रिहायशी डेवलपमेंट मुमकिन हो पा रहा है। यह फैलता हुआ इलाका धीरे-धीरे एक हाई-पोटेंशियल वाला इन्वेस्टमेंट कॉरिडोर बनता जा रहा है, जिसे कनेक्टिविटी और प्लान्ड शहरीकरण, दोनों का साथ मिल रहा है।

कनेक्टिविटी से आए इस बदलाव ने सीधे तौर पर रियल एस्टेट के समीकरणों को प्रभावित किया है। एयरपोर्ट से नज़दीकी और साथ ही अहम कमर्शियल हब तक आसान पहुँच ने इन छोटे-छोटे बाज़ारों की अपील को, आम खरीदारों और निवेशकों, दोनों के लिए बढ़ा दिया है। जो इलाके कभी शहर के बाहरी हिस्से माने जाते थे, वे अब रहने के लिए बेहतरीन जगहों में बदल रहे हैं; इन्हें लगातार बन रहे नए घरों और बेहतर होते इंफ्रास्ट्रक्चर का सहारा मिल रहा है। इस कॉरिडोर ने मांग को प्रभावी ढंग से फिर से बांटा है, जिससे खरीदार कनेक्टिविटी से समझौता किए बिना बड़े घरों और प्लान्ड कम्युनिटीज़ तक पहुँच पा रहे हैं।

पीवीएनआर कॉरिडोर की ताकत को यहाँ के सामाजिक और नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर से और भी मज़बूती मिलती है। रॉकवेल इंटरनेशनल स्कूल,, इडीफी वर्ल्ड स्कूल, बसील वुड्स, महावीर इंस्टिट्यूट और वर्धमान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग जैसे शिक्षण संस्थान परिवारों के लिए एक मज़बूत शैक्षणिक माहौल मुहैया कराते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच भी उतनी ही बेहतरीन है; यहाँ सनराइज हॉस्पिटल, एलवी प्रसाद आईस इंस्टिट्यूट, त्रिडेंट हॉस्पिटल, मेहदीपटनम में ओलिव हॉस्पिटल, जुबिली हिल्स में अपोला हॉस्पिटल्स और फाइनेसियल स्ट्रीक्ट में कांटिनेंटल हॉस्पिटल जैसी जानी-मानी स्वास्थ्य सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, इस कॉरिडोर को शहरी सुविधाओं और लाइफस्टाइल इंफ्रास्ट्रक्चर के बढ़ते नेटवर्क का भी सहारा मिला हुआ है। फोरम मॉल और अपर्णा मॉल जैसे आने वाले रिटेल डेस्टिनेशन, जीएमआर एयरो प्लाज़ा जैसे पहले से मौजूद हब के साथ मिलकर, यहाँ के मनोरंजन और कमर्शियल माहौल को और भी बेहतर बना रहे हैं। बुडवेल रेलवे स्टेशन, आरामघर बस स्टेशन और शमशाबाद सब्जी मंडी जैसे मुख्य ट्रांसपोर्ट पॉइंट्स से कनेक्टिविटी, यहाँ की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को और भी आसान बनाती है। आस-पास प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन से भी उम्मीद है कि वह आगे के विकास में एक अहम भूमिका निभाएगा, जिससे इस कॉरिडोर की लंबे समय तक विकास की संभावनाएँ और भी मज़बूत होंगी।

हैदराबाद के बड़े मोबिलिटी नेटवर्क से इसका जुड़ाव भी उतना ही ज़रूरी है। आउटर रिंग रोड से जुड़ाव के ज़रिए, यह कॉरिडोर गाचीबोवली और फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट जैसे मुख्य रोज़गार केंद्रों तक पहुँच को आसान बनाता है। इस नेटवर्क प्रभाव से पीवीएनआर एक्सप्रेसवे, सिर्फ़ एक एयरपोर्ट कनेक्टर न रहकर, शहर के बड़े विकास ढांचे का एक अहम हिस्सा बन जाता है।

पीवीएनआर कॉरिडोर का विकास, हैदराबाद के विकास के पैटर्न में एक बड़े बदलाव को दिखाता है—यानी, रेडियल विस्तार से हटकर कॉरिडोर-आधारित विकास की ओर बदलाव। यह दिखाता है कि कैसे अच्छी तरह से प्लान किया गया इंफ्रास्ट्रक्चर माँग को आकार दे सकता है, नए रिहायशी इलाकों को खोल सकता है, और शहरी विस्तार को बेहतर बना सकता है। घर खरीदने वालों के लिए, यह पहुँच और रहने की सुविधा को मिलाकर विकल्पों का विस्तार करता है; निवेशकों के लिए, यह एक ऐसा कॉरिडोर पेश करता है जहाँ कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास की गति पहले से ही मौजूद है।

आखिरकार, पीवीएनआर एक्सप्रेसवे सिर्फ़ एक ट्रांसपोर्ट लिंक से कहीं ज़्यादा है; यह हैदराबाद के दक्षिणी विस्तार का एक ढांचागत चालक है। उभरते हुए माइक्रो-मार्केट्स को शहर के मुख्य हिस्से से जोड़कर, मुख्य आर्थिक केंद्रों तक पहुँच को मज़बूत बनाकर, और पूरे शहरी क्षेत्र में बिना किसी रुकावट के आवाजाही को संभव बनाकर, यह लगातार यह तय कर रहा है कि हैदराबाद कैसे आगे बढ़ेगा—सोच-समझकर, कुशलता से, और लंबे समय के लक्ष्य के साथ।

संपर्क : 8098338436

केंद्र का बड़ा फैसला

डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' के प्रसारण पर रोक

पंजाब में हो रहा था विवाद

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने डॉक्यू-सीरीज लॉरेंस ऑफ पंजाब को रिलीज न करने का निर्देश दिया है। इसका प्रीमियर 27 अप्रैल को होना था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर बनी सीरीज पर विवाद बना हुआ था जिसे लेकर हाईकोर्ट में पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह वड़िंग ने याचिका भी दायर की हुई थी। पंजाब पुलिस ने भी केंद्र सरकार को इस संदर्भ में पत्र लिखकर अपील की थी कि इस फिल्म के रिलीज होने पर पंजाब का माहौल खराब हो सकता है। पंजाब भाजपा के मुख्य प्रवक्ता प्रितपाल सिंह बलियावाल ने बताया कि यह डॉक्यूमेंट्री पंजाब को बदनाम और युवाओं को गुमराह करने वाली थी। इस डॉक्यूमेंट्री को रोकने के लिए उन्होंने केंद्र सरकार का धन्यवाद किया है।

केरल में नतीजों से पहले कांग्रेस में घमासान

सीएम के चेहरे की लड़ाई से यूडीएफ की बढ़ी मुश्किलें

तिरुवनंतपुरम, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में चुनाव नतीजों से पहले सियासी माहौल गर्म हो गया है, लेकिन इस बार मुकाबला केवल विपक्ष और सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर भी दिखाई दे रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में मुख्यमंत्री पद को लेकर शुरू हुई अंदरूनी खींचतान ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

10 साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद

राज्य में 9 अप्रैल को मतदान हो चुका है और अब 4 मई को नतीजों का इंतजार है। करीब 10 साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए यूडीएफ खेमे में उत्साह तो है, लेकिन इसी बीच नेतृत्व को लेकर उठी बहस ने माहौल असहज कर दिया है। केरल की राजनीति में लंबे समय तक हर चुनाव में सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे ने दोबारा सरकार बनाकर इस परंपरा को तोड़ दिया था। ऐसे में इस बार का चुनाव कांग्रेस और यूडीएफ के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री के दावदेरी आ रही सामने

इसी बीच कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर खुलकर दावेदारी सामने आने लगी है। वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वी डी सतीशन और संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के समर्थक सार्वजनिक रूप से अपने-अपने नेता को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

यह बहस चुनाव परिणाम आने से पहले ही शुरू हो जाने से पार्टी नेतृत्व असहज स्थिति में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की खुली बयानबाजी से मतदाताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है। वरिष्ठ मीडिया आलोचक एम एन करासेरी ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि सत्ता मिलने से पहले पद की लड़ाई जनता का भरोसा कमजोर कर सकती है। इस विवाद का असर सहयोगी दलों पर भी पड़ने लगा है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता और विधायक पी अब्दुल हमीद ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर इस तरह की चर्चा सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि इससे यूडीएफ समर्थकों और जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिर सकता है, जो लंबे समय से विपक्ष में रहकर संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जिन नेताओं को इस बहस को रोकना चाहिए था, वही इसे बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला करेगा, सभी उसे मानेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी केरल की राजनीति को अच्छी तरह समझते हैं और अंतिम फैसला सोच-समझकर लिया जाएगा। दूसरी ओर, वाम दलों ने इस पूरे विवाद पर चुप्पी साध रखी है और एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है। इसके उलट कांग्रेस में गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आने से कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों में बेचैनी बढ़ गई है। ऐसे में चुनाव नतीजों से पहले यूडीएफ के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि घर के भीतर की लड़ाई बनती दिख रही है।

खबरें जरा हटके

भारत का सबसे अनोखा जेल, जहां पैसे देकर बन सकते हैं कैदी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग नए और अनोखे अनुभवों की तलाश में रहते हैं. कोई एडवेंचर स्पोर्ट्स करता है, तो कोई अलग-अलग देशों की संस्कृति को करीब से समझने के लिए अलग-अलग जगह घूमने जाता है. लेकिन हाल के समय में एक ऐसा अनोखा और थोड़ा हैरान करने वाला ट्रेंड सामने आया है, जिसमें लोग पैसे देकर जेल का जीवन जीने का अनुभव ले रहे हैं. सुनने में यह अजीब जरूर लगता है, लेकिन भारत के कुछ जेल प्रशासन ने पुराने और खाली पड़े हिस्सों को इस तरह विकसित किया है कि आम लोग वहां जाकर एक दिन के लिए "कैदी जैसा जीवन" महसूस कर सकें. इस अनोखे प्रयोग में कुछ चुनिंदा जेलों में लोगों को अस्थायी रूप से कैदी की तरह रहने का मौका दिया जाता है. इसके लिए उन्हें एक तय शुल्क देना होता है. बदले में उन्हें जेल जैसा माहौल, कपड़े, खाना और दिनचर्या दी जाती है. हालांकि वे असली कैदी नहीं होते, लेकिन उन्हें वही अनुभव देने की कोशिश की जाती है जैसा एक कैदी को जेल में महसूस कराया जाता है.

हल्द्वानी जेल में अनोखा अनुभव

उत्तराखंड की हल्द्वानी जेल इस प्रयोग के लिए काफी चर्चा में रही है. यहां जेल के पुराने और खाली हिस्से को इस तरह तैयार किया गया है कि आम लोग एक दिन के लिए वहां रुक सकें. आने वाले लोगों को अलग-अलग सेल में रखा जाता है, उन्हें जेल जैसी ड्रेस पहनाई जाती है और भोजन भी जेल की रसोई से ही मिलता है. पूरा वातावरण ऐसा बनाया जाता है कि व्यक्ति को असली जेल जैसा अनुभव हो सके. इस सुविधा का उद्देश्य लोगों को एक नया अनुभव देना बताया जाता है. हल्द्वानी के इस जेल में एक दिन रुकने के लिए करीब 500 रुपये लिया जाता है. इस पहल का उद्देश्य लोगों को एक अनोखा अनुभव देना है. इसे अक्सर "डमी जेल एक्सपीरियंस" भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें व्यक्ति असली कैदी नहीं होता, लेकिन उसे जेल जैसा ही माहौल और दिनचर्या महसूस कराई जाती है.

लुधियाना की युवती की कनाडा में संदिग्ध परिस्थिति में मौत

> रिटायर्ड सूबेदार के घर में मातम पसरा

हलवारा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। नई आबादी अकालगढ़ सुधार बाजार की 24 वर्षीय अनमोलदीप कौर की कनाडा के ओंटारियो में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। अनमोलदीप कौर ओंटारियो में जॉर्जियन बैरी कॉलेज और घर के बीच स्थित पार्क में रोजाना की तरह सैर के लिए गई और वहीं बेंच पर बैठे-बैठे उसकी मौत हो गई। पार्क में मौजूद लोगों ने अनमोलदीप कौर को हिला कर देखा लेकिन उसकी सांसें थम चुकी थी। इसके बाद कनाडा पुलिस को सूचित किया गया। उसकी मौत की खबर मिलने से अनमोलदीप के घर में मातम छा गया है। अनमोलदीप के पिता सेना के रिटायर्ड सूबेदार परमिंदर सिंह ने बताया कि उनकी बेटी 2021 में कनाडा गई थी और पढ़ाई के साथ वहां चाइल्ड केयर का काम भी कर रही थी। वर्क परमिट पर कनाडा में रह रही अनमोलदीप कौर ने एक साल पहले अपनी पीआर की फाइल भी सबमिट कर दी थी।

परमिंदर सिंह ने बताया कि अनमोलदीप कौर ने पिछले दिनों अपनी मां अमरदीप कौर को विजिटर वीजा पर कनाडा बुलाने के लिए भी आवेदन किया था और जल्द ही वीजा मिलने वाला था। उन्होंने बताया कि कनाडा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उनका बेटा दिलप्रीत सिंह अमेरिका में रहता है और कनाडा पुलिस उसके संपर्क में है। दिलप्रीत जल्द कनाडा जा रहा है। कनाडा पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ले ली है और चश्मदीदों के बयान कलमबद्ध किए जा रहे हैं। परमिंदर सिंह ने बताया कि उनके घर में पैसे की कोई तंगी नहीं है और न ही अनमोलदीप ने कभी किसी परेशानी का जिक्र किया था। अनमोलदीप की अचानक मौत से परिवार की हालत खराब है और उसकी मां के आंसू नहीं रुक रहे हैं।

परमिंदर सिंह ने बताया कि वो मूल रूप से माणुके गांव के रहने वाले हैं और उनके गांव की समाजसेवी संस्था ही अनमोलदीप का शव भारत लाने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि कनाडा पुलिस कई पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। परमिंदर सिंह ने अपनी बेटी के खुदकुशी करने की किसी भी संभावना से इंकार करते हुए कहा कि कनाडा पुलिस की जांच में सच सामने आ जाएगा।

ट्रैफिक जाम पर मंत्री को अपशब्द कहना महिला को पड़ा महंगा

वर्ली थाने में केस दर्ज

मुंबई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर मुंबई में भाजपा की रैली के कारण यातायात जाम होने पर महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन को भला-बुरा कहने वाली महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि यह शिकायत बुधवार को वर्ली थाने में अधिवक्ता गुणरत्न सदावर्ते की बेटी जेन सदावर्ते ने दर्ज कराई।

यह घटना मंगलवार को वर्ली के पॉश इलाके में भाजपा द्वारा आयोजित एक रैली के दौरान हुई। यह रैली लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को शीघ्र लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए आयोजित की गई थी। रैली के दौरान मंगलवार को जब महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, तभी एक नाराज महिला ने उनसे बहस करते हुए सड़क जाम करने और यात्रियों को असुविधा पहुंचाने पर कड़ी आपत्ति जताई।

पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां को हाईकोर्ट से राहत

जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस की अपील खारिज

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां की जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस की अपील खारिज कर दी। यह मामला 2020 के दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश से संबंधित है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर दूडेजा की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। पीठ ने पाया कि जमानत मिलने के बाद चार साल से अधिक समय बीत चुका है। इस दौरान जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन करने का कोई आरोप नहीं है। अदालत ने कहा कि वह पहले के जमानत आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है। इशरत जहां को मार्च 2022 में दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में जमानत मिली थी। इसी आधार पर अदालत ने दिल्ली पुलिस की अपील को खारिज कर दिया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कब हुई हिंसा?

दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए।

540 साल पुराने प्रेम पत्र का एआई ने खोला राज, पैसे या प्यार?

15वीं सदी की दुल्हन का दर्द पढ़ भर आएंगी आंखें!

दुनिया के सबसे पुराने प्रेम पत्र ने 540 साल बाद अपने पन्नों में दफन वो राज खोल दिया है, जिसे पढ़कर आज भी किसी का दिल भर आए. 15वीं सदी की एक दुल्हन के दिल की तड़प और पैसे बनाम प्यार की जंग को जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिकोड किया, तो पता चला कि सदियां बीत जाने के बाद भी इंसान की भावनाएं और मजबूरियां आज भी वैसी ही हैं. फरवरी 1477 में मार्जरी ब्रूज नाम की महिला ने अपने मंगेतर जॉन पास्टन III को यह खत लिखा था, जिसमें दहेज को लेकर चल रही पारिवारिक खींचतान और उससे उपजे दर्द को बयां किया गया था. इस पत्र को पढ़ना एक्सपर्ट्स के लिए भी अब तक एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इसकी लिखावट, व्याकरण और पुरानी अंग्रेजी की शब्दावली आधुनिक पाठकों की समझ से परे थी. लेकिन 'माई हेरिटेज' के नए 'स्क्रैब एआई' टूल ने इस मुश्किल काम को चुटकियों में कर दिखाया.

मार्जरी ने इस खत को भारी दिल के साथ लिखा था, क्योंकि उनकी मां उनके पिता को दहेज की राशि बढ़ाने के लिए राजी नहीं कर पाई थीं. खत में मार्जरी अपने मंगेतर जॉन से कहती हैं कि अगर उनके पास मौजूदा संपत्ति से आधी भी होती, तब भी वे उनका साथ कभी नहीं छोड़तीं. मार्जरी का यह समर्पण दिखाता है कि उस दौर में भी महिलाएं पारिवारिक दबाव और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच अपने प्यार को बचाने के लिए कितनी जद्दोजहद करती थीं. उन्होंने खत के आखिर में जॉन से इसे गुप्त रखने की गुजारिश भी की थी, ताकि दहेज की बात बाहर न निकले. यह प्रेम पत्र पास्टन लेटर्स का हिस्सा है, जो नॉरफॉक के एक परिवार द्वारा तीन पीढ़ियों के दौरान लिखे गए 400 से अधिक पत्रों का एक अद्भुत संग्रह है. मार्जरी ने पत्र में एंग्लो-सैक्सन अक्षरों और कई पुराने संक्षिप्त शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिन्हें डिकोड करना ह्यूमन एक्सपर्ट्स के लिए बहुत धीमा काम था.

टीएमसी के तानाशाह रिकॉर्ड मतदान को नहीं पचा पा रहे : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान होने पर टीएमसी सरकार को घेरा है। इसके साथ ही तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन पर तंज कसा है। डेरेक ओ'ब्रायन ने सोशल साइट एक्स पर किए पोस्ट में लिखा, नरेंद्र मोदी आपने बंगाल की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार होने की घोषणा की थी। अब ये बड़ी-बड़ी बातें बंद कीजिए।

4 मई को ममता बनर्जी और टीएमसी जीत रही है। आप चुनौती स्वीकार करें और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दें। धर्मेंद्र प्रधान ने इस बयान पर पलटवार करते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, ऐसे बयानों के पीछे का अहंकार केवल इस बात की पुष्टि करता है कि राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन पश्चिम बंगाल के बदलते मिजाज से कितने कटे हुए हैं। टीएमसी के तानाशाह, जो कभी पूरे राज्य को डरा-धमका सकते थे, अब बंगाल भर में अभूतपूर्व मतदाता भागीदारी को पचा नहीं पा रहे हैं। उन्हें अब एहसास हो गया है कि जिन लोगों को वे चुप कराना चाहते थे, वही लोग ऐसा फैसला सुना सकते हैं, जो वर्षों से उन्हें संरक्षण देने वाली भय और मनमानी की राजनीति को ध्वस्त कर दे। केंद्रीय मंत्री ने मतदाताओं द्वारा प्रधानमंत्री पर भरोसा जताते हुए रिकॉर्ड मतदान का दावा किया।

1984 सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इंकार

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सज्जन कुमार को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सज्जन कुमार की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में है। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार है और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिल पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई जुलाई के लिए तय की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे

पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। पहली एफआईआर जनकपुरी में एक नवंबर 1984 को सरदार सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से जुड़ा था। दूसरी एफआईआर जनकपुरी में 2 नवंबर 1984 को सरदार गुरचरण सिंह को जिंदा जलाकर मार डालने की वारदात के लिए दर्ज की गई थी।

इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच एजेंसी पर उन्होंने निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया था। सज्जन कुमार पहले से ही 1984 दंगों के एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें दिल्ली कैंट और पालम कॉलोनी क्षेत्र में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

फिल्मी स्टाइल में ठगी! भालू बन दोस्तों ने की करोड़ों की धोखाधड़ी

फिर पुलिस ने ऐसे किया पूरी साजिश का भंडाफोड़

कभी-कभी लालच इंसान से ऐसी हरकतें करवा देता है, जो सुनने में किसी फिल्म स्क्रिप्ट जैसी लगती हैं. लेकिन जब यही "क्रिएटिव आइडिया" कानून की नजर में आता है, तो कहानी का अंत हंसी में नहीं, सजा में होता है. ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया कैलिफोर्निया के लेक एरोहेड इलाके से, जहां चार दोस्तों ने मिलकर ऐसा प्लान बनाया जिसे पुलिस ने नाम दिया- "ऑपरेशन बेयर क्लॉ". इन चारों आरोपियों ने अपनी ही महंगी कारों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची. इनमें लग्जरी कारें शामिल थीं. लेकिन नुकसान पहुंचाने का तरीका बेहद अनोखा था एक व्यक्ति ने भालू का कॉस्ट्यूम पहना और कारों के अंदर घुसकर सीटों को तेज चाकुओं से फाड़ दिया. उनका मकसद साफ-साफ यही दिखाना था कि यह किसी जंगली भालू ने हमला कर दिया है, ताकि इंश्योरेंस कंपनी से वो मोटा क्लेम मिल सके. इस पूरे "ड्रामा" को और असली दिखाने के लिए आरोपियों ने वीडियो फुटेज तैयार की और उसे इंश्योरेंस कंपनी को भेज दिया. उन्होंने दावा किया कि उनकी कारों को भालू ने बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है और करीब 1.42 लाख डॉलर (लगभग 1.2 करोड़ रुपये) का क्लेम कर दिया. पहली नजर में यह कहानी सही लग रही थी, लेकिन यहीं से उनकी गलती शुरू हो गई.जांच के दौरान वीडियो को बारीकी से देखा गया. एक्सपर्ट्स को भालू की चाल-ढाल कुछ अजीब लगी वह एक असली जानवर की बजाय इंसान जैसी हरकतें कर रहा था. यही शक आगे चलकर पूरे राज को खोल गया. जब पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया और आरोपियों के घर छापा मारा, तो वहां से भालू का कॉस्ट्यूम और इस्तेमाल किए गए चाकू भी बरामद हो गए. इसके बाद सारा खेल सामने आ गया.

'बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी'

> मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी।

भाजपा का विनाश चाहिए- बनर्जी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा 'भाजपा के लिए काम करने वाले सभी लोगों के नाम सूचीबद्ध हैं। आपने भाजपा पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को लाया है और उसी के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति की है। याद रखिए, आप हमें हराने की क्षमता नहीं रखते। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं।

मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुझे सत्ता नहीं चाहिए,

मुझे दिल्ली में भाजपा का विनाश चाहिए, न केवल बंगाल में विनाश होगा, बल्कि भाजपा को दिल्ली से भी हटाना होगा।

गृह मंत्री ने प्रेस वार्ता किया

वहीं, गुरुवार को राज्य में पहले चरण के लिए मतदान हुए। इस बीच भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस वार्ता किया। उन्होंने बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में हुए रिकॉड मतदान के लिए राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट किया है।

अमित शाह ने कहा कि कल के मतदान में बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में चुनाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के पहल चरण के चुनाव के दौरान 92.64 फीसदी वोटिंग हुई है। वहीं, दूसरे चरण के लिए 29 मई को मतदान डाले जाएगें। इसके साथ ही 4 मई को नतीजे आएंगे।

डिजिटल ब्लैकमेलिंग केस

अश्लील चैट का डर दिखाकर कारोबारी से ठगे 63.61 लाख

महिला क्रिकेटर समेत तीन गिरफ्तार

श्रीनगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर टी-20 लीग की एक महिला क्रिकेटर, उसके भाई और एक अन्य साथी ने अश्लील चैट सार्वजनिक करने का डर दिखा मुंबई के कारोबारी से 63.61 लाख रुपये ऐंठ लिए। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने तीनों को सेक्सटॉर्शन और रंगदारी के आरोप में गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, क्रिकेटर फरखंदा अजीज खान (30) और उसके भाई बाजिल अजीज खान (27) को दिल्ली के एक होटल से पकड़ा गया। वहीं सहयोगी इम्तियाज वानी (22) को श्रीनगर में दबोचा गया। फरखंदा दिल्ली-एनसीआर के अंकुर विहार में रहती है जबकि बाजिल और वानी जम्मू-कश्मीर के निवासी हैं। मुंबई के 28 वर्षीय व्यवसायी के अनुसार उसका फरखंदा से 2024 में संपर्क हुआ था। आरोप है कि फरखंदा ने उनके साथ अश्लील बातचीत शुरू की और बाद में जरूरतों का हवाला देकर पैसों की मांग की। इन्कार करने पर आरोपियों ने उनकी निजी बातचीत को सार्वजनिक करने और जेल भिजवाने की धमकी दी। कारोबारी ने अप्रैल 2024 से इस साल जनवरी के बीच कुल 32 बार में लगभग 23.61 लाख रुपये फरखंदा के खाते में ट्रांसफर किए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 3

सुविचार

स्वीकार करने की हिम्मत और सुधार की नियत हो तो इंसान दुनिया में कुछ भी कर सकता है!

एचआईएलटी पॉलिसी को लोकतांत्रिक तरीके से लागू करेगी सरकार : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक में तेलंगाना के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा लाई गई एचआईएलटी (हैदराबाद इंडस्ट्रियल लैंड्स ट्रांसफॉर्मेशन) पॉलिसी को पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नीति का उद्देश्य शहर और राज्य दोनों का समग्र विकास करना है। डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में हुई इस बैठक में समिति के चेयरमैन भट्टी विक्रमार्क के साथ मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, श्रीधर बाबू और जूपल्ली कृष्णाराव भी मौजूद रहे। बैठक में इंडस्ट्रियल एस्टेट्स के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लेकर अपने सुझाव और विचार साझा किए।

बैठक के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि बढ़ते एयर पॉल्यूशन को देखते हुए प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के बाहर स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय सभी पक्षों की राय लेने के बाद ही किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार किसी को भी नुकसान पहुंचाने की मंशा से काम नहीं कर रही है। यूडीएल (अनडेवलप्ड लैंड) पॉलिसी के तहत भूमि विकास के लिए केंद्र, राज्य सरकार और औद्योगिक पार्क प्रतिनिधियों को मिलकर काम करने का सुझाव भी दिया गया। इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने ओआरआर और रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के बीच विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सरकार ने सकारात्मक रूप से लिया है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि एचआईएलटी पॉलिसी के दिशा-निर्देश तैयार करने से पहले इंडस्ट्री प्रतिनिधियों की राय को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं मंत्री श्रीधर बाबू ने बताया कि नई औद्योगिक नीति में श्रमिकों के लिए डॉर्मिटरी सुविधाएं अनिवार्य की गई हैं। इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने भी एचआईएलटी पॉलिसी का स्वागत किया। चेर्लापल्ली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यह नीति पारदर्शी है और इसमें किसी प्रकार का कैश ट्रांजैक्शन नहीं होगा, जिससे संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने सरकार से कन्वर्जन चार्ज में कमी और उद्योगों को स्थानांतरण के लिए पर्याप्त समय देने की मांग की। इसके अलावा, उद्योगों को स्थानांतरित करते समय बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क न लेने की भी मांग रखी गई।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मई के पहले सप्ताह से संशोधित भूमि बाजार मूल्य लागू किए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राजस्व बढ़ाने के लिए लिए गए फैसलों को सख्ती से लागू किया जाए, अन्यथा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसआईआर के तहत मतदाता मैपिंग को लेकर बैठकें, हेल्प डेस्क स्थापित

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी/कमिश्नर आर.वी. कर्णन के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सभी हितधारकों को सहयोग प्रदान करने के लिए विभिन्न स्थानों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं और जागरूकता बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त आयुक्त (निर्वाचन) के. चंद्रकला और सीवीओ अब्दुल वकील ने हैदराबाद जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) और कॉलोनी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में लगभग 200 सदस्य शामिल हुए। सभी ने वर्ष 2002 से 2025 तक के मतदाताओं की मैपिंग संबंधित बीएलओ के माध्यम से कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा जीएचएमसी कर्मचारी संघ के साथ भी बैठक आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों से अपने परिवार सहित 2002-2025 के मतदाताओं की मैपिंग में सहयोग करने का आग्रह किया गया।

'मी टिकट' ऐप से आसान हुई टिकट बुकिंग : श्रीधर बाबू

एक क्लिक में मिलेंगी कई सेवाएं

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के आईटी विभाग के अंतर्गत 'मी-सेवा' द्वारा विकसित 'मी टिकट ऐप' नागरिकों के लिए बहुउद्देश्यीय डिजिटल सुविधा के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। टिकट कोई भी ऐप- एक ही के नारे के साथ यह ऐप यात्रियों और पर्यटकों को घर बैठे टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है। अब वीकेंड पर परिवार के साथ बाहर घूमने की योजना बनाना बेहद आसान हो गया है।

चाहे मेट्रो यात्रा करनी हो, मंदिर दर्शन, पार्क, म्यूजियम या गोलकोंडा किला जैसे पर्यटन स्थलों का भ्रमण, सभी जगहों के टिकट एक ही ऐप के माध्यम से बिना किसी कतार में लगे आसानी से बुक किए जा सकते हैं। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्ले स्टोर से 'मी टिकट ऐप' डाउनलोड कर बस, मेट्रो यात्रा टिकट के साथ-साथ विभिन्न पर्यटन स्थलों के प्रवेश टिकट भी घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए नजदीकी चार्जिंग स्टेशन की जानकारी भी इस ऐप में उपलब्ध है। यह ऐप इनडोर और आउटडोर गतिविधियों समेत कई सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। लॉन्च के कुछ ही समय में इसे व्यापक जनसमर्थन मिला है। अब तक लगभग ढाई लाख लोग इस ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं, जबकि छह लाख से अधिक सेवाओं की बुकिंग हो चुकी है। चार करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन सुरक्षित रूप से इस प्लेटफॉर्म के जरिए संपन्न हुए हैं। वर्तमान में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित 219 स्थानों के टिकट इस ऐप के माध्यम से उपलब्ध हैं, जिससे नागरिकों को कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ती। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू ने कहा कि जल्द ही राज्यभर में और अधिक सेवाओं को इस ऐप से जोड़ा जाएगा, ताकि नागरिकों के दैनिक जीवन में डिजिटल सेवाओं का उपयोग और बढ़ सके। वहीं, मी-सेवा आयुक्त टी. रवि किरण ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी स्थान पर जाने से पहले 'मी टिकट ऐप' डाउनलोड कर सुविधाजनक तरीके से टिकट और सेवाओं की बुकिंग करें।

तेलंगाना ने 18 लाख छात्रों को व्हाट्सएप पर भेजे रिपोर्ट कार्ड

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सरकारी स्कूलों के छात्रों के वार्षिक रिपोर्ट कार्ड अब सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से अभिभावकों तक पहुंचाने की पहल शुरू की है। पहली बार कक्षा 5 से 9 तक के 18 लाख से अधिक छात्रों के रिपोर्ट कार्ड 'मी सेवा' प्लेटफॉर्म के जरिए अभिभावकों को भेजे गए हैं। इस नई व्यवस्था से अब माता-पिता को स्कूल जाकर रिपोर्ट कार्ड लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग की इस पहल के तहत छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को तुरंत और सुरक्षित तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार का कहना है कि इस पेपरलेस मॉडल से समय और संसाधनों की भी बचत होगी।

आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने इस कदम को डिजिटल गवर्नेंस में तेलंगाना की अग्रणी भूमिका का उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है कि तकनीक का लाभ हर छात्र और अभिभावक तक सीधे पहुंचे। व्हाट्सएप के जरिए रिपोर्ट कार्ड भेजकर हम परिवारों का समय और संसाधन बचा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल पारदर्शी, तेज और सुलभ सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के सरकार के संकल्प को दर्शाती है।

साइबराबाद में विशेष अभियान, 383 वाहनों पर कार्रवाई

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिना नंबर प्लेट और अनियमित या दोषपूर्ण नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। यह अभियान ट्रैफिक-II के अंतर्गत आने वाले सभी थाना क्षेत्रों में संचालित किया गया। पुलिस ने पाटनचेरु बस स्टैंड, बीएचईएल रोड, मियापुर एक्स रोड, ऑल्विन एक्स रोड, जेएनटीयू जंक्शन, खैथलापुर रोड, थुलसीवनम रोड, बालानगर मेट्रो स्टेशन के नीचे, आईडीएल लेक रोड, नरसापुर एक्स रोड, एर्रागोडालु, जगदगिरिगुट्टा रोड, अंबेडकर प्रतिमा, सुचित्रा और कुथबुल्लापुर रोड सहित कई प्रमुख स्थानों पर जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। कुल 383 मामले दर्ज किए गए और 80,600 रुपये का जुर्माना वसूला गया। साइबराबाद के पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक-II) ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मोटर वाहन नियमों के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार नंबर प्लेट सही ढंग से प्रदर्शित करें।

ऑनलाइन ट्रेडिंग ठगी गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने राजस्थान आधारित म्यूल अकाउंट सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 78.66 लाख रुपये की ऑनलाइन निवेश (ट्रेडिंग) धोखाधड़ी से जुड़े मामले में की गई। रफ्तार आरोपियों की पहचान विकास खोखर (30), फिरोज मोहम्मद (26) और नितीश कुमार (19) के रूप में हुई है, जो राजस्थान के नागौर और जयपुर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी एक संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा थे, जो कमीशन के आधार पर साइबर अपराधियों को म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। ये लोग विभिन्न व्यक्तियों से बैंक खाते, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और केवाईसी दस्तावेज जुटाकर ठगों को सौंपते थे। इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन निवेश ठगी समेत अन्य साइबर अपराधों से प्राप्त रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था।

तकनीकी निगरानी और वित्तीय लेनदेन के विश्लेषण के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर उन्हें हैदराबाद में गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान, पूरे मनी ट्रेल का पता लगाने और संबंधित खातों को फ्रीज करने की दिशा में जांच कर रही है। साइबर क्राइम पुलिस ने आम नागरिकों को चेतावनी दी है कि वे किसी भी लालच में आकर अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड या व्यक्तिगत दस्तावेज किसी को न दें, क्योंकि ऐसा करना कानूनन अपराध है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,VIDHYA is legally wedded Spouse of Service No-14669062Y, Rank-HAV, Name- Bhalekar Bharat Narayan R/o. F.No-303, B Wing Survey No-5 3rd Floor,, Prithviraj Sankul, Near Navbharat High School NDA Road, Shivne, District- Pune PIN-411023, State- Maharashtra. I have changed my name from VIDHYA to VIDYA BHARAT BHALEKAR Affidavit dated 13 Mar 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

I, Darshana Kartik Jadhav wife of Kartik P Jadhav R/O 1-2-57 TO 61 F N0-104, Pasam Sattiah apts, Himayathnagar, HYDERABAD. PIN: 500029, Telangana. have changed my name to Darshana Jadhav for all record purposes.

I, TRINADHA NAIDU is Father of No-14678659H, Rank-NK, Name-BHASKARA RAO MARADANA, Residing at H.No-1-8, Vill & Po - Komarada, Teh- Komarada, Dist- Vizianagaram, A.P, PIN-535521. I have to change my Name from TRINADHA NAIDU to MARADANA TRINADHA NAIDU for all purpose vide affidavit on Dated: 22/04/2026.

I, PARVATHI is Mother of No-14678659H, Rank-NK, Name-BHASKARA RAO MARADANA, Residing at H.No-1-8, Vill & Po - Komarada, Teh-Komarada, Dist- Vizianagaram, A.P, PIN-535521. I have to change my Name from PARVATHI to MARADANA PARVATI for all purpose vide affidavit on Dated: 22/04/2026.

I, Renuka Ramkishan Katekar, W/o, No. 17027162N, HMT, Ramkishan, R/o, Dist: Bidar, Karnataka, changed my name from Renuka Ramkishan Katekar to Renuka vide Affidavit No. BU 311321 dt. 22.04.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Usha, Mother of No. 17027162N, HMT, Ramkishan, R/o, Dist: Bidar, Karnataka, changed my name from Usha to Usha Bai vide Affidavit No. 466439 dt. 20.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, S Magaswari, Mother of No. 15819071K, Hav, Raji S, R/o, Dist: Ranipet, Tamilnadu, changed my name from S Magaswari to Maheshwari S, vide Affidavit No. 466476 dt. 23.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दुष्कर्म के प्रयास के दोषी को 10 साल की सजा

3 लाख मुआवजा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के बालानगर थाना क्षेत्र में वर्ष 2017 में नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है।

अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 सहपठित 511 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 342 के तहत 6 माह के साधारण कारावास और 1,000 रुपये जुर्माने से दंडित किया गया। साथ ही पीड़िता को 3 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 जून 2017 को पीड़िता की मां मजदूरी के लिए घर से बाहर गई थीं। दोपहर करीब 1:45 बजे पीड़िता घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी घर पहुंचा और खुद को डॉक्टर बताकर अंदर घुस गया। उसने पानी मांगा और जैसे ही पीड़िता अंदर गई, आरोपी भी पीछे चला गया। उसने अंदर से दरवाजा बंद कर पीड़िता के साथ अशोभनीय हरकत करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी की पहचान कर 14 जून 2017 को उसे गिरफ्तार किया गया और चार्जशीट दाखिल की गई। मेडचल-मलकाजगिरि जिले के कुकटपल्ली स्थित फास्ट ट्रैक विशेष अदालत के न्यायाधीश एम. वेंकटेश्वर राव ने सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। साइबराबाद के डीसीपी क्राइम्स ए. मुथ्यम रेड्डी ने बताया कि इस तरह के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सिटिजन-फ्रेंडली पुलिसिंग को और सशक्त रूप से लागू किया जाएगा : डीजीपी

रुद्रंगी में नए पुलिस स्टेशन भवन का शिलान्यास

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सिटिजन-फ्रेंडली पुलिसिंग को और सशक्त रूप से लागू किया जाएगा। यह बात डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कही। उन्होंने राजन्ना सिरिसिल्ला जिले के रुद्रंगी मंडल मुख्यालय में 2.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए पुलिस स्टेशन भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सरकारी व्हिप एवं वेमुलवाड़ा विधायक आदी श्रीनिवास, जिला कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और एसपी महेश बी. गीठे भी उपस्थित रहे। डीजीपी ने कहा कि राज्य में माओवादी गतिविधियां समाप्त हो चुकी हैं और पुलिस को जनता केंद्रित सेवाएं देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों पर चिंता जताते हुए दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और कार चालकों को सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अराइव अलाइव कार्यक्रम के तहत सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने विधायक आदी श्रीनिवास के अनुरोध पर वेमुलवाड़ा में ट्रैफिक और महिला पुलिस स्टेशन तथा भीमाराम में नए पुलिस स्टेशन की मंजूरी के लिए सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखने का आश्वासन दिया। इस मौके पर आदी श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य में कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि 150 करोड़ रुपये की लागत से राजन्ना मंदिर के विस्तार कार्य जारी हैं। साथ ही ड्रग्स उन्मूलन के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं और जिले में डी-एडिक्शन काउंसलिंग सेंटर भी शुरू किया गया है। जिला कलेक्टर गरिमा अग्रवाल ने कहा कि रुद्रंगी में नए पुलिस स्टेशन की स्थापना से जनता को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने हाल ही में महाशिवरात्रि जत्रा के शांतिपूर्ण आयोजन का भी उल्लेख किया। एसपी महेश बी. गिते ने बताया कि रुद्रंगी में अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और नो हेलमेट-नो एंट्री नियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष मोहन रेड्डी, मार्केट कमेटी अध्यक्ष तिरुपति, एएसपी चंद्रैया, आरडीओ राधाबाई, डीएसपी श्रीनिवासुलु सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इससे पूर्व डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने वेमुलवाड़ा स्थित श्री भीमेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर के डीईओ भास्कर शर्मा ने उन्हें प्रसाद, शेषवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान जिला कलेक्टर, एसपी, आरडीओ, डीएसपी, पुलिस अधिकारी और मंदिर के एईओ जी. अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

करेंट की चपेट में आने से किसान की मौत

क्षतिग्रस्त तार बना हादसे की वजह

मेदक, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नरसपुर मंडल के लिंगपुर गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में किसान की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान देवसोथ शंकर (41) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शंकर गांव के बाहरी इलाके में स्थित किसान पांडू के खेत में अपने मवेशियों को चरा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां पड़े एक बिजली के केबल पर पड़ी, जिसका आवरण क्षतिग्रस्त था। शंकर ने केबल को सुरक्षित करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि तार में करंट प्रवाहित हो रहा है। जैसे ही उन्होंने केबल को छुआ, उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा और वे मौके पर ही बेहोश हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग उन्हें तत्काल नरसपुर के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सब्जियों व बाजरा प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण 26 अप्रैल को

आय बढ़ाने पर रहेगा फोकस

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बागवानी विभाग की ओर से 'सब्जियों और बाजरा के प्रसंस्करण विधियों' पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य किसानों और प्रतिभागियों को प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन के माध्यम से आय बढ़ाने, खाद्य बर्बादी कम करने और पोषण स्तर में सुधार के अवसरों से अवगत कराना है। यह प्रशिक्षण 26 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तेलंगाना बागवानी प्रशिक्षण संस्थान (टीएचटीआई), रेड हिल्स में 'माना इल्लू माना कुरागयालू' कार्यक्रम के तहत आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को यह सिखाया जाएगा कि कच्ची सब्जियों और बाजरा को सुरक्षित, पोषक और लंबे समय तक टिकाऊ खाद्य उत्पादों में कैसे बदला जाए।

तेलंगाना में आईपीएस अधिकारियों के तबादले

कई अहम पदों पर नई नियुक्तियां

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में आईपीएस अधिकारियों के तबादलों और नियुक्तियों को अधिसूचित किया है। सामान्य प्रशासन (विशेष) विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार ये नियुक्तियां 1 मई 2026 से प्रभावी होंगी। जारी आदेश के मुताबिक, शिखा गोयल (1994 बैच) को महानिदेशक (सतर्कता एवं प्रवर्तन) पद से स्थानांतरित कर सरकार के प्रधान सचिव, गृह विभाग के रूप में नियुक्त किया गया है। वह तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालती रहेंगी।

वहीं, देवेंद्र सिंह चौहान (1997 बैच) को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक) पद से हटाकर महानिदेशक (सतर्कता एवं प्रवर्तन) और पदेन प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के रूप में नियुक्त किया गया है। शाहनवाज कासिम (2003 बैच) को औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक पद से स्थानांतरित कर आईजीपी, मल्टी जोन-2 बनाया गया है। उन्हें आईजीपी (कार्मिक) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। डॉ. तरुण जोशी (2004 बैच) को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के निदेशक पद से हटाकर फ्यूचर सिटी के पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। यह पद जी. सुधीर बाबू के सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हो रहा है। अविनाश मोहंती (2005 बैच), जो अब तक मल्काजगिरी के पुलिस आयुक्त थे, उन्हें औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक और निषेध एवं आबकारी विभाग के निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें एसीबी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। बी. सुमति (2006 बैच) को आईजीपी, एसआईबी (इंटेलिजेंस) पद से स्थानांतरित कर मलकाजगिरी की पुलिस आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा, कार्तिकेय (2006 बैच) को आईजीपी, इंटेलिजेंस के पद पर रहते हुए एसआईबी (इंटेलिजेंस) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सरकार ने इन तबादलों के जरिए प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मंशा जताई है।

एमएनआर मेडिकल कॉलेज पर छात्रों से वजीफा वापस लेने का आरोप, जांच की मांग

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन (एचआरडीए) ने संगारेड्डी स्थित एमएनआर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संगठन का कहना है कि प्रबंधन स्नातकोत्तर मेडिकल छात्रों पर दबाव डालकर उनकी छात्रवृत्ति का बड़ा हिस्सा वापस लेने के लिए मजबूर कर रहा है। एचआरडीए ने शुक्रवार को कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) के रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपकर मामले की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच की मांग की। आरोप है कि छात्रों को उनके मासिक वजीफे का 75 से 85 प्रतिशत हिस्सा, जो लगभग 45,000 रुपये तक होता है, नकद में वापस करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। संगठन ने यह भी कहा कि छात्रों को एक वचन पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसमें यह दर्शाया जाता है कि उन्हें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के नियमों के अनुसार नियमित छात्रवृत्ति दी जा रही है।

एचआरडीए ने मांग की कि केएनआरयूएचएस जांच के दौरान छात्रों को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या प्रतिशोध से सुरक्षा प्रदान करे। संगठन ने कहा कि दबाव में दिए गए किसी भी बयान को अमान्य माना जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संस्थान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि नियामक निगरानी से बचने के लिए बिना किसी दस्तावेज के नकद वसूली की जा रही है, जिसकी समय सीमा 28 अप्रैल तक तय की गई थी। छात्रों को एक विशेष बैंक में खाता खोलने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जहां छात्रवृत्ति जमा होते ही निकालकर नकद वापस कर दी जाती थी। इसके अलावा, छात्रों से हस्ताक्षरित चेक भी एकत्र किए जाने की बात कही गई है, जिनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यामिनी
माता : संध्या
पिता : नरेश

IN THE COURT OF THE HON'BLE IX JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT : AT HYDERABAD

O.S. No. 4264 OF 2025

BETWEEN
Rajesh Singh ....Plaintiff
AND
Somnath Singh & others .....Defendants
To
6. **Choti Bai** W/o Sheetal Singh, Aged about: 72 Years, Occ: Home maker, R/o 2-2-642/1, Amberpet Near Darga, Hyderabad
7. **Narsingh**, S/o Ramzan, aged about: 55 years, Occ: Business, R/o. H.No.1-2-191/5, Domalguda, Himayathnagar, Hyderabad
8. **Naredner** S/o. Narsingh, aged about: 35 years, Occ: Pvt Service, R/o. H.No.1-2-191/5, Domalguda, Himayathnagar, Hyderabad
9. **Ritesh** S/o. Narsingh, aged about: 30 years, Occ: Pvt. Service, R/o. H.No.1-2-191/5, Domalguda, Himayathnagar, Hyderabad
10. **Gudiya**, D/o. Narsingh, aged about: 32 years, Occ: Home Maker, R/o. H.No.1-2-191/5, Domalguda, Himayathnagar, Hyderabad

Whereas the above named Plaintiff, has filed suit against the Defendants for Partition and Separate Possession.
Whereas the Hon'ble Court has ordered service of summons through substitute service to be published in Varta Hindi daily news paper and parts notice through paper publication. Therefore please take notice that, the above suit is posted for you appearance to **04.05.2026**, and you are directed to appear before the said court on **04.05.2026** at **10.30 A.M.** either personally or through an Advocate, failing which the suit will be decided according to law.

(By order of the Court)
B. DHANANJAYA, Advocate
3-5-1090/A/8, Narayanguda, Hyderabad-29

सम्राट सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

सीएम का तेजस्वी को जवाब- सत्ता किसी की बपौती नहीं, लालू जी का अत्याचार नहीं होता, तो मैं सीएम नहीं होता

पटना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्राट सरकार ने फ्लोर टेस्ट ध्वनिमत से पास कर लिया है। स्पीकर प्रेम कुमार ने नई सरकार को बधाई दी। इससे पहले बहुमत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव को तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा, 'सत्ता किसी की बपौती नहीं होती है। कोई किसी की पाठशाला से नहीं आता है। मैं तो कहता हूं अगर लालू जी का मुझपर अत्याचार नहीं होता तो आज मैं सीएम नहीं होता। नीतीश कुमार की इच्छा थी कि सम्राट चौधरी बिहार का सीएम हो, इससे इनकार नहीं करता हूं।

बिहार में 20 सालों से एनडीए की सरकार है। एनडीए की सरकार ने किसानों, महिलाओं की चिंता की, और सबसे अधिक सुशासन स्थापित करने का काम किया गया। हमारे नेता नीतीश कुमार चाहते हैं कि बिहार समृद्ध बने।'

विश्वास मत पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बीजेपी और सम्राट चौधरी पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा, 'भाजपा ने नीतीश कुमार को फिनिश कर दिया। चुनाव में इन लोगों ने नारा लगाया था- '2025 से 30 फिर से नीतीश'। इन लोगों ने नीतीश कुमार को ही 25 से 30 में खत्म कर दिया।'

'किसी भी सरकार को विकास कार्यों के लिए स्टेबिलिटी चाहिए होती है। यहां 5 साल में 5 सरकार बनी, ये सरकार भी रहेगी या फिर नहीं आएगी। 5 साल में इन लोगों ने 5 सरकार बनाई है। आखिर ऐसी नौबत बार-बार क्यों आती है।'

सरकार का खजाना खाली हैः बिहार पर 4 लाख करोड़ का कर्ज है। पेंशन के लिए पैसा नहीं है। पैसा नहीं होगा तो काम कैसे होगा। खजाना खाली है। सरकार हमें बताए कि विकास के काम कैसे होंगे। इनका क्या विजन है। हम आपके विरोधी हैं पहले नहीं थे। आपने रास्ता चुना है, इसलिए हमें बोलना ही पड़ेगा।

2025 से 30 फिर से नीतीश का नारा झूठाः आज इस सत्र की जरूरत ही नहीं पड़ती, अगर बीजेपी पहले ही तय कर लेती कि मुख्यमंत्री उनका ही होगा। चुनाव में इन लोगों ने नारा लगाया था 2025 से 30 फिर से नीतीश। इन लोगों ने नीतीश कुमार को 25 से 30 में खत्म कर दिया।

बिहार में 5 साल में 5 मुख्यमंत्रीः किसी भी सरकार को विकास कार्यों के लिए स्टेबिलिटी चाहिए होती है। बिहार अजूबा राज्य है 5 साल में 5 सरकार बनी है। एनडीए 20 साल से राज कर रही है। 5 साल में इन लोगों ने 5 सरकार बनाई है। आखिरी ऐसी नौबत बार-बार क्यों आती है।

सीएम को पगड़ी संभालने की सलाह दीः आपने अपना संकल्प पूरा किया सम्राट चौधरी जी। आप अपनी पगड़ी संभालकर रखिएगा। विजय सिन्हा की उस पर नजर है। भले बिहार में बीजेपी का सीएम बना हो, लेकिन बीजेपी के नेता ही उनसे खुश नहीं हैं। सरकार में एक भी ओरिजनल बीजेपी नहीं: तेजस्वी यादव ने स्पीकर को ओरिजन बीजेपी का आदमी कहा। सम्राट जी लालू जी की पाठशाला से निकले हैं। डिप्टी सीएम विजय चौधरी कांग्रेस से हैं। विजेंद्र यादव राजद से हैं। कोई ओरिजन बीजेपी का आदमी सरकार में नहीं है। ओरिजनल बीजेपी के लोग खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

तेजस्वी को सीएम सम्राट का जवाब

सत्ता किसी की बपौती नहीं: किसी की बपौती नहीं है ये सत्ता। ये मुख्यमंत्री का पद 14 करोड़ बिहारियों का आशीर्वाद है, इसलिए मैं यहां बैठा हूं। आपको कहां से गलत फहमी हुई है।

लालू यादव ने मुझे जेल में डालाः लालू यादव जी ने मुझे जेल में डाला। मेरे परिवार के 22 लोगों को जबदस्ती जेल में डाला।

गोरखपुर क्लब संचालक के बेटे ने मुंह में गोली मारी

फॉर्च्यूनर से फार्महाउस पहुंचा, कॉल की, फिर पिस्टल से सुसाइड किया

गोरखपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरखपुर में अरबपति कारोबारी और हाईप्रोफाइल गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के बेटे अम्बरीश (40) ने सुसाइड कर लिया। अम्बरीश ने शुक्रवार को लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मुंह में गोली मार ली। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

शुक्रवार सुबह 7 बजे अम्बरीश अपनी फार्च्यूनर से अकेले फार्महाउस पहुंचे। वहां मोबाइल पर किसी से बात करते हुए ऊपरी मंजिल पर गए। साढ़े 8 से 9 बजे के बीच में उन्होंने खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर फार्महाउस के कर्मचारी भागकर पहुंचे। वहां उनका खून से लथपथ शव पड़ा था।

अम्बरीश के पिता अतुल श्रीवास्तव शहर के बड़े कारोबारी हैं। उनका 'एके' के नाम से टेंट हाउस का कारोबार है। वह कायस्थों की श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अम्बरीश भी हाल ही में श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के महामंत्री चुने गए थे।

अम्बरीश का घर पॉश इलाके सिविल लाइंस के पार्क रोड पर है। घर से 10km दूर कुसमी जंगल में तीन मंजिला फार्महाउस है। यहां बने गोदाम में टेंट और कुर्सी मेज रखे जाते हैं। अम्बरीश दो भाई में सबसे बड़े थे। छोटा भाई रानू श्रीवास्तव भी बिजनेसमैन है। अमरीश गुरुवार की रात खाना-खाने के बाद अपने सिविल लाइंस के घर में ही सो गए थे। शुक्रवार सुबह उठे और फार्म हाउस जाने के लिए ड्राइवर को बुलाया था लेकिन ड्राइवर नहीं आया तो वह घर में ही एक घंटे तक टहलते रहे। फिर खुद ही फार्च्यूनर कार लेकर निकल गए।

वहां पहुंचकर किसी को फोन किया। बात करते-करते तीसरी मंजिल पर बने गोदाम में चले गए। करीब साढ़े 8 से 9 बजे के बीच गोली की आवाज सुनकर कर्मचारी भागकर पहुंचे तो देखा अम्बरीश खून से लथपथ पड़े हैं। गोली मुहं से बाहर निकली हुई थी। घटना के दौरान करीब 4 कर्मचारी वहां थे।

अम्बरीश की 2012 में दीपाली श्रीवास्तव से शादी हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं- एक 10 साल और दूसरा 8 साल का लड़का। अम्बरीश टेंट हाउस बिजनेस के साथ ही ठेकेदारी भी करते थे।

एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया- 24 अप्रैल को साढ़े नौ बजे एम्स थाना क्षेत्र में सूचना मिली।

शैतानी करता था, इसलिए गुरुकुल में पीट-पीटकर मार डाला

लखनऊ में 6 दिन पहले एडमिशन हुआ था; आरोपी महंत का कबूलनामा

दिव्यांश द्विवेदी, मृतक — रोते-बिलखते परिजन

कानपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 'दिव्यांश गुरुकुल की परंपरा के मुताबिक ढल नहीं पा रहा था, दिनभर शैतानी करता था। 3-4 दिनों से उसकी शैतानियां बढ़ गई थीं। मुझे चिढ़ होने लगी थी। तंग आकर मैंने उसे नंगे पांव घंटों धूप में खड़ा रखा। रातभर थप्पड़, चप्पल, लात-घूसों से पिटाई की। कपड़े उतरवाकर पीठ पर डंडे मारे।

उसकी पीठ पर लात मार दी, जिससे वह दूर जाकर गिरा। दीवार से सिर टकरा गया। फिर उसका मुंह दबाया, कई घूसें उसकी पीठ पर जड़ दिए। वह बेसुध हो गया। देखा तो दिव्यांश मर चुका था। फिर कार से शव कानपुर में उसके घर के बाहर छोड़कर भाग आया।'

ये कबूलनामा है लखनऊ के रामानुज भागवत वेद विद्या पीठ के संचालक और महंत सौरभ मिश्रा उर्फ कन्हैया का, जिसने 21 अप्रैल को 11 साल के बच्चे दिव्यांश की गुरुकुल में पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। आरोपी रिश्ते में बच्चे का मामा लगता है। 15 अप्रैल को ही पिता नरेंद्र कुमार द्विवेदी ने दिव्यांश का गुरुकुल में दाखिला कराया था। गुरुवार को दिव्यांश के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी मूल निवासी छतरपुर सौरभ मिश्रा (27) और छतरपुर की ही गर्लफ्रेंड हर्षिता सोनी (23) को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों वर्तमान में लखनऊ के पारा इलाके में किराये पर रहते थे। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। आरोपी महंत ने पुलिस के सामने क्या कबूला, उसकी गर्लफ्रेंड क्यों अरेस्ट हुई? पुलिस ने आरोपी मामा और उसकी गर्लफ्रेंड से पूछताछ की। दोनों ने जो बयान दिए, उसे सुन अफसर भी सन्न रह गए। मामा ने पुलिस को बताया- दिव्यांश गुरुकुल के नियमों का पालन नहीं कर रहा था। वह कक्षा में शोर मचाता था। बच्चों से बातें करता था। गाना गाता, डांस करता। उसकी शरारत देख अन्य बच्चे भी कुछ ही दिनों में उसके रंग में रंगने लगे थे। जिसे देख मुझे उससे चिढ़ आने लगी थी। इस वजह से तीन दिनों से दिव्यांश की बेरहमी से पिटाई कर रहा था।

सौरभ ने कबूला कि तेज धूप में दिव्यांश के कपड़े उतार कर उसे नंगे पैर छत पर खड़ा कर देता था। छाया की ओर भागने पर उसे पीटता। दिव्यांश को छोड़ सभी बच्चों को खाना दिया जाता था।

जिम में बीवी बहक न जाए, इसलिए मार डाला

जिम ट्रेनर्स के रोमांस के किस्से परेशान करते थे; कारोबारी का कबूलनामा

मुरादाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 'आए दिन जिम ट्रेनरों के किस्से सामने आ रहे हैं। कहीं जिम ट्रेनर के साथ अफेयर में पड़ी महिला ने पति को मरवा दिया, तो कहीं जिम ट्रेनर के इश्क में महिला घर-परिवार छोड़कर चली गई। ऐसी कहानियों से मैं अपनी पत्नी को लेकर इनसिक्योर फील करने लगा था।

मुझे डर था कि कहीं मेरी पत्नी के साथ भी कोई ऐसी अनहोनी न हो जाए। मैं उसे जिम जाने से रोकता था। मैंने उसे प्यार से समझाया। डराया धमकाया भी, लेकिन वो नहीं मानी। इससे मेरा शक गहराने लगा। आखिरकार मेरे हाथों मेरी बीवी का कत्ल हो गया। मैं उसे मारना नहीं चाहता था।'

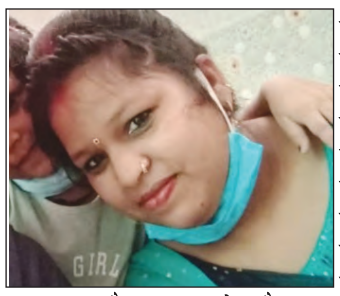

यह कहना है मुरादाबाद के स्क्रैप कारोबारी शोभित गुप्ता का। उसने 22 अप्रैल (बुधवार) को अपनी पत्नी पूनम गुप्ता की हत्या कर दी। पुलिस ने 23 अप्रैल (गुरुवार) को शोभित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में उसने घटना की वजह और वारदात के हालात को लेकर कई बातें बताईं। मुरादाबाद में डबल फाटक टावर वाली गली में रहने वाले शोभित गुप्ता का स्क्रैप कारोबार है। डबल फाटक एरिया में ही उसकी दुकान है। शोभित की शादी करीब 10 साल पहले रामपुर में बेलदारान में रहने वाली पूनम गुप्ता से हुई थी।

शोभित और पूनम की 7 साल की एक बेटी भी है, जिसका नाम आराध्या है। परिवार के लोगों का कहना है कि शोभित पत्नी पूनम से बेहद प्यार करता था। बस उसे उसके जिम जाने का ऐतराज था। इसे लेकर आए दिन दोनों के बीच कहासुनी होती थी। इसी के चलते शोभित ने 22 अप्रैल को दुकान का शटर खोलने वाले लोहे के हैंडल से पूनम का सिर कूच दिया।

ये मेरी गर्लफ्रेंड है, मेरे साथ जाएगी

अंबेडकरनगर में प्रेमी ने दुल्हन की गाड़ी रोकी; खाली हाथ लौटा दूल्हा

अंबेडकरनगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर में विदाई के बाद ससुराल जा रही दुल्हन की गाड़ी को प्रेमी ने बीच रास्ते रोक लिया। फिल्मी स्टाइल में कार के आगे बाइक लगा दी। कार का दरवाजा खोलकर दूल्हा-दुल्हन को बाहर निकाला और फिर दुल्हन को अपनी ओर खींचते हुए बोला- ये मेरी गर्लफ्रेंड है, ये मेरे साथ जा रही है। युवक की इस हरकत से दूल्हा हैरान रह गया। गुस्से में वह उससे भिड़ गया। लेकिन प्रेमी ने सबूत के तौर पर अपने मोबाइल में रखे फोटोज दिखाने शुरू कर दिए। बोला- हम दोनों को कोई अलग नहीं कर सकता। प्रेमी की इस हरकत से दुल्हन सन्न रह गई।

एंबुलेंस का तेल खत्म रास्ते में बुजुर्ग की मौत

2 घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा पटना किया गया था रेफर

जमुई, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जमुई में स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। गुरुवार को सदर अस्पताल से पटना रेफर किए गए 80 वर्षीय धीरज रविदास की मौत एंबुलेंस में तेल खत्म होने के कारण हो गई। मरीज को पटना ले जाते समय एंबुलेंस बीच रास्ते में रुक गई, जिससे उन्हें 2 घंटे से अधिक समय तक सड़क पर तड़पना पड़ा।

झाझा प्रखंड के बाबूबांक निवासी धीरज रविदास को सुबह सिर में तेज दर्द के बाद पहले झाझा अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उन्हें सुबह 9 बजे सदर अस्पताल जमुई लाया गया। दोपहर 12:15 बजे डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया।

मरीज को सरकारी एंबुलेंस (संख्या 6631) से पटना ले जाया जा रहा था। दोपहर 1:11 बजे सिकंदरा-शेखपुरा मुख्य मार्ग पर मतासी गांव के पास एंबुलेंस का तेल अचानक खत्म हो गया। इसके बाद एंबुलेंस सड़क किनारे खड़ी हो गई और मरीज अंदर तड़पता रहा। एंबुलेंस चालक ने जैन प्लस के एसीओ नीतीश कुमार को घटना की सूचना दी। चालक ने आसपास के पेट्रोल पंपों पर भी तेल की तलाश की, लेकिन कहीं भी उपलब्ध नहीं हो सका। इस दौरान मरीज की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी।

जमुई से दूसरी एंबुलेंस भेजी गई, जिसे घटनास्थल तक पहुंचने में 2 घंटे 14 मिनट का लंबा समय लग गया। जब तक दूसरी एंबुलेंस पहुंची, तब तक धीरज रविदास की हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि उनकी मौत हो गई।

भागलपुर में मंडप में दूल्हे का शादी से इनकार

लड़की वालों को घंटों इंतजार करवाया, फिर कहा- माफ कर दो; इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती

भागलपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर में एक दूल्हा मंडप पर शादी से मुकर गया। जिसके बाद घंटों तमाशा हुआ, मामला थाने तक पहुंच गया। लड़की वालों का आरोप है कि लड़के ने पहले लड़की को अपनी बातों में फंसाया, फिर शादी के नाम पर 30 हजार रुपए भी मांगे, अब शादी से मुकर गया।

वहीं लड़के का कहना है कि मुझ पर शादी का दबाव बनाया गया। मेरे से गलती हुई है। माफ कर दीजिए। मामला जोगसर थाना क्षेत्र के बूढ़ानाथ का है। दरअसल, पिछले साल अगस्त में इंस्टाग्राम के जरिए बाथ थाना इलाके के रहने वाले शिवम कुमार और भीखनपुर निवासी तुलसी कुमारी की दोस्ती हुई थी। दोनों बातें करते थे, फिर परिवार की रजामंदी से शादी तय हुई थी।

दूल्हा शिवम कोलकाता में ड्राइवर है। घर के एक सदस्य की मौत हो गई थी। जिसके चलते वो 20 दिन पहले भागलपुर आया था। फिर परिवार की रजामंदी से शादी की डेट फाइनल हुई। 23 अप्रैल को पूरी तैयारी के साथ लड़की पक्ष के लोग बूढ़ानाथ मंदिर पहुंचे।

लड़की वालों ने जब शिवम को फोन किया तो पहले उसने कहा, मैं मंदिर में ही हूं, जल्दी आओ, वरना भाग जाऊंगा। जब लड़की वाले पहुंचे तो शिवम वहां नहीं मिला। इसके बाद लड़की वालों ने उसे फोन किया तो कहा कि ई-रिक्शा भेज दो, हम आ जाएंगे। इस पर लड़की पक्ष ने कहा कि तुम किसी वाहन से आ जाओ, हम यहां किराया दे देंगे। करीब साढ़े 3 घंटे बाद वो मंदिर पहुंचा। रात करीब साढ़े 10 बजे के करीब शिवम अपने एक दोस्त के साथ बूढ़ानाथ मंदिर पहुंचा, जबकि उसे शाम 7 बजे से आने के लिए कहा जा रहा था। शादी के लिए जब मंदिर प्रशासन की तरफ से लड़के से आधार कार्ड मांगा गया तो उसने देने से इनकार कर दिया। उसके साथ वर पक्ष से एक दोस्त के अलावे कोई नहीं आया, तो लड़की वालों ने गार्जियन को बुलाने को कहा, लेकिन शिवम मुकर गया।

लेक्चरर की पत्नी की हत्या में नौकरानी पर शक

कानपुर पुलिस ने 6 को उठाया, बेटी की शादी के लिए खरीदे थे जेवरात

कानपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में लेक्चरर की पत्नी का मर्डर-लूटकांड में पुलिस खुलासे के करीब पहुंच गई है। पुलिस की जांच नौकरानी के इर्द-गिर्द घूम रही है। पुलिस ने नौकरानी ऊषा और उसकी भांजी समेत छह लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी वेस्ट का दावा है कि जल्द ही मर्डर केस का खुलासा करेंगे। पुलिस नौकरानी और उसके परिवार के संदिग्धों की लोकेशन, कॉल डिटेल समेत अन्य सबूतों की जांच कर रही है। तस्दीक होते ही मर्डर और लूटकांड का खुलासा करेगी।

इसके साथ ही शुक्रवार को मृतक निर्मला सिंह का पोस्टमॉर्टम किया गया। देर रात निर्मला का बेटा प्रसून, बेटी पूजा, प्राची और दामाद शिवम कानपुर पहुंचे। दामाद शिवम ने नौकरानी पर शक जताते हुए कहा कि उसे घर की पूरी जानकारी थी।

हमलावरों ने दो मंजिला मकान में उसी जगह पर अटैक किया, जहां जेवरात रखे हुए थे। शिवम ने बताया कि साली पूजा की शादी नवंबर में लखनऊ के साफ्टवेयर इंजीनियर सूर्य से तय हुई थी, जिसके लिए निर्मला ने हाल ही में 6 से 7 लाख रुपए के जेवरात खरीदे थे।

'गर्लफ्रेंड के लिए जीजा ने बहन को मार डाला'

भाई बोला- दीदी ने दोनों को साथ पकड़ा था; 8 साल पहले हुई थी लव मैरिज

बेगूसराय, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। "गर्लफ्रेंड के लिए जीजा ने बहन का मर्डर कर दिया। बहन ने दोनों को साथ में रंगे हाथों पकड़ लिया था, इसलिए उसके साथ मारपीट की गई। फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। ससुराल के लोग 5 साल की बेटी को साथ लेकर भाग गए, जबकि लाश के पास 3 साल का बच्चा रोता मिला। जीजा अब रिश्तेदारों के जरिए हमें जान से मारने की धमकी दे रहा है।"

यह बयान 26 साल की मनीषा कुमारी के भाई ऋषभ का है। दरअसल, बेगूसराय के रुदौली गांव में सोमवार दोपहर कमरे में बेड पर महिला का शव मिला। शरीर पर चोट के निशान थे और छत पर फंदा भी बंधा हुआ था।

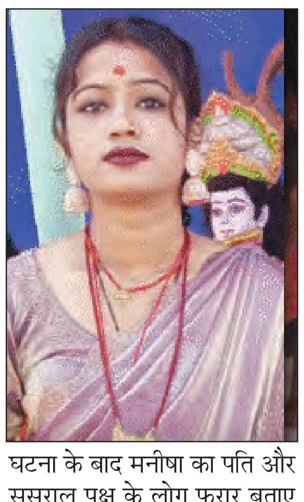

घटना के बाद मनीषा का पति और ससुराल पक्ष के लोग फरार बताए जा रहे हैं।

मृतका की मां, बहन और भाई का दावा है कि अपनी प्रेमिका के रास्ते से कांटा हटाने के लिए राजू ने परिजनों के साथ मिलकर मनीषा की हत्या कर दी। इस पूरी घटना में सबसे बुरा पहलु अब दो मासूम बच्चों का भविष्य है। मनीषा की एक 5 साल की बेटी खुशी और एक 3 साल का बेटा ऋषभ है। घटना के बाद आरोपी अपनी 5 साल की बेटी को लेकर फरार हो गया, जबकि 3 साल का ऋषभ अपनी मां के शव के पास रोता बिलखता मिला।

मृतका की बहन दीपा का कहना है, "मनीषा के पति राजू साहनी का गांव की ही एक लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात को लेकर घर में अक्सर विवाद होता था। मनीषा अपने पति की इन करतूतों का विरोध करती थी। जिसके बदले उसे शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना मिलती थी। रविवार शाम से ही दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। जब मनीषा ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ा तो, मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई।"

बृजभूषण सिंह बोले- अब समझाने का वक्त नहीं

2027 या 2029 के चुनाव में दिखा देंगे, अगर हम भार लगते हैं तो एक बार कह दो

गोंडा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 'आज सरकार की नजरों में हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। हम अनुपयोगी लगते हैं। अगर किसी को ऐसा लगता है कि हम भार बन चुके हैं तो बस एक बार कह दो कि हमारी जरू स नहीं। 2027 में कह दो। 2029 में कह दो। जब भी मन करे आकर कह दो। हम दिखा देंगे कि हमारी उपयोगिता है या नहीं।' चुनौती भरे लहजे में ये बातें कैसरगंज सीट से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को बिहार के भागलपुर में कहीं।

यहां बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव के दौरान बृजभूषण सिंह ने मंच से क्षत्रियों को राजनीति में नजरअंदाज करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- अब समय ज्यादा समझाने का नहीं रह गया है। अब समय अपनी ताकत पहचानने का है। ये हमारी गलती है कि जब-जब हमें दबाया गया, हम मौन रहे। यही वजह है कि हमें तवज्जो नहीं दी जाती। ये हमारी कमी है कि हम अपने महापुरुषों कुंवर सिंह, महाराजा देवी बक्श सिंह, झांसी की रानी, बिरसा मुंडा को उचित स्थान नहीं दिलवा सके।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- देश की आजादी का श्रेय केवल कुछ लोगों तक सीमित कर दिया। कई क्रांतिकारियों को नजरअंदाज किया गया। झांसी की रानी, कुंवर सिंह, महाराजा देवी बक्श सिंह, बिरसा मुंडा, किसी को भी श्रेय नहीं दिया गया। सिर्फ एक ही नारा गूंजा- साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल।

बृजभूषण ने एक दोहा पढ़ा- नहीं पाप का भागी केवल व्याध, केवल जो तटस्थ है, जो मौन है, समय लिखेगा उनका भी अपराध। उन्होंने कहा- उस समय समाज का मौन रहना घातक साबित हुआ। ये हमारा अपराध है कि हम अपने महापुरुषों को उनका उचित सम्मान न दिला सके।

बृजभूषण ने कहा- संविधान निर्माण को लेकर भी गलत धारणा बनाई गई। संविधान सभा में 242 सांसद थे, केवल बाबा साहब भीमराव अंबेडकर नहीं थे।

दरभंगा में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प

रोड़ेबाजी में 6 लोग घायल; गांव में पुलिस की तैनाती

दरभंगा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई। मामूली विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया।दोनों पक्षों के बीच जमकर रोड़ेबाजी हुई। जिसमें बच्चे समेत 5-6 लोग घायल हो गए।

मामले की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ बिरौल प्रभाकर तिवारी और एसडीएम शशांक राज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित किया। इलाके में फिलहाल शांति है, लेकिन तनाव बना हुआ है। घटना सुपौल पंचायत क्षेत्र के मकसुदनपुर गांव की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बिरौल, बड़गांव, घनश्यामपुर, जमालपुर, कुशेश्वरस्थान और तिलकेश्वर पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। करीब 100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। दंगा नियंत्रण वाहन भी मौके पर मौजूद है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बाइक से हल्की टक्कर लगने के बाद विवाद शुरू हुआ। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे बढ़कर सामुदायिक तनाव में बदल गई।

बात इतनी बढ़ गई कि कुछ ही देर में दोनों ओर से रोड़ेबाजी होने लगी।

घायलों में एहसान बख्खो (2.5), तनवीर (10), अब्दुल (22), परवेज (27) शामिल है। इसमें से 2 की हालत गंभीर है। जिसे बेहतर इलाज के लिए DMCH रेफर कर दिया गया है। वहीं, दूसरे पक्ष से बिशो सहनी (60) समेत कई लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है।

उपद्रवियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। फिलहाल गांव में पुलिस कैंप कर रही है।

प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के शुरुआती दौर में रोड़ेबाजी हुई थी, लेकिन पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से मामला शांत करा लिया गया।

पश्चिम एशिया संकट : भारत में मिशन प्रमुखों का सम्मेलन

सम्मेलन में दुनिया को संदेश देंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से ठप होने के बीच भारत ने अपने मिशन प्रमुखों का तीन दिवसीय सम्मेलन (हेड्स ऑफ मिशन कॉन्फ्रेंस) आयोजित किया है। इस सम्मेलन में अन्य देशों में तैनात भारत के सभी प्रमुख राजदूत, उच्चायुक्त या राजनयिक शामिल होने वाले हैं। सम्मेलन तीन दिनों तक चलेगा और आखिरी दिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां अपनी बात रखने वाले हैं।

मिशन प्रमुखों का यह सम्मलेन नई दिल्ली में 28 से 30 अप्रैल तक आयोजित किया गया है। एचटी की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अप्रैल को भारतीय राजनयिकों के साथ मौजूदा जियोपॉलिटिक्स पर विचार-मंथन में शामिल होंगे।

मिशन प्रमुखों के सम्मेलन में क्या संदेश देंगे पीएम मोदी

इस सम्मेलन के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी और सचिव (आर्थिक संबंध) सुधाकर दलेला पीएम मोदी के सामने यह प्रेजेंटेशन देंगे कि विदेश मंत्रालय मौजूदा जियोपॉलिटिक्स के दौरान जमीन पर भारतीय कूटनीतिक प्राथमिकताओं को किसी तरह से अमल में ला रहा है। होर्मुज में हाल के दिनों में भारत के जहाजों के साथ जो दिक्कतें आई हैं, उसकी वजह से यह सम्मेलन बहुत अहम हो गया है।

सभी की नजरें इसी बात पर अटकी हुई हैं कि पीएम मोदी विशेष तौर पर खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में तैनात अपने राजनयिकों को मौजूदा जियोपॉलिटिक्स को लेकर क्या संदेश देने वाले हैं। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी अपने राजनयिकों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की योजनाओं और प्राथमिकताएं साझा करेंगे।

भारतीय राजनयिकों का यह सम्मेलन इसलिए और भी अहम हो गया है, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट में दुनिया में आतंकवाद का सरगना पाकिस्तान शांतिदूत बनने की कोशिशों में जुटा हुआ है।

यही नहीं, पाकिस्तान ने कतर और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के साथ अपने रक्षा संबंधों पर भी काम किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट सम्मेलन का महत्वपूर्ण एजेंडा

मिशन प्रमुखों के सम्मेलन के पहले दिन यानी 28 अप्रैल को विदेश सचिव विक्रम मिसरी पश्चिम एशिया संकट और इसकी वजह से पैदा हुए भयंकर आर्थिक चुनौतियों पर भारत का संपूर्ण दृष्टिकोण तमाम राजनयिकों के साथ साझा करेंगे। विशेष तौर पर जिस तरह से होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो चुकी है, वह इस सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा रहने वाला है।

सीडीएस अनिल चौहान और विदेश मंत्री भी चर्चा में शामिल

सम्मेलन के दूसरे दिन विदेश मंत्री एस जयशंकर भारतीय राजनयिकों को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे पश्चिम एशिया संकट के साथ-साथ, यूक्रेन यूद्ध और पूर्वी एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की वजह से बदल रहे जियोपॉलिटिक्स पर भारत का नजरिया सामने रखेंगे। इसी दिन भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी राजनयिकों और दूतों को भारत के पड़ोसियों की सैन्य क्षमताओं और भारतीय सैन्य बलों की ओर से अपनाए गए सुधारों और उपायों की जानकारी भी प्रेजेंटेशन के तौर पर पेश करेंगे।

पुलिस कांस्टेबलों की पदोन्नति पर उच्च स्तरीय कमेटी करेगी समीक्षा

> सरकार की अपील खारिज

शिमला, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबलों की पदोन्नति के मुद्दों पर एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि पुलिस कर्मियों की सेवा स्थितियों में सुधार और समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करना आवश्यक है।

खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें गृह सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का निर्देश दिया गया है। खंडपीठ ने कमेटी को निर्देश दिया है कि वह 8 सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट और सिफारिशें सरकार को सौंपे। इस कमेटी में 11 अन्य सदस्य शामिल होंगे, जिनमें से 9 पुलिस विभाग के विशेषज्ञ होंगे। यह कमेटी कांस्टेबलों को हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत करने की पूरी प्रक्रिया की समीक्षा करेगी। अदालत ने टिप्पणी की कि वर्तमान में कांस्टेबलों के लिए पदोन्नति के अवसर बेहद सीमित हैं। विशेष रूप से जनरल ड्यूटी देने वाले कांस्टेबलों के पास अन्य उप-कैडर की तुलना में पदोन्नति के रास्ते कम हैं। न्यायालय ने इस तथ्य पर गौर किया कि 20 साल की सेवा के बाद कांस्टेबलों को मानद हेड कांस्टेबल का पद तो दे दिया जाता है, लेकिन उन्हें काम कांस्टेबल का ही करना पड़ता है। इसके बदले उन्हें 80 से 200 रुपये का मामू ली वित्तीय लाभ मिलता है, जिसे अदालत ने अपर्याप्त माना। पुलिस कर्मियों को समयबद्ध पदोन्नति, उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन, ओवरटाइम भत्ता, साप्ताहिक अवकाश और आवासीय सुविधा जैसे लाभ मिलने चाहिए। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद लंबे समय तक कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू नहीं की जाती है, तो विभाग की ओर से उसके सेवानिवृत्ति लाभों को रोकना अन्यायपूर्ण है। न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की अदालत ने कहा कि जांच के नाम पर सेवानिवृत्ति लाभों को लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता 28 फरवरी 2025 को सेवानिवृत्त हुईं थीं।

विभाग का तर्क था कि उनके दस्तावेजों (जन्म तिथि और योग्यता प्रमाणपत्र) में हेराफेरी के आरोपों के कारण उनके लाभ रोके गए हैं। हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए सरकार और संबंधित विभाग को आदेश दिए हैं कि याचिकाकर्ता के सभी बकाया सेवानिवृत्ति लाभ 6 सप्ताह के भीतर जारी करें। याचिकाकर्ता ने याचिका दायर कर अदालत से मांग की थी कि उन्हें 1 मार्च 2025 से उनके कानूनी देय लाभ जैसे पेंशन, ग्रेच्युटी और जीआईसी प्रदान किए जाएं।

आईआरएस की बेटी की हत्या के बाद आरोपी राहुल मीणा ने खायी चिकन करी

होटल में 1500 की जगह 2000 रुपये दिया किराया

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आईआरएस की बेटी के मर्डर मामले में दिल्ली पुलिस की जांच जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस जांच में सामने आया है कि आईआरएस की 22 साल की बेटी की हत्या के बाद आरोपी राहुल मीणा द्वारका के होटल में पहुंचा। यहां उसने दो हजार रुपये में रूम बुक किया और सबसे पहले एक क्विक कॉमर्स ऐप के जरिए एक टी-शर्ट ऑर्डर की। इसके बाद उसके बाद चिकन करी और रोटियां ऑर्डर की।

पुलिस पूछताछ में राहुल मीणा ने बताया कि युवती की हत्या के बाद वह आस्था कुंज पार्क गया, जहां उसने लड़की का मोबाइल फोन कूड़ेदान में फेंका और फिर यहां से कैब के जरिए पालम रेलवे स्टेशन पहुंचा। ड्राइवर ने उससे 600 रुपये देने के लिए कहा। सूत्रों ने बताया कि राहुल मीणा सुबह करीब 8.17 बजे पालम रेलवे स्टेशन पहुंचा लेकिन उसकी ट्रेन मिस हो गई। इसके बाद वह ऑटो-रिक्शा के जरिए द्वारका के होटल पहुंचा, जहां उसने शाम साढ़े छह बजे तक 2000 रुपये में रूम बुक किया। उसने पुलिस को बताया कि कमरे का किराया 1500 रुपये था लेकिन होटल स्टाफ ने उससे 500 रुपये ज्यादा मांगे क्योंकि उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं था।

अलवर में रेप के बाद चुराया मोबाइल फोन

द इंडियन एक्सप्रेस को सूत्रों ने यह भी बताया कि राहुल मीणा के पास एक दो सिम वाला मोबाइल फोन था, जो उसने अलवर में पीड़िता के घर से उसका रेप करने के बाद चुराया था। वह फोन का इस्तेमाल वाई-फाई के जरिए कर रहा था और गुरुग्राम में रहने वाले अपने कजिन से लगातार इंस्टाग्राम मैसेंजर के जरिए संपर्क में था।

पुलिस को राहुल मीणा ने बताया कि उसका कजिन उसे इंस्टाग्राम पर इसलिए लगातार मैसेज भेज रहा था क्योंकि वो अपने परिवार को बिना बताए दिल्ली आया था और इसलिए उसके परिवार वाले चिंतित थे। सूत्रों ने बताया कि राहुल मीणा ने अपने कजिन को परिवार को यह आश्वस्त करने के लिए कहा कि वह ठीक है और रुपये वापस कर देगा। इसी दौरान साउथ ईस्ट दिल्ली जिले की पुलिस ने उसे दबोच लिया।

30 अप्रैल को धर्मशाला आएंगे राहुल गांधी

जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में करेंगे शिरकत

शिमला, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा कांगड़ा में आयोजित जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 30 अप्रैल को यहां आएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सहित अन्य मंत्री और वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। यह प्रशिक्षण शिविर 21 से 30 दिसंबर तक हिमाचल, पंजाब और जम्मू कश्मीर के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के लिए आयोजित किया जा रहा है। राहुल गांधी अंतिम दिन आएंगे, जबकि पहले उनका कार्यक्रम 29 अप्रैल की शाम को निर्धारित था, जिसे बुधवार को बदला गया।

मुस्लिम महिला को मस्जिद में एंट्री'

अब ओवैसी ने कही बड़ी बात, सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दी दलील

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से प्रतिबंधित नहीं करता है, लेकिन उनका घर पर ही रहना उचित है। एआईएमपीएलबी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि कुछ अनुशासन के अधीन महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति है।

वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाहद ने सबरीमाला मामले की सुनवाई कर रही 9 न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष एआईएमपीएलबी की ओर से यह दलील दी। मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश की मांग वाली रिट याचिकाएं भी सबरीमाला मामले के साथ ही दायर की गई हैं, क्योंकि अनुच्छेद 25 और 26 के दायरे से संबंधित संवैधानिक प्रश्न भी वहीं उठते हैं। इन याचिकाओं का जवाब देते हुए शमशाद ने कहा कि मस्जिद में 'पवित्रस्थल' की कोई अवधारणा नहीं है, हालांकि यह दरगाहों में मौजूद है।

9 जजों की संवैधानिक बेंच कर रही सुनवाई

इस याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की बेंच सुनवाई कर रही है। पीठ में जस्टिस बी. वी. नागरत्ना, जस्टिस एम एम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, जस्टिस प्रसन्ना बी वराले, जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

वहीं इस याचिका पर हुई सुनवाई पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलीलें समाप्त करने से पहले एआईएमपीएलबी के अधिवक्ता शमशाद ने कहा, यहां एक याचिका है, जिसमें कहा गया है कि एक मुस्लिम महिला के लिए मस्जिद आवश्यक है। लेकिन मेरे पास एक फैसला है, जिसमें कहा गया है कि मस्जिद आवश्यक नहीं है।'

एआईएमपीएलबी के वकील ने पीठ को बताया कि यह बेहतर होगा कि महिलाएं घर पर ही नमाज अदा करें और उन्हें मस्जिद में नमाज अदा करने वाले पुरुषों के समान ही पुण्य प्राप्त होंगे। हस्तक्षेप करते हुए जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि इसका कारण यह है कि यदि घर के सभी सदस्य मस्जिद चले जाएंगे, तो बच्चों की देखभाल कौन करेगा? जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इस्लाम में महिलाओं के लिए मस्जिद में सामूहिक नमाज में शामिल होना अनिवार्य नहीं है। शमशाद ने कहा कि कुरान में पैगंबर का अनुसरण करने का आह्वान किया गया है और हदीसों में उपासना के तौर-तरीकों का उल्लेख किया गया है।

35 साल में एक भी गवाह नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अधिकारी के खिलाफ ट्रायल पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। 35 साल बीत जाने के बाद भी जब गवाही के लिए एक भी गवाह को नहीं बुलाया गया, तो सुप्रीम कोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ चल रही ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि वह सिर्फ देरी के आधार पर ही इस मामले को रद्द करने के पक्ष में है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने यूपी सरकार को नोटिस जारी कर उससे जवाब मांगा कि इस मामले को रद्द क्यों न किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि कोई भी आदेश पारित करने से पहले राज्य सरकार का पक्ष सुनना जरूरी है। इस पुलिस अधिकारी पर आईपीसी की धारा 147 (दंगा), 323 (चोट पहुंचाना) और 504 (अपमान करना) और रेलवे एक्ट की धारा 120 के तहत आरोप लगे हैं। इन्ही मामलों को लेकर उन पर ट्रायल चल रहा है। यह मामला प्रयागराज में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (रेलवे) की अदालत में लंबित है।

जानें क्या है पूरा मामला

याचिकाकर्ता-पुलिस अधिकारी के खिलाफ 1989 में इलाहाबाद के रामबाग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। उस पर आईपीसी की धारा 147 (दंगा करने की सजा), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाने की सजा) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और रेलवे अधिनियम की धारा 120 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए मुकदमा चल रहा है। यह मुकदमा 1991 से प्रयागराज की एक अदालत में लंबित है। इस मामले में कुल 5 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी, जिनमें से 2 की मृत्यु हो चुकी है। दो को बरी कर दिया गया, क्योंकि राज्य पक्ष मौखिक गवाही के लिए अभियोजन पक्ष के गवाहों को पेश करने में विफल रहा।

हाईकोर्ट ने पूरे मामले में दिया था ये फैसला

इस संबंध में हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की कार्यवाही रद्द करने की अपील को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री का अवलोकन करने और इस पर मामले के तथ्यों को देखने के बाद, यह नहीं कहा जा सकता कि आवेदक के खिलाफ कोई अपराध नहीं बनता है।

ऐसे सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

अदालत में की गई सभी दलीलें तथ्यों के विवादित प्रश्नों से संबंधित हैं, जिन पर इस न्यायालय की ओर सी सीआरपीसी की धारा 482 के तहत निर्णय नहीं दिया जा सकता है। हस्तक्षेप का कोई मामला नहीं बनता है। ऐसे में संपूर्ण आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की अपील अस्वीकार की जाती है। इससे व्यथित होकर, आरोपी पुलिस अधिकारी ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। जीसै उत्तराखंड राज्य को पक्षकार बनाते हुए, शीर्ष न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई 29 अप्रैल के लिए निर्धारित की।

दो बच्चों के अपहरण केस में खुलासा

आर्थिक नुकसान के बाद रची साजिश; चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में दो बच्चों के अपहरण के मामले ने कुछ घंटे के लिए परिजन और पुलिस-प्रशासन को संकट में डाल दिया था। बच्चों के अपहरण की खबर पूरे शहर में फैलते ही हड़कंप मच गया।

हालांकि, इस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महज पांच घंटे में ही बच्चों को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से सकुल छोड़ाकर परिजनों को सौंप दिया है। इसके बाद परिजनों ने राहत का सांस ली। अब ताजा अपडेट के मुताबिक पुलिस ने लाला राम नगर के बगीचे से बच्चों का अपहरण करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनका नाम राधिका प्रजापति, तनिषा सेन, ललित सेन और विनीत प्रजापति हैं। राधिका और विनीत भाई बहन हैं। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने कर्ज लेकर शेयर बाजार में पैसा लगाया था। शेयर में नुकसान होने के कारण उन्होंने अपहरण की प्लानिंग की थी। वे दो दिन से बच्चों की रेकी कर रहे थे। दो दिन पहले बगीचे के फ्लैट पर वे एक बच्चे को ले कर गए थे। गार्डन से दोनों बच्चों का अपहरण करने के बाद युवती ने एक कैब बुक की और फिर उन्हें राजेंद्र नगर क्षेत्र के एक फ्लैट में लेकर गई थी। दोनों बच्चों को अहसास हो चुका था कि उनके साथ कोई घटना हुई है। इसके बाद युवती ने उनके वीडियो लेना शुरू कर दिए।

रात को दोनों बच्चों को भूख लगने लगी तो युवती ने दूध की सवैया खिलाई थी। बच्चों ने कहा कि पहले आप खाकर दिखाओ, फिर युवती ने पहले खुद सवैया चखी फिर दोनों बच्चों को दी।

लश्कर मॉड्यूल पर शिकंजा : महिला समेत चार आतंकी मददगार हथियारों के साथ गिरफ्तार, हैंड ग्रेनेड और एके-47 बरामद

श्रीनगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में एक महिला समेत चार आतंकी मददगारों को गोला-बारूद व अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों पर आतंकियों को लॉजिस्टिक सहायता देने के आरोप हैं। गिरफ्तार ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) में जहूर अहमद मीर, बशीर अहमद भट और गुलाम मोहम्मद भट शामिल हैं। ये सभी हजरतबल के रहने वाले हैं। पकड़ी गई महिला की पहचान शाजिया मोहम्मद निवासी हजरतबल के रूप में हुई है।

अधिकारी ने बताया कि इन आतंकी मददगारों के पास एक हैंड ग्रेनेड, एके47 राइफल के 15 राउंड, चार मोबाइल, तीन लेटरहेड और कुछ नकदी बरामद की गई है। पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल में लश्कर-ए-ताइबा के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद से श्रीनगर शहर और आसपास के इलाकों में ओजीडब्ल्यू र नकेल कसनी शुरू की है।

बीते एक सप्ताह में लश्कर से जुड़े आठ आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पूर्व बीते शनिवार जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में चार आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई एसडीपीओ खान्यार और एसएचओ नौहट्टा के नेतृत्व में पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), सीआरपीएफ और सीआरपीएफ के जवानों ने हवल इलाके में तिबेतियन स्कूल देविआंगन में चलाया था। सुरक्षाबलों ने एक टाटा नेक्सोन गाडी (जेके01एएल5879) में चार लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से चार ग्रेनेड, चार मोबाइल, चार फर्जी आधार कार्ड, लश्कर के धमकी भरे चार पोस्टर सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। आरोपियों में रैनावारी का सैयद अहमद पारिमू, नौहट्टा का रमीज अहमद मट्टू, नवाकदल का फिरदौस अहमद भट और बटपोरा का मोहम्मद यासीन भट शामिल है। पुलिस अधिकारी के अनुसार एफआईआर दर्ज कर शुरुआती जांच में सामने आया है कि अब तक पकड़े गए आठ आतंकी मददगार लश्कर के लिए काम कर रहे थे। आतंकवादियों को सहायता प्रदान करते थे। पुलवामा जिले में वीरवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक आतंकी मददगार की जमीन जब्त कर ली है।

चेतावनी : भारत में पर्यावरणीय संकट गंभीर

देश में हर साल निकल रहा 1.566 करोड़ टन जहरीला कचरा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में हर साल 1.566 करोड़ मीट्रिक टन खतरनाक औद्योगिक कचरा पैदा हो रहा है। यह हाल तब है जबकि आधिकारिक रिकॉर्ड में पूरे देश में 200 से भी कम प्रदूषित या संभावित रूप से प्रदूषित स्थल दर्ज हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के नेतृत्व में किए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस बड़े अंतर को गंभीर चिंता का विषय बताया है।

शोधकर्ताओं के अनुसार इसका अर्थ है कि देश में बड़ी संख्या में ऐसे प्रदूषित इलाके मौजूद हो सकते हैं, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हुई है। एनवायर्नमेंटल डेवलपमेंट पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार यह समस्या केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव स्वास्थ्य, भूजल, खाद्य सुरक्षा और वन्यजीवों के लिए भी दीर्घकालिक खतरा बन सकती है। प्रदूषित भूमि वे स्थान होते हैं जहां मिट्टी, भूजल या जमीन के नीचे जहरीले रसायन जमा हो जाते हैं। यह स्थिति आमतौर पर उद्योगों, फैक्ट्रियों, खनन गतिविधियों और खतरनाक कचरे के गलत निपटान के कारण पैदा होती है। इन जहरीले पदार्थों में सीसा, पारा और कैडमियम जैसी भारी धातुएं शामिल होती हैं। भारी धातुएं ऐसे तत्व होते हैं जो कम मात्रा में भी शरीर के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं।

स्विट्जरलैंड में अधिक प्रदूषण स्थल

तुलना के तौर पर स्विट्जरलैंड जैसे छोटे देश में, जहां औद्योगिक गतिविधियां भारत की तुलना में काफी कम हैं, वहां भारत की तुलना में अधिक प्रदूषित स्थल दर्ज हैं। यह स्थिति भारत में निगरानी और दस्तावेजीकरण की कमी की ओर संकेत करती है।

नीतियों का बिखराव बना बड़ी चुनौती

शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में प्रदूषित भूमि से संबंधित नीतियां कई अलग-अलग विभागों में बंटी हुई हैं। कहीं मिट्टी की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाता है, कहीं निपटान पर काम होता है। इस बिखरी हुई व्यवस्था के कारण समग्र भूजल की निगरानी होती है तो कहीं खतरनाक कचरे के तस्वीर स्पष्ट नहीं हो पाती।

नियमित निगरानी व कानूनी जवाबदेही से सुधरेंगे हालात

अध्ययन में अमेरिका, स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के उदाहरण दिए गए हैं, जहां प्रदूषित भूमि की पहचान और सफाई के लिए मजबूत तंत्र विकसित किए गए हैं। इन देशों में नियमित निगरानी, कानूनी जवाबदेही और वैज्ञानिक डेटा के चलती है। शोधकर्ताओं का आधार पर सुधार की प्रक्रिया मानना है कि भारत भी ऐसे मॉडल अपनाकर अपने प्रदूषित क्षेत्रों को अधिक सुरक्षित बना सकता है।

ईरान जंग में खर्च हुई चीन के लिए रिजर्व मिसाइलें

अमेरिका का मिसाइल स्टॉक खत्म होने के करीब, हर दिन 90 अरब खर्च

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के साथ 38 दिन चले युद्ध में अमेरिका ने अपनी सबसे अहम रिजर्व मिसाइलें भी खर्च कर दी हैं। चीन से बड़े युद्ध के लिए तैयार की गई कई हाईटेक मिसाइलें इस संघर्ष में इस्तेमाल हो गईं, जिससे अमेरिकी हथियार भंडार तेजी से खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।

अमेरिका ने इस युद्ध में करीब 1100 लंबी दूरी की स्टील्थ क्रूज मिसाइल जेएएसएसएम-ईआर का इस्तेमाल किया। ये मिसाइलें खासतौर पर चीन के खिलाफ संभावित युद्ध के लिए बनाई गई थीं।

इसके अलावा 1000 से ज्यादा टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें, 1200 से ज्यादा पैट्रियट इंटरसेप्टर और 1000 से ज्यादा एटीएसीएमएस व अन्य प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइलें भी इस्तेमाल कीं।

इस युद्ध पर कुल खर्च 28 से 35 अरब डॉलर के बीच रहा, यानी रोजाना करीब 1 अरब डॉलर (लगभग 90 अरब रुपए) खर्च हुए। युद्ध रुकने के दो हफ्ते बाद भी पेंटागन ने इस्तेमाल किए गए हथियारों का पूरा आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया है।

हालांकि मंत्रालय ने दावा किया है कि 13,000 से ज्यादा टारगेट पर हमला किया गया। लेकिन अधिकारी मानते हैं कि एक टारगेट पर कई बार हमला किया गया, इसलिए असल में इस्तेमाल हथियारों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है।

युद्ध के दौरान अमेरिका ने जिन हथियारों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया, उनमें लंबी दूरी की जेएएसएसएम-ईआर स्टेल्थ क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। ये मिसाइलें 600 मील से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती हैं और दुश्मन की एयर डिफेंस से बचकर हमला करने के लिए बनाई गई हैं।

इसी तरह टॉमहॉक मिसाइलों का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। अमेरिका सालभर में जितनी खरीद करता है, उससे 10 गुना ज्यादा मिसाइलें इस युद्ध में खर्च हो गईं। एक स्टडी के मुताबिक, अब इनके स्टॉक करीब 3000 रह गए हैं।

वहीं, पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें भी तेजी से खत्म हुई हैं। इनकी कीमत करीब 4 मिलियन डॉलर प्रति मिसाइल है। 2025 में अमेरिका ने कुल 600 बनाई थीं, जबकि युद्ध में 1200 से ज्यादा इस्तेमाल हो गईं।

इसके अलावा 1000 से ज्यादा प्रिसिजन स्ट्राइक और एटीएसीएमएस मिसाइलें भी मिसाइलें भी खर्च हो चुकी हैं। पेंटागन के अनुमान के मुताबिक, कुछ अहम हथियार पहले से ही कम थे, जो अब और घट गए हैं।

व्हाइट हाउस ने हथियार खत्म होने के इन दावों को खारिज किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है और उसके पास पर्याप्त हथियार मौजूद हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने भी किसी खास क्षेत्र या स्टॉक की जानकारी देने से इनकार किया और इसे ऑपरेशनल सिक्योरिटी का मामला बताया।

युद्ध के शुरुआती दो दिनों में ही 5.6 अरब डॉलर के हथियार इस्तेमाल हुए थे। इसके अलावा कुछ सैन्य ऑपरेशन में नुकसान भी हुआ। ईरान से पायलट को निकालने के रेस्क्यू मिशन के दौरान दो एमसी-130 विमान और तीन हेलीकॉप्टर नष्ट करने पड़े, जिनकी कुल कीमत करीब 275 मिलियन डॉलर बताई गई।

हथियारों की कमी के चलते अमेरिका को एशिया और यूरोप से भी सैन्य संसाधन मिडिल ईस्ट भेजने पड़े। इससे इन क्षेत्रों में तैनात सेना की तैयारी पर असर पड़ा है। यूरोप में नाटो की पूर्वी सीमा की सुरक्षा से जुड़े हथियारों में कमी आई है।

धनबाद के सोनारडीह टांडा बस्ती में एक महीने में तीसरी बार फटी जमीन

धनबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में धनबाद जिले के बाघमारा-कतरास के सोनारडीह स्थित टांडाबस्ती में गुरुवार की देर रात मौत ने एक बार फिर दस्तक दी। महज एक महीने के भीतर तीसरी बार हुए भीषण भू-धंसान ने पूरी बस्ती को उजाड़ कर रख दिया है। देर रात जब लोग गहरी नींद में थे, तभी एक जोरदार धमाके के साथ जमीन फटी और देखते ही देखते 20 से 25 आशियाने पाताल में समा गए। इस घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। लोग अपने मासूम बच्चों और बुजुर्गों को लेकर जान बचाने के लिए बदहवास भागते नजर आए। हादसे के दौरान टांडा बस्ती की जया कुमारी ने अदम्य साहस का परिचय दिया। जब जमीन धंस रही थी और घर ढह रहे थे, तब जया ने अपनी जान की परवाह किए बिना मलबे में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में सूरज राम, उनकी मां, बहन और भांजा घायल हुए हैं। सूरज के भांजे के दोनों पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं, जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है।

पाकिस्तान ने सऊदी से लोन लेकर चुकाया यूएई का पूरा कर्ज

3.45 अरब डॉलर लौटाया, 'प्रतिष्ठा' का दिया ज्ञान

इस्लामाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात की सख्ती के आगे ईरान से पींगे बढ़ा रहे पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए हैं। गंभीर वित्तीय संकट में घिरे पाकिस्तान ने यूएई को बकाया 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर का पूरा कर्ज लौटा दिया है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान ने यह पैसा सऊदी अरब और कतर जैसे देशों से लोन लेकर यूएई को लौटाया है। पाकिस्तान और यूएई के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। यूएई के लोन वापस मांग लेने की वजह से पाकिस्तानी भड़के हुए हैं और जहरीले बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान के एक सीनेटर ने तो यूएई को बेचारा कहकर उसका मजाक उड़ाया था और भारत संग दोस्ती को लेकर तंज कसा था।

एक पाकिस्तानी अधिकारी ने डॉन से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान ने यह यूएई का लोन लौटाने का फैसला 'राष्ट्रीय गरिमा' को बरकरार रखने के लिए लिया है। वह भी तब जब यह उसके विदेशी मुद्रा भंडार को बहुत ज्यादा

प्रभावित करेगा। यूएई कई बार अपना लोन मांग चुका है और पाकिस्तान उसे नहीं लौटाने के लिए बहाने ढूंढ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह भुगतान 23 अप्रैल को पूरा किया गया। एक अरब डॉलर की राशि अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट को चुकाई गई, जबकि 2.45 अरब डॉलर का भुगतान पिछले सप्ताह कर दिया गया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पाकिस्तान को हाल ही में सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली है। यह राशि दो किस्तों में आई, जिसमें दूसरी किस्त के रूप में एक अरब डॉलर 21 अप्रैल को प्राप्त हुए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर अमेरिका-इजरायल के साथ बढ़े तनाव के बाद यूएई ने पाकिस्तान से यह धन तत्काल लौटाने को कहा था। यह राशि 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन को स्थिर करने के लिए दी गई बाहरी वित्तीय सहायता का हिस्सा थी। इससे पहले मार्च में पाकिस्तान यूएई के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर की जमा राशि को आगे बढ़ाने का समझौता करने में नाकाम रहा था, जिससे अल्पकालिक वित्तीय स्थिति को लेकर चिंता बढ़ी थी। विश्लेषकों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत स्थिरता के प्रयास जारी हैं।

झारखंड सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर की सीबीआई जांच रहेगी जारी

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी की जांच को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में राज्य सरकार को देश की सर्वोच्च अदालत से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एमएम सुंदरेश्वर और जस्टिस एन कोटीश्वर सिंह की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने पक्ष रखा और हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सीबीआई जांच पर रोक लगाने की मांग की, जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार नहीं किया। इस फैसले के बाद अब यह साफ हो गया है कि इस पूरे प्रकरण की सघन जांच सीबीआई से कराई जाएगी। विवाद की शुरुआत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मचारी संतोष कुमार की एक शिकायत से हुई थी।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी संतोष कुमार ने आरोप लगाया था कि 12 जनवरी को रांची स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने उसके साथ मारपीट की और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इस शिकायत के आधार पर रांची के एयरपोर्ट थाना में ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद रांची पुलिस ने ईडी कार्यालय पहुंचकर छापेमारी जैसी सक्रियता दिखाई थी, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था।

अमेरिका ने तैयार किया ईरान की 'घेराबंदी' का प्लान

युद्धविराम खत्म होते ही होर्मुज में भयानक बमबारी, सीक्रेट मिशन

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना के अधिकारी नई योजनाओं पर काम कर रहे हैं ताकि अगर ईरान के साथ मौजूदा संघर्ष-विराम टूट जाता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की क्षमताओं को निशाना बनाया जा सके। सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि कई तरह के प्लान पर विचार किए जा रहे हैं। जिनमें एक विकल्प ये है कि होर्मुज स्ट्रेट, दक्षिणी अरब खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास ईरान की क्षमताओं पर टारगेटेड हमले किए जाएंगे।

सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इन संभावित हमलों में छोटी, तेज गति वाली हमलावर नौकाओं, बारूदी सुरंगें बिछाने वाले जहाजों और अन्य ऐसे असममित संसाधनों को निशाना बनाया जा सकता है जिनकी मदद से तेहरान ने इन महत्वपूर्ण जलमार्गों को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया है और अमेरिका के खिलाफ सौदेबाजी के

हथियार के तौर पर उनका इस्तेमाल किया है।

इस नाकेबंदी की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल मच गई है जिससे अमेरिकी मुद्रास्फीति को कम करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुरी तरह से नाकाम हो रहे हैं। अमेरिका में इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों पर इसका असर दिखने की संभावना है। हालांकि अमेरिकी सेना ने ईरान की नौसेना को निशाना बनाया है लेकिन शुरूआती एक महीने के युद्ध में अंदरूरी ईरान में ज्यादातर हमले किए गये। होर्मुज स्ट्रेट को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया गया। नई योजनाओं के तहत रणनीतिक जलमार्गों के आस-पास भारी बमबारी करने पर विचार किया जा रहा है। सीएनएन के मुताबिक ईरान की तटीय सुरक्षा मिसाइलों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी सुरक्षित है। ईरान के पास कई छोटी नावें भी हैं जिनका इस्तेमाल जहाजों पर हमले करने के लिए किया जा रहा है। इससे जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की अमेरिकी कोशिशें और भी मुश्किल हो सकती हैं। सीएनएन ने एक वरिष्ठ शिपिंग ब्रोकर समेत कई सूत्रों के हवाले से बताया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आस-पास किए जाने वाले सैन्य हमले अपने आप में इस जलमार्ग को तुरंत फिर से खुलवाने में शायद ही कामयाब हो पाएंगे।

सैन्य योजना से परिचित एक सूत्र के हवाले से सीएनएन ने कहा है जब तक आप पूरी तरह से यह साबित नहीं कर देते कि ईरान की 100% सैन्य क्षमता नष्ट हो चुकी है या लगभग यह पक्का न हो जाए कि अमेरिका अपनी क्षमताओं से इस जोखिम को कम कर सकता है तब तक यह इस बात पर निर्भर करेगा कि (ट्रंप) इस जोखिम को उठाने और जलडमरूमध्य से जहाजों को गुजारना शुरू करने के लिए किस हद तक तैयार हैं।

जगन्नाथ मंदिर में गार्ड की हत्या

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में तैनात गार्ड बिरसा मुंडा की अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी गई है। रांची एसएसपी राकेश रंजन खुद घटना स्थल पर पहुंचे हैं और पूरे मामले की जांच में जुट गए है। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने गुरुवार देर रात इस वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि अपराधी मंदिर की दान पेटी से कैश निकालकर फरार हो गए।

इससे घटना को लूट और हत्या दोनों एंगल से जोड़कर देखा जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी राकेश रंजन सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। सीसीटीवी फुटेज में एक नकाबपोश अपराधी के मंदिर में प्रवेश होने की तस्वीर सामने आई है। प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि चोर चोरी के इरादे से जगन्नाथ मंदिर परिसर में घुसे थे और इसी दौरान गार्ड की हत्या कर दी गई।

पुलिस को मंदिर की एक दानपेटी से पैसे चोरी होने के संकेत भी मिले हैं। जिससे इस वारदात के पीछे चोरी की मंशा मजबूत होती दिख रही है। हालांकि, हत्या के सटीक कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। मंदिर सेवक मनोज कुमार के अनुसार, पूरे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

वहीं रांची के एसएसपी राकेश रंजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई है।

पश्चिम एशिया संकट : ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने आसिम मुनीर से फोन पर की बात

युद्धविराम को लेकर हुआ मंथन

तेहरान, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने पाकिस्तान के साथ अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाक के सैन्य नेतृत्व के साथ टेलीफोन पर महत्वपूर्ण चर्चा की है। इस बातचीत का मुख्य केंद्र क्षेत्रीय सुरक्षा और अमेरिका के साथ युद्धविराम से जुड़े मुद्दे रहे।

समाचार एजेंसी तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के साथ विस्तृत चर्चा की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ उन क्षेत्रीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया, जो वर्तमान में पूरे मुस्लिम जगत और

पड़ोसी देशों को प्रभावित कर रही हैं।

राजनयिक स्तर पर बातचीत के अलावा अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी फोन पर संपर्क साधा।

तसनीम के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना प्रमुख और ईरानी विदेश मंत्री के बीच हुई इस बातचीत में युद्धविराम से संबंधित मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई।

इतना ही नहीं, अब्बास अराघची ने केवल पाकिस्तान तक ही खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने इराक के कुर्द क्षेत्र के राष्ट्रपति नेचिरवन बरजानी के साथ भी एक अलग फोन कॉल के माध्यम से संवाद किया। इराक और उसके कुर्द क्षेत्र के साथ ईरान के संबंध हमेशा संवेदनशील और महत्वपूर्ण रहे हैं। पश्चिम एशिया संकट के बीच ईरान इस समय क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ एक आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है, जिससे तनाव को और अधिक बढ़ने से रोका जा सके।

30 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र

रायपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 30 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। जिसमें महिला आरक्षण और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। विधानसभा सचिवालय ने बृहस्पतिवार को इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य की षष्ठम विधानसभा का नवम सत्र 30 अप्रैल, 2026 को होगा और इसमें सरकारी कामकाज के लिए एक ही बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले, 20 अप्रैल को महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में आयोजित 'जन आक्रोश पदयात्रा' के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा था कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाएगी।

भारत–अमेरिका रिश्तों में विश्वास की कमी

विशेषज्ञ बोले– भरोसा फिर से बहाल करने की जरूरत

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के हडसन इंस्टीट्यूट में आयोजित न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत और अमेरिका के संबंधों पर बड़ी चर्चा हुई। इसमें विशेषज्ञों ने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे की कमी अब सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आई है, हालांकि सहयोग अभी भी जारी है। इसी क्रम में पैनल चर्चा में मौजूद वक्ता राम माधव ने कहा कि पहले भारत और अमेरिका के रिश्ते ज्यादा मजबूत और तालमेल वाले थे, लेकिन अब दोनों देशों के बीच भरोसा कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस भरोसे को फिर से बनाने की जरूरत है। पैनल ने कहा कि यह रिश्ता भले ही मजबूत है, लेकिन एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है, जिसमें उम्मीदों का मेल न खाना, नीतियों में अनिश्चितता और काम की धीमी गति जैसी दिक्कतें हैं।

'दोनों देश एक दूसरे की मजबूरियों को नहीं समझते'

दूसरी ओर स्टिमसन सेंटर की एलिजाबेथ थ्रेलकेल्ड ने बताया कि दोनों देश एक-दूसरे की मजबूरियों को सही तरीके से नहीं समझते। उन्होंने कहा कि हर देश दूसरे की सीमाओं को उसकी पसंद मानता है, जबकि अपनी सीमाओं को मजबूरी बताता है। उन्होंने सलाह दी कि दोनों देशों को अपने साझा हितों पर ईमानदारी से फिर से काम करना चाहिए।

इसके साथ ही अमेरिका के पूर्व उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने कहा कि यह तनाव सिर्फ नीतियों का नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय पक्ष में

गहरी नाराजगी और निराशा देखने को मिल रही है। चर्चा में यह भी सामने आया कि व्यापार, रक्षा सहयोग और नीतिगत तालमेल जैसे मुद्दों पर अभी भी कई रुकावटें हैं। अलग-अलग राजनीतिक सिस्टम और सरकारी प्रक्रियाओं की वजह से फैसले लेने में देरी होती है।

हालांकि, दूसरी ओर विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और खासकर आर्थिक क्षेत्र में सहयोग के कई मौके अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में राम माधव ने बताया कि भारत टैरिफ और ऊर्जा आयात जैसे मुद्दों पर लचीलापन दिखा रहा है और एक संभावित व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

नेपाली पीएम बालेन शाह भारत में अमेरिकी राजदूत को क्यों नहीं दे रहे भाव?

अमेरिकी नेता लगा रहे चक्कर

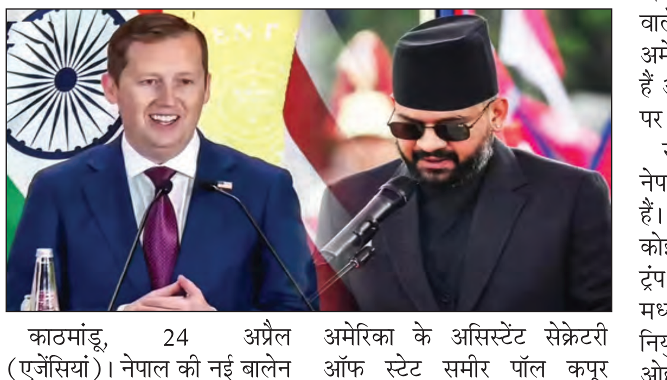

काठमांडू, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल की नई बालेन शाह सरकार के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए अमेरिका और चीनी नेताओं का एक के बाद एक काठमांडू पहुंचना जारी है। खासकर अमेरिकी नेताओं की। एक महीने में अमेरिका के दूसरे नेता नेपाल पहुंचने वाले हैं। पिछले हफ्ते अमेरिका के असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट समीर पॉल कपूर काठमांडू पहुंचे थे और अब भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर भी काठमांडू जाने वाले हैं। काठमांडू पोस्ट ने दो अधिकारियों के हवाले से बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्गियो गोर 30 अप्रैल को चार-दिवसीय यात्रा पर काठमांडू आने वाले हैं। गोर वर्तमान में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत हैं और उन्हें ट्रंप के करीबी के तौर पर जाना जाता है।

सर्गियो गोर नई दिल्ली से ही नेपाल के मामलों को भी देख रहे हैं। नेपाल में अमेरिका का फिलहाल कोई राजदूत नहीं है। इसके अलावा ट्रंप ने सर्गियो गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया है लिहाजा उनका ओहदा विदेश विभाग के सहायक सचिव समीर पॉल कपूर से भी ऊपर हो गया है, जो पिछले हफ्ते काठमांडू में थे। सर्गियो गोर के दौरे को लेकर एक दिलचस्प कहानी सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों ने ट्रंप के विशेष दूत सर्गियो गोर और नेपाल के नए प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए अनुरोध भेजा है। लेकिन नेपाली प्रधानमंत्री ने एक नियम तय किया है कि वे किसी दूसरे देश के सिर्फ मंत्रियों या उच्च-स्तरीय अधिकारियों से ही मिलेंगे। यानि बालेन शाह शायद सर्गियो गोर से मुलाकात नहीं कर सकते हैं। ये थोड़ा दिलचस्प है कि नेपाली प्रधानमंत्री किसी अमेरिकी अधिकारी से मुलाकात नहीं कर सकते हैं जो राष्ट्रपति के काफी करीबी हो। अमूमन ऐसा देखा नहीं गया है। नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट के रिसर्च डायरेक्टर डॉ. प्रमोद जायसवाल ने एनबीटी ऑनलाइन से कहा 'नेपाली प्रधानमंत्री शायद विदेशी देशों के सिर्फ मंत्रियों या ऊंचे ओहदे वाले अधिकारियों से मिलने का एक पैमाना तय करना चाहते हैं।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

तख्तापलट पर सट्टा खेलकर 4 करोड़ कमाए, पहले से मिशन की जानकारी थी

वॉशिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।

डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई।

डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे।

डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा।

यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिप्टो वॉल्ट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिप्टो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए ब्रोकरेज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है।

हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सीक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमें को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया।

सीता नवमी

व्रत-पूजन से मिलेगी रोग व संतापों से मुक्ति

वैशाख शुक्ल नवमी
तिथि शुरू - 24 अप्रैल 2026
रात 7.21 शुरू हो चुकी है
वैशाख शुक्ल नवमी तिथि समाप्त - 25 अप्रैल 2026, शाम 6.27
सीता नवमी मध्याह्न मुहूर्त
सुबह 10:58 - दोपहर 01:34

आज ही के दिन पुष्य नक्षत्र में राजा जनक ने संतान की कामना से हवन आयोजित किया था। जब राजा जनक ने यज्ञ की भूमि तैयार करने के लिए भूमि जोती, तो उसी समय उन्हें पृथ्वी में दबी हुई एक बालिका मिली थी। जोती हुई भूमि को तथा हल की नोक को सीता कहते हैं।

कहा जाता है कि यही वजह थी कि बालिका का नाम सीता रखा गया। पूजा विधि सीता नवमी पर स्नान के बाद जमीन को लीपकर अथवा स्वच्छ जल से धोकर आम के पत्तों और फूल से मंडप बनाएं। इसमें एक चौकी रखें, फिर लाल अथवा पीला कपड़ा बिछाएं। इस चौकी को फूलों से सजाएं। इसके बाद भगवान राम और माता सीता की प्रतिमा स्थापित करें। फिर श्रीराम और माता सीता के नाम का संकल्प पढ़कर विधि-विधान से पूजन करें। सीता नवमी के दिन शुद्ध रोली मोली, चावल, धूप, दीप, लाल फूलों की माला तथा गेंदे के पुष्प और मिष्ठान आदि से माता सीता की पूजा अर्चना करें।

तिल के तेल या गाय के घी का दीया जलाएं और एक आसन पर बैठकर लाल चंदन की माला से ॐ श्रीसीताये नमः मंत्र का एक माला जाप करें। इसके बाद अपनी माता के स्वास्थ्य की प्रार्थना करें। ऐसा करने से आपकी माता के सभी दुख दूर होंगे। ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस वर्ष सीता नवमी व्रत मघा नक्षत्र व रवियोग में होने से अत्यंत पुण्यदायी है।

माता सीता का व्रत करने से भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी के साथ सूर्यदेव की भी कृपा मिलेगी। पवित्र नदी या जलाशय में स्नान के बाद श्री रामाय नमः या श्री सीतायै नमः का जाप, जानकी स्त्रोत्र, रामचंद्राष्टक, रामचरित मानस का पाठ करने से सुख-सौभाग्य, सौंदर्य, आरोग्यता का वरदान मिलता है।

मोहिनी एकादशी, भगवान विष्णु के इस अवतार की कहानी

पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु ने असुरों से अमृत कलश की रक्षा करने के लिए 'मोहिनी' रूप धारण किया था। जो भक्त इस दिन व्रत रखते हैं, उन्हें मोह-माया के बंधनों से मुक्ति मिलती है और उनके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। आइए इस खास मौके पर जान लेत हैं कि साल 2026 में ये व्रत कब रखा जाएगा और भगवान विष्णु को इस अवतार को क्यों लेना पड़ा था।

मोहिनी एकादशी 2026 की सही तिथि और मुहूर्त
एकादशी तिथि का प्रारंभः 26 अप्रैल 2026 को शाम 06:06 बजे।

एकादशी तिथि का समापनः 27 अप्रैल 2026 को शाम 06:15 बजे।

उदया तिथि के अनुसार क्योंकि सूर्योदय के समय एकादशी तिथि 27 अप्रैल को है, इसलिए मोहिनी एकादशी का व्रत सोमवार, 27 अप्रैल 2026 को रखा जाएगा।

भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश निकला, तो देवताओं और असुरों के बीच उसे पाने के लिए युद्ध छिड़ गया। असुर बलवान थे और अमृत पीना चाहते थे ताकि वे अमर होकर देवताओं को पराजित कर सकें। देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने एक अति सुंदर स्त्री का रूप धारण किया, जिन्हें मोहिनी कहा गया। मोहिनी ने अपनी सुंदरता और चतुराई से असुरों को मोहित कर लिया। उन्होंने असुरों को बातों में उलझाकर अमृत का वितरण अपने हाथ में ले लिया और सारा अमृत देवताओं को पिला दिया। इस प्रकार, मोहिनी अवतार के कारण ही धर्म की रक्षा हुई और देवता अमर हो सके।

मोहिनी एकादशी की पूजा विधि

मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा का विधान है। एकादशी के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें और पीले रंग के वस्त्र धारण करें। भगवान विष्णु की प्रतिमा के सामने हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें। एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु की तस्वीर स्थापित करें। भगवान को पीले फूल, पंचामृत, तुलसी दल, फल और धूप-दीप अर्पित करें। मोहिनी एकादशी की व्रत कथा पढ़ें या सुनें। ओम जय जगदीश हरे आरती के साथ पूजा करें। अगले दिन द्वादशी तिथि के शुभ मुहूर्त में ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा देकर व्रत का पारण करें।

किताबें क्यों हैं आपकी सच्ची दोस्त ? जानिए इसके पीछे का राज

क्या तुम्हें किताबों की खुशबू पसंद है? क्या तुम कहानियों की दुनिया में खो जाना चाहते हो? अगर हां, तो 23 अप्रैल का दिन तुम्हारे लिए बहुत खास है। इस दिन पूरी दुनिया में विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें किताबों से दोस्ती करने और लेखकों के अधिकारों का स मान करने की सीख देता है।

यह दिन क्यों मनाया जाता है?

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस की शुरुआत यूनेस्को ने वर्ष 1995 में की थी। इस दिन को चुनने के पीछे एक खास वजह है। 23 अप्रैल को दुनिया के कई महान लेखकों का जन्म या निधन हुआ था। इनमें विलियम शेक्सपीयर और मिगेल दे सर्वांतेस जैसे प्रसिद्ध लेखक शामिल हैं। इसलिए यह दिन साहित्य और लेखकों को स मान देने के लिए चुना गया।

किताबें क्यों जरूरी हैं?

किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। वे हमें नई-नई बातें सिखाती हैं, हमारी कल्पना शक्ति को बढ़ाती हैं और हमें सही-गलत का फर्क समझाती हैं। जब हम किताब पढ़ते हैं, तो हम एक नई दुनिया में चले जाते हैं जहां जादू, रोमांच और ज्ञान सब कुछ होता है। किताबें पढ़ने से हमारी भाषा बेहतर होती है, हमारी सोचने की क्षमता बढ़ती है, हम नई-नई जानकारियां सीखते हैं, हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कॉपीराइट क्या होता है?

अब बात करते हैं कॉपीराइट की। यह शब्द थोड़ा कठिन लग सकता है, लेकिन इसका मतलब बहुत आसान है। कॉपीराइट का मतलब है- किसी लेखक या कलाकार की रचना पर उसका अधिकार। मान लो तुमने एक सुंदर कहानी लिखी। अगर कोई दूसरा व्यक्ति तु हारी कहानी को बिना तु हारी अनुमति के अपने नाम से छाप दे, तो यह गलत है। कॉपीराइट कानून ऐसे ही गलत कामों को रोकता है और लेखक की मेहनत की रक्षा करता है।

कुछ रोचक तथ्य

अब जानते हैं कुछ मजेदार और हैरान कर देने वाले तथ्य- दुनिया की सबसे पुरानी किताब लगभग 2500 साल पुरानी है, जिसे मिस्र में पाया गया था। दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब बाइबल है। एक व्यक्ति ने एक ही दिन में 1000 से ज्यादा किताबें पढ़ने का रिकॉर्ड बनाया है! दुनिया की सबसे छोटी किताब इतनी छोटी है कि उसे पढने के लिए माइक्रोस्कोप की जरूरत होती है। भारत में हर साल हजारों नई किताबें प्रकाशित होती हैं, जिनमें बच्चों की किताबें भी शामिल होती हैं।

क्या आप अपनी इच्छाओं के दास हैं?

सिकंदर को मिले किस सबक में छिपा है जीवन का बड़ा सत्य

सिकंदर एक राजा को जीतकर जब अपने नगर में प्रवेश कर रहा था तो हजारों लोग दोनों ओर कतार में स्वागत के लिए खड़े थे। वे सब एकटक सिकंदर की ओर देख रहे थे कि उसकी एक दृष्टि उन पर पड़ जाए और वे निहाल, धन्य हो जाएं। सिकंदर ने यह दृश्य देखा और बहुत प्रसन्न हुआ। लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए वह आगे बढ़ा। थोड़ी दूर गया तो उसने देखा कि सामने से फकीरों की एक टोली आ रही है।

सिकंदर उधर से गुजरा मगर फकीरों ने उसकी ओर ध्यान भी नहीं दिया। नाराज सिकंदर ने आदेश दिया इन्हें बंदी बनाकर लाओ। सिपाही गए और फकीरों को पकड़ लाए सिकंदर के सामने। फिर भी वे निडर खड़े रहे। सिकंदर ने गुस्से से देखा और कहा, "तुम नहीं जानते कि विश्व विजेता सिकंदर तुम्हारे सामने से गुजर रहा है?"

सिकंदर की नाराजगी से बेखबर फकीरों ने कहा, "हमें क्या जरूरत है पता रखने की?"

सिकंदर ने घमंड के साथ कहा, "इसलिए कि मैं विश्व-विजयी हूं।" इस बार फकीरों में से एक ने पूछा, "क्यों करते हो विश्व-विजय?

इसलिए न कि तुम्हारे मन में एक प्यास है, लालसा है। तुम देख नहीं पा रहे कि हमने उस लालसा को मिटा दिया जो लालसा तुम्हारे सिर पर सवार है, तुम्हें दुनिया की खाक छानने पर मजबूर कर रही है, वह लालसा हमारे पैरों की दासी है। साफ शब्दों में समझो कि तुम हमारी उस दासी के दास हो। इसके बावजूद चाहते हो कि हम तुम्हें नमस्कार करें, तुम्हारे सामने झुकें। बात कुछ अजीब नहीं लगती तुम्हें?"

सिकंदर को सत्य का ज्ञान हो चुका था। उसका सारा घमंड चूर हो गया था। उसने तत्काल सभी फकीरों को मुक्त करने का आदेश दिया और झुक कर उन सबसे माफी मांगी।

क्या आप भी अपनों को 'गधा' या 'बैल' समझते हैं? तो इस कहानी से सीखें

एक सेठ ने दो विद्वानों को भोजन पर आमंत्रित किया। समय पर दोनों विद्वान पधारे, तो सेठ ने उनको आदर से आसन पर बिठाया। उनमें से एक विद्वान जब स्नान करने के लिए गए तो सेठ ने दूसरे विद्वान से कहा, "महाराज, यह आपके साथी तो महान विद्वान मालूम होते हैं। दूसरे विद्वान ने कहा यह और विद्वान? क्या बात करते हो जी यह तो निरा बैल है बैल। सेठ को बहुत बुरा लगा, किन्तु वह चुप हो गया।

पहले विद्वान जब स्नान करके वापस आए, तो दूसरे विद्वान स्नान करने के लिए गए।

सेठ जी ने उनसे भी वही प्रश्न किया, महाराज, आपके साथी तो बड़े विद्वान लगते हैं। पहले विद्वान बोले, "सेठ जी किसने बहका दिया आपको? यह तो निरा गधा है गधा।" जब भोजन का समय आया, तो सेठ ने चांदी की थाली में ढक कर एक विद्वान के आगे घास रख दी और दूसरे के आगे भूसा रख दिया। दोनों के बैठने पर सेठ जी ने निवेदन किया कि भोजन प्रारंभ कीजिए।

विद्वानों ने जब ढक्कन उठाया, तो उस भोजन को देखकर दोनों विद्वान क्रोध में तमतमा उठे। बोले- हमारा अपमान करने का आप में साहस कैसे हुआ?

सेठ जी ने हाथ जोड़कर नम्रता से कहा, "महाराज, मैंने तो आप लोगों के कथन के अनुसार ही आपके सम्मुख भोजन परोसा है। आपने इनको बैल बताया था और इन्होंने आपको गधा बताया था, सो वैसा ही भोजन मुझे मंगवाना पड़ा। इसमें मेरा क्या दोष है। विद्वान जी, मैं तो आप दोनों को ही विद्वान समझता था, इसलिए आमंत्रित किया था, किन्तु वास्तविकता का ज्ञान तो आप लोगों से ही प्राप्त हुआ है। सेठ की बात सुनकर दोनों विद्वान मन-ही-मन लज्जित हुए और सोचने लगे परस्पर ईर्ष्या का परिणाम अच्छा नहीं होता। ईर्ष्या एक धीमी आग है जो मनुष्य को बुरी तरह जला डालती है।

सूरदास के अनमोल वचन

जब भक्ति दिल से होती है, तो हमें आंखों की जरूरत नहीं होती, बस एक दयालु हृदय ही काफी होता है।

अगर हम भगवान से प्यार कर रहे हैं, तो हम दुनिया की अच्छाई से प्यार कर सकते हैं

जो ईश्वर सदा अपने साथ रहने वाला है, प्राणों का भी प्राण है, उस प्रभू को तूने अनायास ही संसार की इस मोह माया में भुला दिया है।

सूरदास कहते हैं- अगर आप भगवान कृष्ण को नहीं पा सकते हैं, तो उन्हें अपने माता-पिता के अंदर महसूस करें।

मछली के प्रेम की निराली गति को देखो कि इसका शरीर चला जाता है तो भी उसका पानी के प्रति प्रेम रत्ती-भर भी कम नहीं होता।

ज्येष्ठ के 8 बड़े मंगल करेंगे बेड़ा पार

ज्येष्ठ माह बहुत ही पावन माना गया है। वैशाख पूर्णिमा के बाद ज्येष्ठ माह की शुरुआत होती है। इस माह में हनुमान जी साधना का विशेष महत्व है। इस माह में गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी और वट सावित्री व्रत समेत कई व्रत और त्योहार पड़ते हैं इस माह में पड़ने वाले हर मंगलवार को हनुमान जी साधना का विशेष मानी जाती है, क्योंकि इस माह में हर मंगलवार को बड़ा मंगल के रूप में मनाया जाता है। इस साल ज्येष्ठ का महीना 02 मई से 29 जून तक रहने वाला है। अधिक मास के कारण ज्येष्ठ माह पूरे 59 दिन का होगा।

यही कारण है कि इस बार ज्येष्ठ में 4 या 5 नहीं, बल्कि पूरे 8 बड़े मंगल पड़ेंगे। ज्योतिषविदों की माने तो ज्येष्ठ में 8 बड़े मंगल का संयोग साल 2007 में बना था और ये अब 19 साल बाद फिर से बन रहा है। मान्यता है कि ज्येष्ठ के बड़े मंगल पर बजरंगबली की उपासना करने पर सारी मनोकामना पूर्ण होती है। ज्योतिषविदों के अनुसार, ज्येष्ठ माह में 8 बड़े मंगल का संयोग कुछ राशि वालों के लिए लाभकारी भी रहने वाला है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए ये समय अच्छा रहने वाला है। साझेदारी में किए गए कामों में सफलता मिल सकती है। छोटे से कारोबार को बड़ा बना सकते हैं। कमाई के नए रास्ते भी आपके लिए खुल सकते हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है। रुका हुआ धन मिल सकता है। आय में बड़ा उछाल आ सकता है। कारोबार में लाभ हो सकता है।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। खर्चे कम हो सकते हैं। बैंक बैलेंस बढ़ सकता है। साथ ही, धर्म-कर्म और पूजा-पाठ में रुचि बढ़ सकती है। कामकाज के सिलसिले में यात्राएं हो सकती हैं।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों को धन अर्जित करने के नए अवसर आपको मिल सकते हैं। निवेश से लाभ हो सकता है। करियर में खूब लाभ मिल सकता है। आपके लिए आर्थिक रूप से काफी अच्छा साबित हो सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 अप्रैल - 2026

मतदान से वंचित नागरिक

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले जिस तरह बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की खबर सामने आई है, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मताधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। ऐसे में यदि नागरिकों को मतदान से वंचित होने की आशंका पैदा हो जाए, तो यह चिंता का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया के बाद बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। दावा किया गया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध और सटीक बनाने के उद्देश्य से की गई है। सिद्धांततः यह कदम उचित माना जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची का अद्यतन होना भी चाहिए। लेकिन जब लाखों लोगों के नाम सूची से बाहर होने की खबर सामने आती है, तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इस प्रक्रिया में समय रहते पर्याप्त सावधानी और पारदर्शिता बरती गई थी। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जिन लोगों को मतदाता सूची से बाहर किया गया, उनमें से बड़ी संख्या ऐसे नागरिकों की बताई जा रही है, जिन्होंने अपील करने के बावजूद अपना अधिकार वापस नहीं पा सके। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश दिया था कि जिन लोगों की अपील स्वीकार कर ली गई है, उनके लिए संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए ताकि वे मतदान कर सकें। इसके बावजूद सीमित संख्या में ही लोगों को मतदान की अनुमति मिल पाई। यह स्थिति प्रशासनिक प्रक्रिया की गंभीर कमियों की ओर संकेत करती है। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अवसर मिले। यदि बड़ी संख्या में नागरिक मतदान से वंचित रह जाते हैं, तो चुनाव परिणामों की प्रतिनिधिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह भी उल्लेखनीय है कि विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि ऐसी परिस्थितियों में पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। वास्तव में, मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया जितनी संवेदनशील है, उतनी ही जिम्मेदारीपूर्ण भी होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी पात्र नागरिक केवल प्रशासनिक लापरवाही के चलते अपने मताधिकार से वंचित न हो। साथ ही, जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें समयबद्ध और सरल अपील प्रक्रिया के माध्यम से न्याय मिलना चाहिए। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे जनता की भागीदारी और विश्वास का प्रतीक होते हैं। यदि नागरिकों को यह महसूस होने लगे कि उनका मताधिकार सुरक्षित नहीं है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर पड़ सकती है। इसलिए आवश्यक है कि निर्वाचन आयोग इस पूरे प्रकरण की गंभीर समीक्षा करे और ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे, जिससे भविष्य में किसी भी नागरिक को अपने मूल अधिकार से वंचित होने की नौबत न आए। लोकतंत्र की असली ताकत मतदान केंद्रों तक पहुंचने नागरिकों की कतारों में दिखाई देती है। इसलिए मताधिकार की रक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा का भी प्रश्न है। जब तक प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित नहीं होगा, तब तक लोकतंत्र की मजबूती का दावा अधूरा ही माना जाएगा।

त्रिकोणीय रण में सत्ता की कसौटी

सुरेश गांधी

सुबह का वक्त है। काशी की हवा में गंगा की नमी और घंटों की ध्वनि घुली हुई है। मणिकर्णिका घाट पर चिताएं अपनी अनवरत लय में जल रही हैं, जीवन और मृत्यु के बीच का वह शाश्वत संतुलन, जो काशी को 'अनादि' बनाता है। इसी घाट की सीढ़ियों पर बैठे एक संत, स्वामी संतोषानंद, दूर बहती गंगा को देखते हुए कहते हैं, "राजनीति भी गंगा की धारा जैसी है। कभी तेज, कभी शांत, पर अंत में सबको अपने में समेट लेती है। 2027 का चुनाव केवल सरकार का नहीं, जनता के मन का चुनाव होगा, लोग देख रहे हैं किसने उनके जीवन में बदलाव किया और कौन केवल वादे कर रहा है।" यह वाक्य केवल एक संत की टिप्पणी नहीं, बल्कि उस व्यापक मनोविज्ञान का प्रतिबिंब है जो आज यूपी के गांव-शहर, चौराहों और घाटों पर महसूस किया जा सकता है।

यूपी का आगामी विधानसभा चुनाव एक साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। यह उस राज्य की दिशा तय करेगा, जो देश की राजनीति का धुरी रहा है।

एक ओर है "मजबूत नेतृत्व" और "कानून-व्यवस्था" का दावा, तो दूसरी ओर "सामाजिक न्याय" और "आर्थिक असंतोष" का सवाल। बीच में उभरती तीसरी ताकत चुनाव को और जटिल बना रही है। भाजपा ने समय रहते यह स्पष्ट कर दिया है कि 2027 का चुनाव योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। यह फैसला केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। 2017 में बिना चेहरे के चुनाव और 2022 में आंशिक सस्पेंस के बाद अब पार्टी किसी भ्रम की स्थिति नहीं छोड़ना चाहती। योगी आदित्यनाथ की छवि, एक सख्त प्रशासक, निर्णायक नेता और स्पष्ट विचारधारा वाले चेहरे की, बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत बन चुकी है।

यूपी, जिसे कभी अपराध और माफिया के लिए बदनाम किया जाता था, आज कानून-व्यवस्था के मामले में एक अलग छवि पेश करने की कोशिश कर रहा है। माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई, पुलिस की सक्रियता, महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभियान, यह बदलाव आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास पैदा करता है, लेकिन सवाल भी उठते हैं, क्या यह सख्ती हर स्तर पर समान है? क्या इसमें संतुलन बना हुआ है? स्वामी संतोषानंद कहते हैं, "भय का अंत होना चाहिए, लेकिन न्याय का संतुलन भी जरूरी है। जहां दोनों साथ हों, वही राज टिकता है।"

लखनऊ से लेकर पूर्वांचल तक, सड़कों का जाल और बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स एक नई तस्वीर पेश करते हैं। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, निवेश परियोजनाएं, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स यूपी को वैश्विक मानचित्र पर लाने की कोशिश हैं। लेकिन वाराणसी के लंका चौराहे पर खड़े एक युवा की बात इस चमक के पीछे का सवाल भी उठाती है, "सड़कें तो बन गईं, पर नौकरी कहां है?" वहीं काशी विश्वनाथ धाम का भव्य रूप केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। यह वह पक्ष है जहां राजनीति और आस्था का संगम दिखता है। बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि मानती है, जबकि विपक्ष इसे "भावनात्मक राजनीति" करार देता है।

अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा इस चुनाव को "विकास बनाम रोजगार" और "सख्ती बनाम सामाजिक न्याय" के रूप में पेश कर रही है। पश्चिमी यूपी से अभियान की शुरुआत यह संकेत देती है कि सपा जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को फिर से सक्रिय करने की कोशिश में है। मायावती की बसपा एक बार फिर अपने पुराने समीकरण को नए अंदाज में प्रस्तुत कर रही है, दलित ब्राह्मण मुस्लिम. नाराज वोटों को जोड़ने की रणनीति. बसपा की कोशिश है कि वह खुद को "तीसरा विकल्प" नहीं, बल्कि "निर्णायक विकल्प" के रूप में स्थापित करे।

यूपी की राजनीति में यह बार-बार देखा गया है कि चुनाव जीतने के लिए केवल वोट पाना जरूरी नहीं, बल्कि विरोधी वोटों का बंटना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर सपा और बसपा अलग-अलग लड़ती हैं, तो मुस्लिम वोटों का विभाजन. दलित वोटों का आंशिक खिसकाव. ओबीसी समीकरण में उलझन. यह स्थिति बीजेपी के लिए सीधा लाभ बन सकती है।

'वसुधैव कुटुंबकम' बनाम 'बटर चिकन सुनामी' – दो दृष्टिकोणों का टकराव

आरके जैन

वैश्विक संबंधों में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जो नीतियों से अधिक भाषा के प्रभाव को उजागर करते हैं, और अप्रैल 2026 की यह घटना इसी का उदाहरण है। एक ओर न्यूजीलैंड है-लगभग 52 लाख आबादी वाला विकसित, लेकिन छोटा द्वीप राष्ट्र; दूसरी ओर भारत है-140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाला उभरता वैश्विक शक्ति केंद्र। वर्षों की बातचीत के बाद तैयार मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों के बीच सहयोग और व्यापार विस्तार का बड़ा अवसर माना जा रहा था। परंतु इसी संवेदनशील समय में न्यूजीलैंड के मंत्री शेन जोन्स द्वारा इसे 'बटर चिकन सुनामी' कहना केवल असहमति नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे कूटनीतिक संतुलन को झकझोरते हुए विवाद की एक नई लहर खड़ी कर दी।

यह टिप्पणी केवल राजनीतिक असहमति नहीं थी, बल्कि उस दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें व्यापारिक संबंधों को सांस्कृतिक पूर्वाग्रह से जोड़ा गया। 'बटर चिकन'-जो भारतीय भोजन और सांस्कृतिक पहचान का वैश्विक प्रतीक है-को 'सुनामी' जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना संवेदनशीलता की कमी को उजागर करता है। इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत न्यूजीलैंड को भारत जैसे विशाल बाजार में 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क मुक्त या काफी कम पहुंच मिलने वाली थी। ऊन, मांस, वन उत्पादों और कुछ अन्य वस्तुओं पर टैरिफ घटने या खत्म होने से निर्यात बढ़ता। बदले में भारत से वस्तुओं, सेवाओं और कुशल प्रवासियों के अवसर भी खुलते। न्यूजीलैंड सरकार ने इसे "एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर" माना था।

इस बहस के केंद्र में एनजेड फर्स्ट और उसके नेता शेन जोन्स रहे, जिन्होंने इस समझौते को 'अनियंत्रित प्रवासन' का खतरा बताया। उनका कहना था कि इससे सड़कें जाम हो सकती हैं, अस्पतालों पर दबाव बढ़ सकता है और सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह चिंता स्थानीय असंतोष को दर्शाती है, क्योंकि कई देशों में प्रवासन पर ऐसी चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन इसे जिस तरह प्रस्तुत किया गया, वह विवादास्पद बन गया। न्यूजीलैंड में प्रवासन पर बहस पहले से जारी है। आवास की कमी, बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधन असंतोष को बढ़ाते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय वहां अर्थव्यवस्था का आधार है, जो स्वास्थ्य, आईटी, शिक्षा और व्यापार में अहम योगदान दे रहा है।

इस विवाद में सोशल मीडिया पर भारतीय समुदाय की प्रतिक्रिया ने स्थिति स्पष्ट कर दी। लोगों ने कहा-"हम बटर चिकन नहीं, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी हैं।" यह उनकी सामाजिक भूमिका का प्रतिबिंब था। इस बीच क्रिस्टोफर लक्सन ने बयान को 'अनहेल्पफुल', 'अलार्मिस्ट' और 'भ्रामक अतिरंजना' बताया, लेकिन उसे खुलकर नस्लवादी कहने से परहेज किया। यह रुख उनके राजनीतिक संतुलन को दर्शाता है। वहीं लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन के संकेत दिए, जिससे स्पष्ट हुआ कि आर्थिक हित कई बार राजनीतिक मतभेदों से आगे निकल जाते हैं। यह घटनाक्रम न्यूजीलैंड की आंतरिक राजनीति में विभाजन को भी उजागर करता है।

'बटर चिकन' महज एक व्यंजन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान का मजबूत प्रतीक है। जैसे 'पिज़्ज़ा' इटली की और 'सुशी' जापान की वैश्विक पहचान बन चुकी है, वैसे ही बटर चिकन भारत की खाद्य संस्कृति और सॉफ्ट पावर का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इसे 'सुनामी' जैसे विनाशकारी शब्द से जोड़ना केवल हल्का मजाक नहीं माना गया, बल्कि इसे सांस्कृतिक असम्मान के रूप में देखा गया। कूटनीति में प्रतीकों और शब्दों की भूमिका बेहद निर्णायक होती है, क्योंकि एक शब्द, एक इशारा या एक रूपक भी देशों के संबंधों की दिशा बदल सकता है। इतिहास भी यह दिखाता है कि कई बार छोटे और असावधान बयान बड़े अंतरराष्ट्रीय विवादों की वजह बन चुके हैं।

भारत सरकार ने इस पूरे मामले पर औपचारिक रूप से कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी, जो उसकी संतुलित और परिपक्व कूटनीतिक शैली को दर्शाता है। हालांकि भारतीय मीडिया और प्रवासी समुदाय ने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि सम्मान के साथ कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना-जहां संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना जाता है-ऐसी परिस्थितियों में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यह दृष्टिकोण केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारत की व्यवहारिक और दीर्घकालिक कूटनीति का आधार भी है। शेन जोन्स ने बाद में अपने बयान को 'हाइपरबोली' यानी अतिशयोक्ति बताया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उनका उद्देश्य बहस को तेज करना और ध्यान आकर्षित करना था। लेकिन सवाल यही है-क्या राजनीतिक लाभ के लिए सांस्कृतिक संवेदनशीलता की अनदेखी सही ठहराई जा सकती है? लोकलुभावन राजनीति अक्सर डर, असुरक्षा और पहचान की चिंताओं पर आधारित होती है। प्रवासन और संस्कृति जैसे मुद्दे इसमें प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर जब यही राजनीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने लगे, तो यह गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। व्यापार समझौते केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं होते, बल्कि वे आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान की मजबूत नींव पर टिके होते हैं। यदि यह आधार कमजोर पड़ जाए, तो सबसे लाभकारी और दूरगामी समझौते भी प्रभावित होकर असफल हो सकते हैं।

इसलिए भारत और न्यूजीलैंड दोनों को इस विवाद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से हल करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवासन नीतियों में संतुलन बनाए रखते हुए, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करना ही भविष्य के लिए सही और स्थायी मार्ग होगा।

'बटर चिकन सुनामी' सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में शब्दों की शक्ति कितनी निर्णायक होती है। यह घटना बताती है कि एक टिप्पणी भी कूटनीति, व्यापार और समाज-तीनों पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इससे मिलने वाली सबसे बड़ी सीख यही है कि वैश्विक नेताओं को अपने शब्दों में अधिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता रखनी चाहिए। अंततः, यह तय करना दोनों देशों के हाथ में है-क्या वे इस 'सुनामी' को विवाद की लहर बनने देंगे, या इसे सहयोग और समझ की नई धारा में बदल देंगे।

मणिपुर में नई सरकार के बाद हिंसा में नए सिरे से वृद्धि

अशोक भाटिया

हाल ही में, मणिपुर में वाई. खेमचंद सिंह की सरकार के गठन के बाद हिंसा में नए सिरे से वृद्धि देखी गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह वृद्धि कुकी समुदाय से एक उपमुख्यमंत्री को शामिल करने के साथ मेल खाती है, जिसकी पत्नी कथित तौर पर एक विद्रोही संगठन की प्रमुख है। संगठन ने अन्य लोगों के साथ मिलकर गृह मंत्रालय के साथ संचालन निलंबन (एसओओ) समझौते को सितंबर 2025 से बढ़ा दिया है। हालाँकि, इसका मतलब स्थायित्व नहीं है। संशोधित जमीनी नियमों के उल्लंघन की स्थिति में किसी भी पक्ष द्वारा एसओओ समझौते को किसी भी समय समाप्त किया जा सकता है। आमतौर पर सालाना नवीनीकृत किया जाता है, इसकी निरंतरता इन नियमों के पालन पर सख्ती से निर्भर करती है और इसे दीर्घकालिक व्यवस्था नहीं माना जा सकता है। यह महत्वपूर्ण सवाल उठाता हैः क्या एक विद्रोही नेता के जीवनसाथी के लिए नैतिक रूप से स्वीकार्य और प्रशासनिक रूप से विवेकपूर्ण है, यहां तक कि वर्तमान में युद्धविराम या एसओओ समझौते के तहत भी, मंत्रिपरिषद में सेवा करना नैतिक रूप से स्वीकार्य और प्रशासनिक रूप से विवेकपूर्ण है?

ऐसे विद्रोही समूह ऐतिहासिक रूप से राज्य विरोधी गतिविधियों में लगे हुए हैं और यदि राजनीतिक वार्ता विफल हो जाती है या केंद्र समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला करता है तो उन्हें फिर से शुरू कर सकते हैं। क्या ऐसी स्थिति में किसी व्यक्ति को राज्य के रहस्य सौंपे जाने चाहिए और संवेदनशील सुरक्षा नीति निर्माण में शामिल किया जाना चाहिए? क्या इस तरह के व्यक्तिगत संबंध वाले मंत्री की उपस्थिति राज्य और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का जोखिम उठाती है? क्या कैबिनेट के सदस्य, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ऐसी परिस्थितियों में स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं?

इन चिंताओं को इस व्यवस्था के नैतिक, कानूनी और संवैधानिक आयामों के बारे में जनता के संदेह और धारणाओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री की ओर से स्पष्ट स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। वाक्यांश दुश्मन के साथ सोना किसी विरोधी के साथ घनिष्ठ संबंध या सहयोग को संदर्भित करता है, जिसका अर्थ अक्सर विश्वासघात का जोखिम होता है।

इस संदर्भ में, यह भेद्यता के बारे में चिंताओं को रेखांकित करता है, खासकर जब किसी ऐसे व्यक्ति पर विश्वास बढ़ाया जाता है जिसके करीबी सहयोगी के राज्य के विरोधी हित हो सकते हैं। यदि एसओओ समझौता समाप्त हो जाता है या समाप्त हो जाता है, तो एक कथित जोखिम है कि संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है। 19 अप्रैल 2026 को, मणिपुर के गृह मंत्री, गोविंददास कोंथौजम ने घोषणा की कि पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों में एसओओ समझौते के तहत आतंकवादी संगठनों के सभी अनधिकृत शिविरों को एक महीने के भीतर बंद कर दिया जाएगा। एसओओ समूहों और शांति निगरानी समिति के परामर्श से लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य स्थिरता बहाल करना है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी कैडरों को निर्दिष्ट शिविरों के भीतर रहना चाहिए और संशोधित जमीनी नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालाँकि, ये बयान अनधिकृत शिविरों के अस्तित्व और प्रवर्तन में चूक का संकेत देते हैं। उनका यह भी संकेत है कि गृह मंत्रालय की अध्यक्षता वाले संयुक्त निगरानी समूह के निर्देशों को अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। इन आश्वासनों के बावजूद, सार्वजनिक चिंताएं बनी हुई हैं, खासकर हाल ही में हिंसा में वृद्धि के आलोक में। सवाल उठते हैं कि सरकार यह कैसे सुनिश्चित करती है कि संवेदनशील सुरक्षा जानकारी लीक न हो। एसओओ उल्लंघनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई पर कैबिनेट चर्चा कैसे आयोजित की जाएगी? वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपमुख्यमंत्री के साथ आयोजित कैबिनेट की बैठकें कितनी सुरक्षित हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति कमरे में मौजूद न हो या कैबिनेट की बातचीत न सुन सके? इस तरह के उल्लंघनों की स्थिति में किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा? यदि उपमुख्यमंत्री को इस तरह की चर्चाओं से बाहर रखा जाता है, तो यह विचार-विमर्श की प्रकृति का संकेत दे सकता है। यदि इसमें शामिल किया जाता है, तो हितों के टकराव के बारे में चिंताएं अनसुलझी रहती हैं।

यह एक जटिल शासन दुविधा पैदा करता है। इंफाल-उखरुल रोड पर टीएम कासोम गांव में नागरिक वाहनों पर कुकी उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किया गया हमला, जिससे लितान में सशस्त्र एस्कॉर्ट सेवा के रुकने के बाद दो तांगखुल नागरिकों की मौत हो गई, जिससे संवेदनशील सुरक्षा संबंधी घटनाओं की अखंडता पर संदेह पैदा हो गया है। इसी तरह, बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलोबी गांव में बम हमले में दो बच्चों की दुखद मौत ने सार्वजनिक चिंता और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है।

क्या राज्य सरकार इन पहलुओं की सक्रिय रूप से जांच करेगी, या सुधारात्मक कार्रवाई करने से पहले और गंभीर घटनाओं की प्रतीक्षा करेगी? क्या राज्य के सुरक्षा ढांचे के भीतर संभावित कमजोरियों को जोखिम में डालना समझदारी है? ये गंभीर चिंताएँ हैं जिन पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान को इन मुद्दों पर तत्काल ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आबादी के कुछ हिस्से, विशेष रूप से नागा और मैतेई समुदायों के बीच, वर्तमान व्यवस्था से तेजी से असुरक्षित महसूस कर हैं। इसका मतलब यह है कि कुकी उस क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं जहां मैतेई सैनिक के घर पर हमला किया गया था। राज्य में विभाजन इतना व्यापक है कि मेइतेई कुकी बहुसंख्यक तक नहीं पहुंच सकते हैं और कुकी मैतेई क्षेत्र से बहुत दूर रहते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में सामाजिक दंगों का इतिहास बताता है कि जिस क्षेत्र में वह अल्पसंख्यक है, वहां कोई भी समुदाय बहुसंख्यक नहीं होता है, लेकिन यह सामान्य ज्ञान है। चाहे वह बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, जो लोग जानते हैं कि उन पर हमला करने वाला कोई नहीं होगा, वे ऐसा नहीं करते हैं। इसलिए, मैतेई द्वारा पीटे जाने के बाद, जब यह देखा जाता है कि प्रशासन मैतेई समर्थक है। मैं, कुकी स्वयं अपने क्षेत्रों में जाते हैं और पाते हैं कि वे मैतेई समर्थक हैं।

यदि ऐसा नहीं है, तो भी क्षेत्र के नेता का पहला कर्तव्य यह देखना चाहिए कि धार्मिक वैमनस्य फिर से पैदा न हो। बीरेन सिंह ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया, न ही वह इसे अपनी जगह पर आए अन्य शेरों को देना चाहते थे, लेकिन हो सकता है कि उनमें शांति पैदा करने की क्षमता न हो।

किसी भी मामले में, यह किसी भी सरकार का कर्तव्य है कि वह इस नस्लीय घृणा और नरसंहार को रोके, अगर राज्य सरकार ऐसा नहीं कर सकती है, तो केंद्र को यह करना चाहिए। यह विश्वास करना मुश्किल है कि भारतीय नेतृत्व अपने ही पिछवाड़े में इस आग को नहीं बुझा सकता है, जब वास्तविक दुनिया के संघर्षों और गृहयुद्धों में शांति के निर्माण में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का सार्वभौमिक अहसास हो रहा है। मणिपुर कभी एक राजशाही थी, जिसे अंग्रेजों ने नष्ट कर दिया था और यह क्षेत्र 1947 में भारत का हिस्सा बन गया।

जानलेवा हो सकती है मलेरिया के इलाज में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी है, जो आमतौर पर एक निश्चित प्रकार के मच्छर को संक्रमित करने वाले परजीवी के कारण होती है और इन संक्रमित मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। अमेरिका से करीब 70 साल पहले ही मलेरिया को पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया था लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष दो हजार अमेरिकी इससे संक्रमित होते हैं।

भारत में तो हर साल लाखों लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं। चिंता की स्थिति यह है कि दुनियाभर में मलेरिया से हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे हैं।

पांच साल से कम उम्र के बच्चे मलेरिया से असमान रूप से प्रभावित होते हैं, जो मलेरिया से होने वाली कुल मौतों का करीब 82 प्रतिशत है। 2021 में मलेरिया से दुनियाभर में 6.19 लाख लोगों की मौत हुई थी जबकि 2022 में 6.08 लाख लोग मलेरिया के कारण मारे गए और 2024 में मलेरिया से 6.1 लाख मौतें दर्ज की गई। हालांकि मलेरिया ऐसी बीमारी है, जिसकी रोकथाम करके बड़ी संख्या में होने वाली इन मौतों को रोका जा सकता है लेकिन यह फिर भी दुनियाभर में रोकी जा सकने वाली बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसीलिए मलेरिया को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 2008 से ही 25 अप्रैल को एक खास विषय के साथ 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है। मलेरिया दिवस इस वर्ष 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।'

विषय के साथ मनाया जा रहा है, जिसका प्रमुख संदेश यही है कि मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भेदभाव और कलंक को खत्म करना, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में समुदायों को शामिल करना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल को उस स्थान के करीब लाना, जहां लोग रहते हैं और काम करते हैं, मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाले कारकों को संबोधित करना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में मलेरिया नियंत्रण हस्तक्षेप इत्यादि मलेरिया दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर किसी को मलेरिया की रोकथाम, पता लगाने और इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण, समय पर और सस्ती सेवाओं का अधिकार तो है लेकिन यह सभी के लिए वास्तविकता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की हर साल मौत हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के मामले में बीते कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति तो हुई है लेकिन मलेरिया के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना अभी भी गंभीर चुनौती है।

चिंता का विषय यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों में यह बीमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा बोझ भी डालती है।

मलेरिया एनोफेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है।

एनोफेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं।

जब परजीवी एक बार मानव शरीर के अंदर यकृत में चले जाते हैं तो ये लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर गुणन करते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण पैदा होते हैं। मनुष्यों को मलेरिया के चार मुख्य प्रकार (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम, प्लाज्मोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवले और प्लाज्मोडियम मलेरिया) संक्रमित करते हैं। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक प्रकार है जबकि मलेरिया के अन्य प्रकार आमतौर पर हल्की बीमारी का कारण बनते हैं। गंभीर मलेरिया गंभीर एनीमिया, गुर्दे की विफलता, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है, खासकर यदि तुरंत निदान और इलाज नहीं किया जाए। हालांकि दुनियाभर में शोधकर्ता मलेरिया को नियंत्रित करने और अंततः ख़त्म करने के लिए टीकों और अन्य नवीन समाधानों पर काम कर रहे हैं लेकिन इसकी रोकथाम के मुख्य उपायों में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मच्छरदानी, कीट विकर्षक और मलेरिया-रोधी दवाओं का उपयोग करना शामिल है। जटिलताओं और मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है। मलेरिया होने पर आमतौर पर तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं।

गिरगिट की तरह कितने रंग

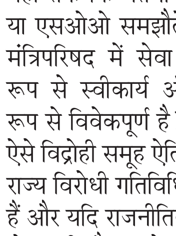

डॉ टी महादेव राव

भैया! मुझे यह समझ नहीं आता आदमी का खून, उसका प्रवाह और उसका रंग बदलता भी है? जीवन में उतार चढ़ाव, खुशी ग़म, आशा निराशा, विजय पराजय इन परिणामों से रक्त का दबाव यानी बीपी बदल सकता है लेकिन खून में, शरीर में अमूलचूल परिवर्तन कहां होता है?

छोटू! क्या कोई पैथोलॉजी लैब खोलने का इरादा है या अभी वहीं से आ रहे हो? अचानक खून की जांच जैसे परिणाम बता रहे हो आखिर बात क्या है?

आप तो जानते ही हो आजकल रगों में दौड़ते खौलते खून की चर्चा विश्वव्यापी हो गई है। कभी कुछ बहता है नसों में तो कभी कुछ। ऐसा क्या मानव के साथ संभव है?मनुष्य योनि में जन्में किसी के साथ ऐसा नहीं हो सकता। हां महामानव और अब तक न खोजे जाने वाले किसी जीव या कीट में हो सकता है। जैसे तिलचट्टे का खून सफेद होता है। ऑक्टोपस का खून नीला होता है। आइसफिश का खून रंगहीन होता है। जिन जीवों में हीमोग्लोबिन की जगह हीमोसाइनिन बहता है, उनके खून का रंग नीला होता है। क्योंकि हीमोसाइनिन में लौह की जगह कॉपर यानी कि तांबे की मात्रा ज्यादा होती है और यह ऑक्सीजन से मिलते ही खून को नीले रंग में बदल देता है। कभी यह कहा जाता है कि नसों में खून नहीं पैसा बहता है क्योंकि वे उस क्षेत्र से हैं जहां सिवाय व्यापार और पैसे के सिवा कुछ सोच नहीं पाते। कभी कहते हैं आध्यात्म और सनातनी चिंतन रगों में बहता है, कभी देशप्रेम तो कभी देशभक्ति। यहां तक तो ठीक है लेकिन अब यह चर्चा जोरों पर है कि धमनियों से लेकर पूरे शरीर में सिंदूर बहता है, सिर्फ खौलता सिंदूर। सिंदूर में सीसा और पारा की मात्रा होती है जो कि मानव शरीर के लिए न केवल हानिकारक है बल्कि जानलेवा भी।

अब हर व्यक्ति भगवान शिव तो नहीं हो सकता जिन्होंने समुद्र मंथन के बाद मिले हालाहल को गले में स्थान दिया और गरल कंठ और नीलकंठ कहलाए। मानव जिसके शरीर में हीमोग्लोबिन होता है, लाल रंग के अलावा किसी और रंग का खून लिया हुआ हो तो उसके लिए और आसपास के समाज के लिए विपदा की स्थिति उत्पन्न करती है। छोटू! इसका एक और अर्थ हुआ कि वे मानव नहीं महामानव हैं जो हीमोग्लोबिन और हीमोसैनिन के बिना जब चाहें अपने खून का रंग और हालत बदल सकते हैं।

भैया!

मुझे बताइए अपने देश की राजनीति में तो सिर्फ मनुष्यों को चुनाव लड़ने की योग्यता है। जब मानव चुनाव नहीं लड़ सकते तो महामानव तो दूर की बात है न? इस हिसाब से वे मनुष्य ही हुए न?

इतने रंग तो गिरगिट भी नहीं बदल पाता होगा जितने रंग इनके खून ने बदला है। खैर! अगर कोई महामानव अपना प्रधान सेवक है तो हम महा महा मानव ही हुए न?

मैं भी बड़े असमंजस में हूं छोटू! जो चीजें मानव मस्तिष्क की समझ से परे हैं, उनके बारे में यही कहा जा सकता है कि बाद में देखेंगे।

जय शाह से लेकर बीसीसीआई तक ने मास्टर ब्लास्टर को दी जन्मदिन की बधाई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। सचिन को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और आईपीएल की फ्रेंचाइजी ने जन्मदिन की बधाई दी है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मास्टर ब्लास्टर को जन्मदिन की बधाई दी है। वहीं, मुंबई में सचिन के घर के बाहर प्रशंसकों की भारी भीड़ है।

सचिन ने फैंस के साथ मनाया जन्मदिन

सचिन ने भी फैंस को निराश नहीं किया और बाहर आकर उनके साथ जन्मदिन बनाया। इस दौरान सचिन की पत्नी अंजली भी उनके साथ मौजूद रहीं। अंजली ने गोद में एच नन्ही प्रंशसक को उठाया।

सचिन को बधाई देने वालों का लगा तांता

वहीं, सचिन को बधाई देने का तांता लगा हुआ है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक्स पर लिखा, हमारे खेल के आइकॉन सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। क्रिकेट में आपका शानदार योगदान दुनिया भर की पीढ़ियों को हमारा शानदार खेल खेलने और देखने के लिए प्रेरित करता रहेगा, जबकि आपकी हमदर्दी और इंसानियत का समाज पर लगातार और अहम असर पड़ता रहेगा।

बीसीसीआई ने सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा, 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य, महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने तेंदुलकर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर। आपका असाधारण सफर सिर्फ मैदान पर आपकी बेमिसाल कामयाबियों से ही नहीं, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन और खेल भावना के उन मूल्यों से भी तय होता है जिन्हें आपने हमेशा बनाए रखा है। क्रिकेट की तरक्की और दुनिया भर में पहचान बनाने में आपका योगदान बहुत बड़ा है, जिसने खिलाड़ियों और प्रशासकों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और क्रिकेट की दुनिया को मार्गदर्शन और प्रेरणा देने के लिए कई और वर्षों तक शुभकामनाएं।

सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर आईपीएल की सभी फ्रेंचाइजियों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। मुंबई इंडियंस ने एक्स अकाउंट पर सचिन की केक काटते हुए एक तस्वीर साझा की है। टीम ने कैप्शन में लिखा है, वो छोटा लड़का जो क्रिकेट को पसंद प्रत्येक व्यक्ति के दिल की धड़कन बन गया। जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर।

अर्जुन ने केक के साथ पिता सचिन को दी बधाई

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर केक लेकर कहते हैं कि जन्मदिन मुबारक हो, मैं आपसे जल्द मिलूंगा। वीडियो में सचिन और अर्जुन की कई तस्वीरें साझा की गई हैं।

फडणवीस ने बताया सच्चा भारत रत्न

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने सचिन को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी है। देवेंद्र फड़णवीस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, भारत के गौरव, सच्चे भारत रत्न और मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका समर्पण और विनम्रता सबसे बड़ी प्रेरणा है।

पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं धोनी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का गुरुवार को मुंबई इंडियंस से सामना हुआ। इस मैच में भी महेंद्र सिंह धोनी खेलने नहीं उतरे जिससे फैंस को एक बार फिर निराशा मिली। धोनी को लेकर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस के दौरान कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने स्पष्ट किया है कि धोनी अब तक पूरी तरह फिट नहीं हैं जिस कारण वह मैदान पर नहीं उतरे हैं।

लगातार सातवां मैच नहीं खेले धोनी

सीएसके की टीम आईपीएल 2026 में लीग चरण के अपने आधे मुकाबले खेल चुकी है। सीएसके ने वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन 44 वर्षीय धोनी इस मैच में भी नहीं खेले। धोनी ने मौजूदा आईपीएल सीजन में एक भी मैच नहीं खेला है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही वह चोटिल हो गए थे और अब तक वापसी नहीं कर सके हैं।

हसी बोले- विकेटकीपर के तौर पर ही उतरेंगे धोनी

हसी ने साफ किया कि जब भी धोनी अपनी पिंडली की चोट से उबरकर लौटेंगे तो वह विकेटकीपर के तौर पर ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे, न कि सिर्फ एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलेंगे। वह अभी भी उस चोट से उबर रहे हैं जिसकी वजह से 28 मार्च को उन्हें शुरू में दो हफ्ते के लिए टीम से बाहर होना पड़ा था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल करते हुए सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर सकते हैं, खासकर तब जब संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। हसी ने इस संभावना को खारिज कर दिया और संकेत दिया कि धोनी विकेट के पीछे अपनी पुरानी और जानी-पहचानी भूमिका में ही वापसी करेंगे।

हसी ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि वह विकेट के पीछे ही होंगे। उनके लिए सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें पिंडली में चोट लगी है। दिक्कत सिर्फ दौड़ने में है। अगर वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने आते हैं, तो उन्हें तेजी से एक-दो रन लेने पड़ेंगे। उन्हें बस यह पक्का करना होगा कि उनकी पिंडली इतनी मजबूत हो कि वह इस दबाव को झेल सके।

32 मैचों में अबतक लगे हैं चार शतक, इनमें से तीन भारतीय; एक टीम के दो बल्लेबाज जड़ चुके हैं सैकड़ा

आईपीएल 2026 में अब तक 32 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस दौरान चार बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं, जिनमें एक-एक खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), जबकि दो खिलाड़ी मुंबई इंडियंस से हैं। आईपीएल में इस बार भी बड़े स्कोर बनते दिख रहे हैं और सभी टीमें प्लेऑफ के लिए जोर लगा

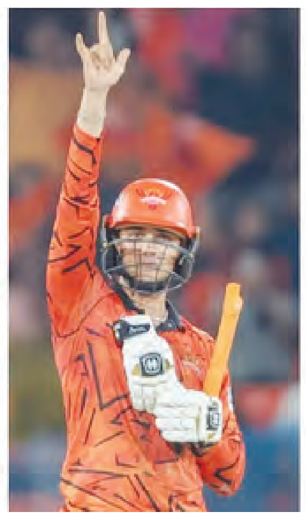

रहे हैं।

संजू सैमसन: चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज ने बतौर ओपनर 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 56 गेंदों में 4 छक्कों और 15 चौकों के साथ 115 रन की नाबाद पारी खेली थी। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ सीएसके ने दो विकेट खोकर 212 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 189 रन पर सिमट गई। सीएसके ने मुकाबला 23 रन से अपने नाम किया था।

क्विंटन डिकॉक: रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में क्विंटन डिकॉक को 16 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर सलामी बल्लेबाज मौका मिला था। इस सीजन के अपने पहले ही मैच में क्विंटन ने 60 गेंदों में सात छक्कों और आठ चौकों के साथ 112 रन की नाबाद पारी खेली, जिसकी मदद से एमआई ने छह विकेट खोकर 195 रन बनाए। हालांकि, डिकॉक की यह पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी थी और पंजाब ने 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मैच अपने नाम किया था।

तिलक वर्मा: मुंबई इंडियंस (एमआई) की टीम 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस (जीटी) के विरुद्ध 96 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों के साथ नाबाद 101 रन की पारी खेलते हुए टीम को 199/5 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में जीटी 15.5 ओवरों में महज 100 रन पर सिमट गई। एमआई ने मुकाबला 99 रन से अपने नाम किया।

अभिषेक शर्मा: बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 21 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 10 छक्के और इतने ही चौके निकले। अभिषेक की इस पारी के दम पर सनराइजर्स ने दो विकेट खोकर 242 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 195 रन ही बना सकी। सनराइजर्स ने इस तरह मुकाबला 47 रन से अपने नाम कर लिया था।

'सूर्या को चाहिए प्लान-बी', वसिम जाफर ने सूर्यकुमार की कमजोरी को पकड़ा

मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में मुंबई को अपने घर वानखेड़े स्टेडियम में 103 रनों की शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद जहां टीम की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसिम जाफर ने स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की फॉर्म और तकनीक को लेकर एक बड़ी चेतावनी दी है। जाफर का मानना है कि मिस्टर 360 अब गेंदबाजों के लिए प्रेडिक्टेबल होते जा रहे हैं और विपक्षी टीमें उन्हें एक ही जाल में बार-बार फंसा रही हैं।

सूर्या के लिए वसिम का खास संदेश

आईपीएल 2026 में अब तक सूर्यकुमार यादव का बल्ला उम्मीद के मुताबिक नहीं चला है। चेन्नई के खिलाफ मैच में जब मुंबई को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब वे 30 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हो गए। इस पारी के बाद वसिम जाफर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर सूर्या को कड़ा संदेश देते हुए लिखा, 'SKY बार-बार एक ही अंदाज में जाल में फंस रहे हैं। टीमें उनके लेग साइड और विकेट के पीछे वाले शॉट्स को रोकने के लिए खास फील्डिंग सेट कर रही हैं। उन्हें अब 'प्लान बी' की जरूरत है। शायद उन्हें अब सीधा खेलना चाहिए या कवर्स के ऊपर से शॉट लगाने चाहिए। प्रेडिक्टेबल मत बनिए। वे इतने अच्छे खिलाड़ी हैं कि उन्हें एक ही जाल में नहीं फंसना चाहिए।'

वानखेड़े में फिसली मुंबई, सूर्या भी रहे फ्लॉप

मैच की बात करें तो, चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन के शानदार शतक की बदौलत 207 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पावरप्ले में ही अपने बड़े विकेट खो दिए। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने 73 रनों की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश जरूर की, लेकिन जैसे ही सूर्या का विकेट गिरा, मुंबई की पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 19 ओवरों में महज 104 रनों पर सिमट गई।

क्या विपक्षी टीमों ने ढूंढ ली है सूर्या की काट?

वसिम जाफर का विश्लेषण इस ओर इशारा करता है कि गेंदबाज अब सूर्या को हाथ खोलने का मौका नहीं दे रहे हैं। टीमें अब लेग-साइड पर डीप में फील्डर्स तैनात कर रही हैं और उन्हें फाइन लेग या स्क्वेयर लेग की तरफ लैप शॉट खेलने से रोक रही हैं। जाफर की सलाह है कि सूर्या को अब V में (सीधा) खेलना शुरू करना होगा या फिर कवर्स के ऊपर से एक्स्ट्रा कवर ड्राइव जैसे शॉट्स पर ध्यान देना होगा ताकि गेंदबाजों की रणनीति को फेल किया जा सके।

नीलामी में करोड़ों में बिके, उम्मीदों पर खरा नहीं उतरे ये पांच खिलाड़ी

आईपीएल 2026 का सफर लगभग आधा तय हो चुका है। कुछ खिलाड़ी इस सीजन अपने दमदार प्रदर्शन के बूते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनके लिए फ्रेंचाइजियों ने करोड़ों रुपये की बोली लगाकर उन्हें टीम में शामिल किया था, लेकिन इनका प्रदर्शन अब तक निराशाजनक ही रहा है। आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं...

कैमरन ग्रीन: ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर को खरीदने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन ने इस सीजन खेले अब तक सात मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। ग्रीन के बल्ले से सात पारियों में 27 की औसत और 151 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 162 रन निकले हैं। यह हाल तब है जब उन्हें ज्यादातर बल्लेबाजी करने का मौका शीर्ष क्रम में मिला है। शुरुआती चार मुकाबलों में ग्रीन पीठ की समस्या के कारण गेंदबाजी नहीं कर सके थे, जबकि आखिरी तीन मुकाबलों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने महज एक विकेट निकाला है और उनका इकोनॉमी 14.16 का रहा है।

लियाम लिविंगस्टन: इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। लिविंगस्टन से उम्मीद थी कि वह अपनी तूफानी बल्लेबाजी से अकेले दम पर मुकाबलों का रुख पलटेंगे। हालांकि, इंग्लिश बल्लेबाज फिलहाल इस सीजन बुरी तरह से संघर्ष करता नजर आया है। उन्हें दो मुकाबलों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 15 रन बनाए हैं।

कार्तिक शर्मा: चेन्नई सुपर किंग्स ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के लिए नीलामी पर कई फ्रेंचाइजियों से जंग लड़ने के बाद उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हर किसी की नजरें कार्तिक की बल्लेबाजी पर थीं, लेकिन आईपीएल 2026 में वह अब तक बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके हैं। कार्तिक ने तीन मुकाबलों में 119 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए महज 25 रन ही बनाए हैं।

फिन एलेन: कोलकाता नाइट राइडर्स ने फिन एलेन को दो करोड़ रुपये खर्च करते हुए टीम में शामिल किया था। एलेन ने टी20 विश्व कप 2026 में सिर्फ 33 गेंदों में शतक लगाया था। यही वजह थी कि आईपीएल 2026 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को हर कोई बेकरार था। हालांकि, न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज अब तक उम्मीदों पर अब तक खरा नहीं उतर सका है। एलेन ने पांच पारियों में 16.20 की औसत से महज 81 रन ही बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के बावजूद एलेन अब तक बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं।

ग्लेन फिलिप्स: न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, फिलिप्स अपने प्रदर्शन से उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। उन्होंने छह मुकाबलों में 16.75 की औसत और 124 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 67 रन बनाए हैं। तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर फिलिप्स का स्ट्राइक रेट टूर्नामेंट में सिर्फ 124.07 का रहा है। फीलिडंग में लेकिन उनका दम दिख रहा है।

चेन्नई के खिलाफ क्यों हारी मुंबई? हार्दिक पांड्या की एक गलती बनी कारण; अश्विन का बड़ा दावा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल उठाते हुए मुंबई इंडियंस की हार को उनकी रणनीतिक गलतियों का नतीजा बताया है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में लिए गए कुछ फैसलों को अश्विन ने समझ से परे बताया। बता दें कि, गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने मुंबई को 103 रनों के बड़े अंतर से हराकर अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया।

टॉस जीतकर लिया गलत फैसला

अश्विन ने कहा कि पांड्या का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला टीम पर भारी पड़ा। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ भी मुंबई इसी तरह हार चुकी थी। उस मैच में भी विरोधी टीम ने पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर खड़ा किया था। अश्विन के मुताबिक, वानखेड़े जैसी पिच पर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि पिच धीमी और चिपचिपी हो जाती है। ऐसे में चेन्नई जैसी टीम को पहले बल्लेबाजी का मौका देना बड़ी गलती साबित हुई।

मुंबई की खराब बल्लेबाजी

चेन्नई ने जहां 208 रन बनाए, वहीं मुंबई इंडियंस की टीम सिर्फ 104 रन पर ऑलआउट हो गई। अश्विन ने कहा कि गेंदबाजों ने इस बार बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बल्लेबाज पूरी तरह फ्लॉप रहे।

डेथ ओवर में गलत रणनीति

अश्विन ने पांड्या के उस फैसले की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने आखिरी ओवर युवा गेंदबाज कृष भाट को दे दिया। भाट ने उस ओवर में 16 रन खर्च कर दिए। अश्विन का मानना है कि ऐसे दबाव वाले समय में कप्तान को खुद जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी को खुद आखिरी ओवर करना चाहिए था।

कप्तानी का दबाव भी वजह?

अश्विन ने यह भी माना कि कप्तानी का दबाव पांड्या के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। खासतौर पर जब उन्होंने रोहित शर्मा जैसे दिग्गज की जगह ली है और उन्हें अपने ही फैंस की आलोचना झेलनी पड़ रही है।

'थोड़ा दूर का सोचना चाहिए', सलमान ने बताया कब रिलीज होगी अगली फिल्म? हफ्ते भर पहले ही शुरू की शूटिंग

अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने एक और फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। भाईजान की इस फिल्म के निर्देशन की कमान वामशी पेडिपल्ली ने संभाली है। बीते दिनों इसकी शूटिंग शुरू हुई है। सलमान खान के साथ नयनतारा इसमें लीड रोल में हैं। आज शुक्रवार को सलमान खान ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

ईद पर दस्तक देगी सलमान-नयनतारा की फिल्म

सलमान खान और नयनतारा की इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है और अस्थाई रूप से इसे SVC63 कहा जा रहा है। बीते दिनों पूजा सेरेमनी के बाद फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। आज शुक्रवार को सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर बड़े ही दिलचस्प अंदाज में फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म अगले साल ईद पर दस्तक देगी।

भाईजान बोले- 'मेरी बराबर इंतजार करना पड़ेगा'

सलमान खान ने कैप्शन लिखा है, 'थोड़ी दूर का सोचना चाहिए, इसलिए ईद पर इस फिल्म की रिलीज का एलान किया गया है। चिंता मत करो इस वाली का भी बताएंगे, जब समय सही होगा। धैर्य, थोड़ा सा सब्र। मेरे जितना ही इंतजार करना पड़ेगा। बहरहाल जो आपका हाल है वो मेरा भी हाल है। हाहा'। बता दें कि इस फिल्म को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं।

नेटिजंस बोले- 'धांसू कमबैक का इंतजार है'

सलमान खान ने फिल्म की रिलीड डेट पर जैसे ही अपडेट साझा किया, उनके फैंस उत्साहित हो गए हैं। वे अपने चहेते सितारे के धांसू कमबैक का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि यह फिल्म 'धुरंधर 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी।

बैटल ऑफ गलवां - फोटो : सोशल मीडिया

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। पहले इसका नाम 'बैटल ऑफ गलवां' था, लेकिन अब बदल गया है। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिलहाल फिल्म आगे टल गई है।

'माइकल' फिल्म की रिलीज पर उत्साहित अनुपम खेर, जैक्सन संग पुरानी तस्वीर की साझा; कहा- एक सपने जैसा था

अनुपम खेर सोशल मीडिया पर अपने करियर और जिंदगी से जुड़ी अनसुनी बातें और यादों को साझा करते हैं। शुक्रवार को उन्होंने अमेरिकी सॉन्ग राइडर और डांसर माइकल जैक्सन के साथ हुई वर्षों पुरानी मुलाकात को याद किया। आज माइकल जैक्सन पर बनी एक हॉलीवुड फिल्म 'माइकल' भी रिलीज हुई। इस मौके पर अनुपम खेर ने माइकल जैक्सन की शख्सियत के बारे में बात की, 30 साल पहले मुंबई में हुई खास मुलाकात के अनुभव को भी साझा किया है।

अनुपम खेर ने एक पोस्ट साझा की, इसमें वह माइकल जैक्सन से हाथ मिला रहे हैं। इस पोस्ट के साथ एक लंबा-चौड़ा कैप्शन भी अभिनेता ने लिखा। वह कहते हैं, 'डियर माइकल जैक्सन, यह तस्वीर सिर्फ एक याद नहीं है, एक कभी न भूलने वाली फीलिंग है। मुझे आज भी वह पल याद है, जब मैंने मुंबई में आपसे हाथ मिलाया था। उस एक पल के लिए, मेरे अंदर का फैन पूरी तरह से मुझ पर हावी हो गया था। यह एक सपने जैसा था, लगभग अविश्वसनीय, जैसे किसी जादू को छू लिया हो।'

माइकल जैक्सन को अभिनेता ने कहा आठवां अजूबा

आगे अपनी पोस्ट में अनुपम खेर ने माइकल जैक्सन के बारे में लिखा, 'आप सिर्फ एक कलाकार नहीं थे। आप एक एक्सपीरियंस थे। एक ऐसी हस्ती जिसे शायद दुनिया फिर कभी न देख पाए। सच में अगले हजार साल तक आपके जैसा कोई नहीं होगा। हम धन्य हैं कि आप इस धरती पर आए और अपनी कला, अपनी मासूमियत और अपनी प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन को छुआ। आप दुनिया का आठवां अजूबा थे और हमेशा रहेंगे।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं अनुपम खेर?

हाल ही में अनुपम खेर ने बताया कि वह अपने करियर की 550वीं फिल्म 'खोसला का घोंसला-2' कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ बोमन ईरानी भी नजर आएंगे। पिछले दिनों अनुपम खेर ने इस फिल्म की शूटिंग गुरुग्राम, दिल्ली में की थी। फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' में अनुपम खेर, बोमन ईरानी के अलावा किरण जुनेजा, रणवीर शौरी, परवीन डाबास और तारा शर्मा जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

'मैं उनके पैर पकड़ लूंगा', अन्नू कपूर ने किस एक्ट्रेस से मांगी माफी?

अपने इस बयान पर जमकर हुए थे ट्रोल

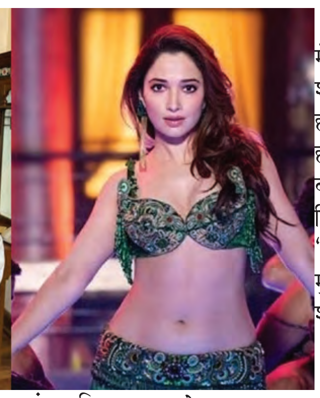

साल 2025 में अन्नू कपूर ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में एक एक्ट्रेस की बॉडी का जिक्र करते हुए विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था, 'माशा अल्लाह क्या दूधिया बदन है।' इस बयान के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया था। अब उन्होंने उन सभी ट्रोलिंग्स पर सफाई दी है।

ट्रोलिंग्स पर क्या बोले अन्नू कपूर

दरअसल, अन्नू कपूर ने पिछले साल तमन्ना भाटिया के गाने 'आज की रात...' पर बात करते हुए यह बयान दिया था। अब सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मामला इतना बड़ा इसलिए बन गया क्योंकि मैंने हिंदी भाषा का इस्तेमाल किया। कुछ लोगों ने मेरी बात पर मुझे ट्रोल किया और गालियां दीं, लेकिन कुछ लोगों ने ये भी कहा कि अंग्रेजी में 'मिल्की बॉडी' बोलना आम बात है। अगर वही बात अंग्रेजी में कहो तो कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन हिंदी में कहो तो परेशानी बन जाती है। अपनी भाषा में कही गई बात ज्यादा चुभती है, लेकिन अंग्रेजी में कहो तो किसी को फर्क नहीं पड़ता।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं 'मिल्की बॉडी' बोलता, तो शायद कोई विवाद नहीं होता। वो एक्ट्रेस की उम्र क्या होगी- 28 या 30 साल? मेरे बच्चों की उम्र भी इतनी ही है। सिर्फ इसलिए कि मैंने 'दूधिया बदन' कहा लोगों ने मुझे बूढ़ा कहकर ट्रोल करना शुरू कर दिया।'

अपनी बात पर दी सफाई

अपनी बात को और साफ करते हुए अन्नू कपूर ने कहा कि अगर वो किसी के फिजिकल अपीयरेंस को नोटिस करते हैं, तो वो उसे सराहना के तौर पर देखते हैं, न कि डिजायर के रूप में। उन्होंने समझाया कि किसी की खूबसूरती या बॉडी की तारीफ करना मतलब यह नहीं होता कि उसमें कोई गलत भावना हो।

इस बात को समझाने के लिए उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे हम किसी महंगी कार, जैसे रोल्स-रॉयस को देखकर उसकी तारीफ करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि हम उसे पाना ही चाहते हैं।

अगर उन्हें बुरा लगा तो उनके पैर पकड़ लूंगा

अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि उन्हें अपनी बात मानने में कोई झिझक नहीं है और अगर जरूरत पड़ी तो वह माफी मांगने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर वो (तमन्ना भाटिया) मुझसे पूछेंगी कि क्या मैंने ऐसा कहा था? तो मैं कहूंगा हां मैंने कहा था। अगर उन्हें बुरा लगा है, तो मैं उनके पैर पकड़ लूंगा। अगर 71 साल का आदमी उनके पैर छुएगा, तो वो क्या कहेंगी? कुछ नहीं, क्योंकि मेरा कोई गलत इरादा नहीं है।'

फिर साथ आ रही सिंगर मिथुन और मोहित सूरी की जोड़ी! अहान पांडे-अनीत पड्डा की फिल्म में देंगे म्यूजिक

बॉलीवुड की शानदार जोड़ी मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन, डायरेक्टर मोहित सूरी एक बार फिर साथ आने वाले हैं। मोहित सूरी अपनी ब्लॉकबस्टर सैयारा के बाद एक बार फिर अपनी अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म पर काम कर रहे हैं। जानिए फिल्म से जुड़ी पूरी जानकारी।

सैयारा जैसी लव स्टोरी देखने को मिलेगी

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अहान पांडे और अनीत पड्डा की अपकमिंग लव स्टोरी है, जिसमें इमोशन्स और म्यूजिक दोनों का खास तड़का होगा। 'सैयारा' की सफलता के बाद यह टीम फिर से साथ आई है। इस नई फिल्म को भी एक इमोशनल और म्यूजिकल लव स्टोरी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें गानों का काफी अहम रोल होगा।

हिट है मोहित और मिथुन की जोड़ी

खास बात यह है कि मिथुन पहले भी मोहित सूरी के साथ कई हिट गाने दे चुके हैं, और उनकी जोड़ी को म्यूजिक और रोमांस के लिए काफी पसंद किया जाता है। फिल्म को यश राज फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहा है, जो इस नई जोड़ी को बड़े स्तर पर पेश करने की तैयारी में है। सीधी बात करें तो, अगर आप दिल छू लेने वाली लव स्टोरी और शानदार म्यूजिक पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए खास होने वाली है।

क्यों शाहरुख खान से डरते थे देवेन भोजानी? सेट पर बनाए रखते थे दूरी, कहा- 'सुना था घमंडी हैं, रूड बात करते हैं'

एक्टर देवेन भोजानी ने हाल ही में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ काम करने का अपना पुराना अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्होंने शाहरुख के बारे में ऐसी अफवाहें सुनी थीं कि वो घमंडी हैं और सेट पर बहुत नखरे करते हैं। इसी वजह से वो उनसे मिलने से भी हिचक रहे थे।

क्यों डरते थे देवेन?

एक इंटरव्यू में देवेन ने कहा कि 'डंकी' से पहले उन्होंने 1994 की फिल्म 'जादू' में शाहरुख के साथ काम किया था, जो बाद में 2004 में 'ये लम्हे जुदाई के' नाम से रिलीज हुई थी। उन्होंने बताया, 'सालों पहले मैंने शाहरुख खान के साथ एक और फिल्म की थी। एक फिल्म में मैं शाहरुख का दोस्त बना था। मुझे नहीं पता वो फिल्म रिलीज हुई या नहीं, या फिर लेट हो गई।

उस समय मैंने सुना था कि शाहरुख बहुत घमंडी हैं, नखरे करते हैं और बहुत रूड तरीके से बात करते हैं। सेट पर मेरा पहला दिन था मैं नया था, इसलिए मैंने सभी से जाकर अपना बातचीत की, लेकिन मैं सोच रहा था कि शाहरुख से बात करूं या नहीं। मुझे डर था कि कहीं वो मेरी इंसल्ट न कर दें।'

ऐसे गलत साबित हुईं अफवाहें

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बाद मैं एक कोने में बैठकर अपने डायलॉग्स याद कर रहा था, तभी किसी ने पीछे से मुझे टैप किया। वो शाहरुख खान थे। उन्होंने खुद आकर मुझसे बात की, अपना इंट्रोडक्शन दिया और 'जो जीता वही सिकंदर' में मेरे काम की तारीफ की। उसी दिन उनके बारे में सुनी सारी अफवाहें गलत साबित हो गईं।'

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई, बोलीं- 'सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां'

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है। जानिए, जैकी भगनानी के बयान पर वह क्या बोली हैं?

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

आखिर जैकी भगनानी ने क्या बयान दिया था?

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। इसलिए मुझे अपने रिश्ते में घुटन महसूस नहीं होती है।'

रकुल प्रीत का करियर फ्रंट

रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी।

तमिलनाडु चुनाव में तृषा कृष्णन ने थलापति विजय को किया सपोर्ट!

सोशल मीडिया पोस्ट ने खोली पोल ?

बीते कुछ वक्त से अभिनेत्री तृषा कृष्णन अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नाम एक्टर और टीवीके चीफ विजय थलापति से जोड़ा जा रहा है। विजय का अपनी पत्नी संगीता के साथ रिश्ता टूटने की कगार पर है और तलाक का केस कोर्ट में चल रहा है। इस बीच विजय और तृषा के लिंकअप की खबरों ने जोर पकड़ा हुआ है। इस बीच तृषा कृष्णन के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने एक बार फिर सनसनी मचा दी है और विजय के साथ उनका नाम फिर जोड़कर देखा जा रहा है।

तृषा ने किसको किया सपोर्ट?

दरअसल, बीते दिन हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में तृषा कृष्णन भी वोट डालने पहुंचीं। कई और सितारों की तरह उन्होंने भी वोटिंग के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अन्य लोगों से भी मतदान की अपील की। तृषा ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो साझा की।

इसमें वे कार में बैठकर उंगली पर लगी स्याही को फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में तो ज्यादा कुछ नहीं लिखा, सिर्फ इविल आई इमोजी बनाया है, लेकिन इसके साथ लगे गाने ने लोगों का ध्यान खींच लिया है।

नेटिजंस बोले- 'म्यूजिक सब बता देता है'

तृषा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ जो गाना लगाया है, उसने नेटिजंस का ध्यान खींचा है। दरअसल, एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीर के साथ 'घिल्ली' फिल्म का गाना 'अर्जुनार विल्लू' लगाया है। यह गाना उसी फिल्म का है, जिसमें वे भी थलापति विजय के साथ नजर आ चुकी हैं। इस गाने के बाद नेटिजंस अंदाजा लगा रहे हैं कि तृषा ने अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड को ही विधानसंभा चुनाव में सपोर्ट किया है। नेटिजंस दिलचस्प कमेंट्स कर रहे हैं। लिख रहे हैं, 'म्यूजिक सब बता देता है'। इसी के साथ दोनों के रिलेशनशिप की अफवाहों को एक बार फिर हवा मिल गई है।

विजय की पार्टी ने सभी सीटों पर उतारे उम्मीदवार

अभिनय जगत से राजनीति में सक्रिय हो चुके सुपरस्टार थलापति विजय ने इस बार तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाई है। उनकी राजनीतिक पार्टी टीवीके ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। वहीं, खुद विजय ने पेरंबूर और त्रिची से चुनाव लड़ा है। मतदान का परिणाम 04 मई को आएगा। देखना होगा कि विजय की पार्टी के हिस्से कितनी सीट आती हैं।

साउथ के एक सिनेमाघर में चले लात-घूंसे, प्रभास से जुड़ा है मामला

प्रभास और काजल अग्रवाल स्टारर फिल्म 'डार्लिंग' सिनेमाघरों में री-रिलीज हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। आलम ये है कि री-रिलीज के दौरान हैदराबाद के एक सिनेमाघर में हंगामा मच गया। तेलुगु फिल्मों की रिलीज में आई सुस्ती के दौरान इस फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में दिखाया गया था। वायरल हो रहे वीडियो में नीली वर्दी पहने कुछ लोग एक आदमी को पीटते हुए दिख रहे हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे सिनेमाघर के कर्मचारी हैं। मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर वायरल है।

सिनेमाघर में हुई पिटाई

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक आदमी चारों ओर से घिरे होने, चिल्लाए जाने और पीटे जाने के बावजूद विरोध करने की कोशिश कर रहा है।

फुटेज में वर्दी पहने एक महिला उसे सिनेमाघर से बाहर जाने के लिए कहती हुई दिख रही है, जबकि एक अन्य कर्मचारी उसे लाठी से पीट रहा है। घटना के एक अन्य वीडियो में स्थिति और भी बिगड़ती हुई दिखाई देती है, जिसमें वही महिला चप्पल उतारकर उस आदमी को मारती है, जबकि अन्य लोग उसे लगातार घूंसे मारते रहते हैं।

झगड़े की वजह अब तक नहीं पता

हालांकि, झगड़े की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। कुछ यूजर्स का दावा है कि फिल्म के गाने दोबारा चलाने के लिए कहने पर उस व्यक्ति पर हमला किया गया, जबकि अन्य का आरोप है कि उसने एक महिला कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि वह नशे में हो सकता है। थिएटर ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

हालांकि, एक अन्य व्यक्ति ने एक अलग एंगल से वीडियो साझा किया है, जिसमें दावा किया गया है कि जिस व्यक्ति की पिटाई हो रही थी, वह उसका दोस्त था। वायरल हुए इस पोस्ट में दावा किया गया है कि महिला ने पहले बैग छीना था और जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो प्रबंधन आया, हंगामा हुआ और उन्होंने लोगों को लाठियों से पीटना शुरू कर दिया।

16 बाद भी बॉक्स ऑफिस पर कर रही अच्छी कमाई

'डार्लिंग' अपनी रिलीज के 16 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है। 4K वर्जन को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 2 लाख से अधिक टिकट बेचे और दुनिया भर में 7.59 करोड़ रुपये कमाए। ये दिखाता है कि 16 बाद भी फिल्म को लेकर दर्शकों में कितना क्रेज है।

यूपी में पारा 44 .4सी, हाथी बार-बार खुद नहा रहा

40 जिलों में लू की चेतावनी, कानपुर में चलती बाइक पर युवक की मौत

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में भीषण गर्मी और लू चल रही है। सुबह से तेज धूप निकली है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 40 जिलों में लू की चेतावनी जारी की है। सीजन में पहली बार 17 जिलों में वार्म नाइट का अलर्ट है। यानी रातें भी गर्मी होंगी।

मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल भीषण गर्मी पड़ेगी। दिन में पारा 45सी के पार पहुंचेगा। रात में वार्म नाइट अलर्ट है। ऐसे में पारा सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक होगा। 26 अप्रैल से 4 दिन आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश होगी।

इधर, गुरुवार को कानपुर में चलती बाइक पर बैठे 45 साल के सुनील कुमार की मौत हो गई। परिवार का कहना है कि तेज धूप की वजह से हीट स्ट्रोक हुआ और जान चली गई। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत की सही वजह साफ होगी। बढ़ती गर्मी को देखते हुए आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में दोपहर 12 से 4 बजे तक मजदूरों के काम करने पर रोक लगा दी गई है। गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथी बार-बार खुद ही सूंड से खुद पर पानी डाल रहा है। लखनऊ जू में जानवरों के लिए बर्फ की सिल्ली, कूलर और स्प्रिंकलर (फव्वारे) के इंतजाम किए गए हैं। कानपुर में बाघ को ओआरएस का घोल दिया जा रहा है। पिछले 24 घंटों की बात करें तो प्रदेश के 30 जिलों का पारा 40C या इससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। बांदा सबसे गर्म रहा। यहां पारा 44.4सी पहुंच गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- 26 अप्रैल से एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश भर में बादलों की सक्रियता बढ़ेगी।

छांगुर बाबा के खिलाफ 1400 पन्नों की चार्जशीट

100 करोड़ की विदेशी फंडिंग और संगठित धर्मांतरण के साक्ष्य, चलेगा मुकदमा

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ की स्पेशल एटीएस कोर्ट ने छांगुर बाबा की डिस्चार्ज अर्जी 19 अप्रैल को खारिज कर दी। इसके बाद छांगुर और उसके सहयोगियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई का रास्ता साफ हो गया। ईडी और एटीएस ने जो चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग, जमीन खरीद और संगठित तरीके से धर्मांतरण कराने के संगीन आरोप लगाए हैं।

ईडी ने करीब 1400 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। इसमें फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन और आरोपियों के बीच संबंधों का विस्तृत विवरण दिया गया है।

चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर धर्मांतरण गतिविधियों को अंजाम देना था। एजेंसियों का दावा है कि उनके पास पर्याप्त दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत मौजूद हैं, जो आरोपियों के खिलाफ केस को मजबूत बनाते हैं।

जांच एजेंसियों के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे बड़ा खुलासा विदेशी फंडिंग को लेकर हुआ है। ईडी की जांच में सामने आया है कि

वर्ष 2015 से 2024 के बीच 100 करोड़ रुपए से अधिक का लेन-देन हुआ। यह रकम सऊदी अरब और दुबई समेत खाड़ी देशों से भारत लाई गई। एजेंसियों ने मनी ट्रेल को खंगालते हुए पाया कि यह पैसा अलग-अलग खातों और माध्यमों से ट्रांसफर किया गया, ताकि इसकी असल पहचान छिपी रहे। ईडी ने अपनी जांच में एटीएस द्वारा जुटाए गए तथ्यों को भी आधार बनाया और दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय से पूरे नेटवर्क की परतें खोली गईं।

अधिकारियों का दावा है कि इस फंडिंग का उपयोग धर्मांतरण गतिविधियों को बढ़ावा देने, लोगों को प्रलोभन देने और नेटवर्क को मजबूत करने में किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि सह आरोपी बनाए गए नवीन और उसकी पत्नी नीतू ने इस फंड का इस्तेमाल कई जिलों में जमीन खरीदने के लिए किया। बलरामपुर के तरबगंज क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर खरीदी गई इन संपत्तियों का इस्तेमाल कथित तौर पर धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता था। इन जगहों पर लोगों को आर्थिक और सामाजिक प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता था। दस्तावेजों में यह भी सामने आया है कि कई संपत्तियां पत्नी के नाम पर खरीदी गईं, जबकि इस पूरी प्रक्रिया में छांगुर बाबा की भूमिका एक गवाह और कथित संरक्षक के रूप में बताई जा रही है।

कांग्रेस नेता के बेटे के सिर-सीने में मारी गोली, मौत

3 नकाबपोशों ने घर में घुसकर फायरिंग की, छोटे भाई को भी लगी बुलेट

जांजगीर-चांपा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में देर रात कांग्रेस नेता के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया है। मर्डर के बाद आरोपी मौके से भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। मामला बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव का है।

घटना सीमेंट-रेत व्यवसायी और पूर्व ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष सम्मेलाल कश्यप के घर की है। गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे बदमाश घर में घुसे और परिवार के सदस्यों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

हमले के दौरान उनके बड़े बेटे आयुष कश्यप (19) को सिर और सीने में गोलियां लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छोटा बेटा गंभीर घायल हुआ है। पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

बदमाशों ने वारदात से पहले पीड़ित भाइयों के माता-पिता को कमरे में बंद कर दिया था। वे घर से 50-60 रुपये कैश और एक आईफोन लूटकर मौके से फरार हो गए। घायल नाबालिग का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर शव

परिजनों को सौंप दिया है। मृतक आयुष कश्यप (19) बीएएलएलबी सेकंड ईयर का छात्र था, वहीं आशुतोष कश्यप (16) 10वीं का छात्र है। वह बिलासपुर में रहकर पढ़ाई करता है। उसकी एक बहन प्रेरणा कश्यप भी है जो कि जगदलपुर जिले के अंजर गांव पोस्ट ऑफिस में बीपीएम पद पर पोस्टेड है। मृतक युवक की बहन और प्रत्यक्षदर्शी प्रेरणा कश्यप के मुताबिक, तीन युवक आए और पहले उसके भाई आयुष को गोली मारी, फिर 16 साल के छोटे भाई को भी निशाना बनाया। तीनों बदमाशों ने चेहरे पर नकाब पहन रखा था। वारदात के बाद आरोपी 3 मोबाइल और कुछ कैश लेकर फरार हो गए। प्रेरणा ने बताया कि करीब एक हफ्ते पहले भी तीन युवक उसके भाई आयुष के बारे में पूछताछ करने आए थे।

आयुष के पिता सम्मेलाल कश्यप ने आरोप लगाया है कि रेत के कारोबार को लेकर उनके बेटे की हत्या की गई। उनका कहना है कि 19 साल का आयुष रेत का काम करता था और हाल ही में उसने हाइवा और जेसीबी खरीदे थे, जिसके बाद से वह इस काम में एक्टिव था। एएसपी उमेश कुमार कश्यप ने बताया कि बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। करही गांव में घटना के बाद प्रभारी एसपी निवेदिता पाल, एडिशनल एसपी उमेश कश्यप समेत साइबर और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

21 हजार नेग नहीं देने पर किन्नरों ने गोली मारी

दूल्हे के भाई पर फायरिंग की, घरवाले 2100 ही दे रहे थे

बदायूं, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बदायूं में मनमाना नेग नहीं मिलने पर किन्नरों ने बारात पर फायरिंग कर दी। गोली दूल्हे के भाई को लगी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद गुस्साए गांववालों ने किन्नरों को बंधक बना लिया। साथ ही पुलिस बुला ली।

पुलिस ने घायल दूल्हे के भाई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सीओ सिटी ने बताया कि किन्नरों की कार से 2 तमंचे, कैंची और लाठी-डंडे मिले हैं। 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक सपा किन्नर महासभा का जिलाध्यक्ष भी शामिल है। मामला कुंवरगांव थाना क्षेत्र का गुरुवार का है।

22 अप्रैल (बुधवार) की रात हुसैनपुर गांव में प्रेम शंकर की बेटी की बारात आई थी। मूसाझाग थाना क्षेत्र के कथरा गांव में रहने वाले नेमचंद्र अपने बेटे नरेंद्र की बारात लेकर पहुंचे थे। दोनों गांव के बीच की दूरी करीब 28 किमी है। बारात में 70 से 80 लोग आए थे।

धूमधाम से बारात का स्वागत हुआ और शादी की रस्में शुरू हुईं। जयमाल के बाद काफी लोग घर लौट गए। रात में शादी की बाकी रस्में हुईं। गुरुवार तड़के फेरे हुए। इसके बाद दुल्हन को विदा कराने की तैयारी चल रही थी। इसी बीच 6 किन्नर कार से वहां पहुंचे।

किन्नरों ने शादी की खुशी में दूल्हे के पिता नेमचंद्र से 21 हजार रुपए का नेग मांगा। इस पर नेमचंद्र ने 2100 रुपए देने की पेशकश की। किन्नर 21 हजार लेने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान वे लगातार अभद्रता और गाली-गलौज करते रहे। जबकि मौके पर महिलाएं, बाराती और गांववाले भी मौजूद थे। लोगों ने किन्नरों से खुशी के माहौल में गाला-गलौज नहीं करने की बात कही। दूल्हे के पिता ने कहा कि 2100 रुपए ले लीजिए और बच्चों को आशीर्वाद देकर जाइए। इस पर किन्नर भड़क गए और बद्दुआएं देने लगे। इसका वहां मौजूद लोगों ने विरोध किया। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। इसी बीच उनमें से एक किन्नर दौड़कर गया और अपनी कार से तमंचा निकाल लाया। वह लोगों को धमकाने लगा और फायरिंग कर दी। दूल्हे नरेंद्र का भाई गौरव पिता के बचाव में वहीं खड़ा था। गोली उसको लग गई। फायरिंग से बारात स्थल पर भगदड़ मच गई। किन्नरों के हंगामे की सूचना पर गांव के लोगों की भीड़ लग गई। भीड़ देखकर किन्नरों ने भागने की कोशिश की, लेकिन गांववालों ने उन्हें बंधक बना लिया। वहां से भागने नहीं दिया।

अपार्टमेंट में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

पूरे फ्लैट में फैला धुआं, लोग घबराकर बाहर निकले, कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

रायपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के दलदल सिवनी इलाके में एक अपार्टमेंट में शॉर्ट से आग लग गई। आग लगने से पूरे परिसर में धुआं फैल गया और लोग घबराकर बाहर निकलने लगे। इस दौरान लोगों को बाहर निकालते समय एक युवक घायल भी हो गया। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। यह मामला मोवा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब डेढ़ बजे मोवा थाना क्षेत्र के सुमित होलसेल के पास स्थित 6 मंजिला अपार्टमेंट के तीसरे फ्लोर में एसी फटने से आग लग गई। यह मकान के. अग्रवाल का है। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया।

700 गाड़ियां-3500 लोग, धूमधाम से निकाली दादी की शवयात्रा

भोजपुर में पोतों ने 10 लौंडा डांसर, 30 बैंड बुलाए, बोले-अब वो कुछ लेने नहीं आएंगी

आरा (भोजपुर), 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुर के शाहपुर प्रखंड में शुक्रवार को 95 साल की बुजुर्ग महिला के निधन के बाद धूमधाम से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। शवयात्रा में 700 से अधिक गाड़ियां और 3500 लोगों की भीड़ चल रही थी। 80 से ज्यादा ड्रोन कैमरों से हर एक मूवमेंट की शूटिंग की जा रही थी। शव यात्रा में 10 से अधिक लौंडा डांसर डांस कर रहे थे। 30 से अधिक अलग-अलग बैंड को बुलाया गया था।

बताया जा रहा है कि बुजुर्ग महिला लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थी। उनके निधन के बाद अंतिम यात्रा में शामिल उनके पोतों ने कहा कि वो हमारे घर की छत थीं। दादा हमें पहले ही छोड़कर जा चुके हैं। दादी बची थी, उनका प्यार हमारे लिए अनमोल था। हमने दादी खोई और पापा ने अपनी मां।

घर से लेकर श्मशान घाट तक करीब 4 किलोमीटर की दूरी के बीच 30 पिकअप वैन पर लाउडस्पीकर बांधे गए थे। इन लाउडस्पीकर पर 'हम आंखि देखनी, सुंदर शरीरिया अगिया में जरेला ये राम' और 'माटी के ई बनल शरीरिया, माटी में मिल जाई ' जैसे निर्गुण बज रहे थे। शवयात्रा की हर दृश्य को कैद करने के लिए बुजुर्ग महिला के पोते ने 80 से अधिक ड्रोन कर्मियों को वीडियो बनाने का ठेका दिया था। बुजुर्ग महिला कौशल्या देवी शाहपुर प्रखंड के दिलमनपुर गांव की रहने वाली थी, जो पिछले तीन साल से कैंसर से जूझ रही थीं। उनके पति डॉक्टर जनार्दन पांडे का करीब 7 साल पहले निधन हो चुका है। कौशल्या और जनार्दन पांडे के दो बेटे हैं, जिनमें बड़े बेटे वृंदानंद पांडे पेशे से वकील हैं, जबकि छोटे बेटे नारद पांडे घर पर ही रहते हैं।

कौशल्या और जर्नादन पांडे के कुल 6 पोते हैं, जिनमें वृंदानंद पांडे के बेटे अजय और अमर पांडेय धनबाद में कोयला कारोबारी हैं, जबकि नारद पांडे के चार बेटों में गणेश पांडेय कोयला व्यवसाय करते हैं, जबकि मंटू पांडेय का कोक इंडस्ट्री का कारोबार है।

वहीं रमेश पांडेय एक सैटेलाइट चैनल टीवी 45 के मालिक हैं। दिनेश पांडेय ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उनके पास 50 से 60 गाड़ियां है।

जनार्दन पांडे धनबाद में होमियोपैथिक डॉक्टर थे, जो डॉक्टरी के साथ-साथ सामाजिक कार्यों के लिए शाहपुर प्रखंड में जाने जाते थे। गरीबों की बेटियों की शादी करनी हो, गरीबों के बच्चों की पढ़ाई करानी हो, हर तरह से जनार्दन पांडे मदद करते थे। उनके तरह ही बेटे और पोते भी सामाजिक कार्यों में जुटे रहते हैं।

कौशल्या देवी की ख्वाहिश थी कि मैं जिस घर में 80 साल पहले दुल्हन बनकर आई थीं, उस घर से मेरी आखिरी विदाई धूमधाम से हो। दादी की इसी इच्छा को उनके दोनों बेटों और 6 पोतों ने पूरा किया है।

कौशल्या देवी के पोते रमेश पांडेय ने कहा कि हमने एक अनमोल खजाना खोया है, परिवार ने एक छत खो दी है। आज गम तो है, लेकिन हम चाहते हैं कि दादी को ऐसी विदाई दें, जिसे लोग याद रखें। आज के बाद दादी हमसे कुछ लेने नहीं आएगी।

दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में लूट

गोपालगंज, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। गोपालगंज में शुक्रवार की शाम 4 बजे दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने ज्वेलरी दुकान में घुसकर लूटपाट की है। बताया जा रहा है कि 2 बाइक से 5 बदमाश लाला छापर बाजार स्थित दीपक वर्मा की ज्वेलरी शॉप में पहुंचे। हथियार के बल पर लूटपाट की और भागते समय अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक व्यक्ति को गोली लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना भोरे थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान डबलू मिश्रा के रूप में हुई है, जो सीसई गांव के रहने वाला था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम 4 बजे 5 बदमाश दुकान के पास पहुंचे और दुकान में घुसकर लूटपाट की। लूटपाट के बाद बदमाश दुकान से निकले और भागने लगे। स्थानीय लोगों ने उनका पीछा किया।

घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और पुलिस नियंत्रण करने में विफल है। स्थानीय लोगों ने बदमाशों को पीछा किया और दो बदमाश को पकड़ लिया। दोनों बदमाशों को जमकर पिटाई की गई। लोगों ने दोनों बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया है। वहीं अन्य अपराधियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

आधुनिक तकनीक से स्टेट हैंगर का निर्माण

सीएम हेमंत ने निर्माण कार्य का लिया जायजा

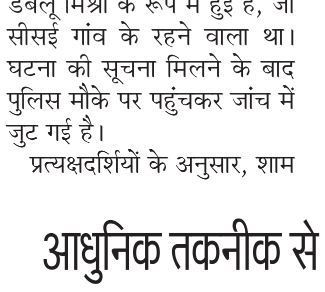

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डा परिसर में निर्माणाधीन स्टेट हैंगर तथा संबंधित आधारभूत ढांचे के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्धता की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों और समयसीमा का कड़ाई से पालन करते हुए पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य के सतत विकास के लिए आधुनिक और सुदृढ़ आधारभूत संरचनाओं का निर्माण अपरिहार्य है। ऐसी परियोजनाएं प्रशासनिक कार्यक्षमता को सशक्त बनाने के साथ-साथ राज्य की प्रगतिशील छवि को भी मजबूत करती हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्माण प्रक्रिया में नवीनतम तकनीकों, श्रेष्ठ संसाधनों और प्रभावी प्रबंधन का उपयोग सुनिश्चित करने तथा कार्यों की निरंतर निगरानी के आदेश दिए। उन्होंने किसी भी प्रकार की शिथिलता को अस्वीकार्य बताते हुए त्वरित क्रियान्वयन पर बल दिया।

निशांत की सत्ता में होगी एंट्री या फिर संगठन में मिलेगी भूमिका?

नीतीश के बेटे के लिए कौन महीना बनेगा डिसाइडर

पटना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में हॉट केक बने हुए हैं- नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार। निशांत को लेकर जेडीयू राजनीतिक पिच तैयार करने में जुटा हुआ है। उसके अलावा निशांत जब 3 मई को बिहार की यात्रा पर निकल रहे हैं, उनके संगठन में रोल और सत्ता में शामिल होने की चर्चाओं पर विराम अभी तक नहीं लगा है। सवाल उठ रहा है कि आगामी जून महीना उनके लिए डिसाइडर साबित होने वाला है। सियासी पंडितों की मानें, तो जून में ये क्लियर हो जाएगा कि निशांत सत्ता में हिस्सेदारी करेंगे या फिर संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ध्यान रहे कि निशांत कुमार ने अपनी यात्रा के लिए पश्चिम चंपारण को चुना है। निशांत ने उसी जिले और उसकी जगह का चयन किया है, जहां से पिता नीतीश कुमार अपनी यात्राएं करते रहे हैं। इसे एक संयोग नहीं प्रयोग के तौर पर जेडीयू देख रही है। निशांत कुमार अपने पिता की राजनीतिक विरासत और उनके

मॉडल को ही आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। सीधे जनता से जुड़ने का प्लान उन्हीं का है।

यात्रा के एक महीने गुजरते ही उनके लिए जून का महीना डिसाइडर होगा। इस महीने क्लियर हो जाएगा कि उनकी भूमिका कहां- कहां और किस जगह पर होने वाली है।

निशांत कुमार अपने पावर ग्राउंड को मजबूत करने के लिए निकल रहे हैं। उनके साथ कोई पार्टी के बड़े पदाधिकारी नहीं रहेंगे। वे जमीन पर एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में नीचे उतरेंगे। पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क स्थापित करना उनका लक्ष्य है।

निशांत कुमार इस दौरान जेडीयू के पंचायत, प्रखंड और अनुमंडल के साथ जिला स्तर के अधिकारियों से मिलेंगे और जमीनी हकीकत को समझेंगे। यात्रा तीन से चार महीने तक चलेगी। इस यात्रा से उन्हें संगठन का व्यापक अनुभव मिलेगा। जेडीयू नेता कहते हैं कि निशांत के लिए ये यात्रा काफी मायने रखती है। ये एक सामान्य यात्रा नहीं है। निशांत के राजनीतिक लॉन्च के लिए जमीन तैयार करने की कवायद है। पार्टी में तो वे आ गए हैं। अब उन्हें अपनी साख बनानी है।

पूर्व सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद अलग तरह की चर्चा थी। कहा ये जा रहा था कि निशांत को सरकार में कोई पद मिल सकता है।

सम्राट चौधरी की सरकार में निशांत को डिप्टी सीएम बनाने की बात हो रही थी। लेकिन वे किसी पद पर बैठने से पहले खुद को तैयार करना चाहते हैं। उन्होंने खुद इस यात्रा को जमीनी काम पर फोकस करने के लिए चुना है। जेडीयू के एक सूत्र ने बताया कि निशांत कुमार जून महीने में विधान परिषद के सदस्य बन सकते हैं। जून में बिहार में 9 विधान पार्षद की सीटों पर चुनाव है। जिसमें से तीन सीटें जेडीयू के खाते में आएंगी। एक सीट निशांत कुमार के लिए फिक्स होगा। उस हिसाब से जून का महीना निशांत के लिए डिसाइडर साबित होगा।

रांची में अब नहीं लगेगा जाम

सड़क चौड़ीकरण से लेकर अवैध पार्किंग पर रोक तक, पुलिस का मास्टर प्लान तैयार

रांची, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस की ओर से राजधानी रांची की सड़कों पर बढ़ते जाम के दबाव को कम करने और यातायात को सुगम बनाने के लिए नई रणनीति तैयार की गई है। रांची के एसएसपी (वरीय पुलिस अधीक्षक) के निर्देश पर ट्रैफिक एसपी की ओर से रेडियम चौक से लेकर किशोरी यादव चौक और न्यू मार्केट चौक तक सड़कों का निरीक्षण और समीक्षा किया गया। निरीक्षण के कम में नगर निगम, एनएचएआई और बिजली विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यतः जाम लगने का कारण और यातायात बाधित होने से संबंधित तथ्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। इससे संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। रेडियम चौक से न्यू मार्केट के बीच सड़क किनारे स्थित बिजली के पोल को सड़क के किनारे शिफ्ट किये जाने का निर्देश बिजली विभाग के पदाधिकारी को दिया गया है, ताकि सड़क की चौड़ीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरा किया जा सके।

न्यू मार्केट चौक के पास दोनों तरफ लेफ्ट टर्न को फ्री करने का प्रस्ताव है। इसके लिए नगर निगम की कुछ दुकानों को हटाने या तोड़ने की आवश्यकता होगी, ताकि वाहनों के आवागमन में पर्याप्त जगह मिल सके।

व्यापारी के घर डकैती, हथियारों से लैस बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर 30 लाख लूटे

मथुरा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा के टैंटी गांव में गुरुवार की देर रात हथियारों से लैस बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। 5 से अधिक नकाबपोश बदमाशों ने एक व्यापारी के घर में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया। करीब 30 लाख रुपये से अधिक के जेवरात व नकदी लूटकर फरार हो गए। जाते-जाते बदमाश साक्ष्य मिटाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी उखाड़ ले गए।

जानकारी के अनुसार, टैंटी गांव निवासी अजय अग्रवाल की हरिया रोड पर खल-चुनी की दुकान है। वह दुकान के ऊपर ही बने मकान में अपनी पत्नी और पिता के साथ रहते हैं।

गुरुवार रात करीब 1 बजे, जब पूरा परिवार सो रहा था, तभी बदमाश घर में दाखिल हुए। बदमाशों ने नीचे सो रहे अजय और उनकी पत्नी को गन पॉइंट पर ले लिया, जबकि एक गुट ने ऊपरी मंजिल पर सो रहे उनके पिता को काबू में कर बंधक बना लिया।

दहशतजदा व्यापारी ने जान बचाने के लिए बदमाशों को अलमारी और तिजोरी की चाबियां सौंप दीं। बदमाशों ने बड़े इत्मीनान से घर की तलाशी ली। पीड़ित के अनुसार, लुटेरे घर में रखे 3 लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी, कुंडल और अन्य कीमती आभूषण ले गए।

अनुमान के मुताबिक, लूटे गए माल की कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। वारदात की सूचना मिलते ही सुरीर पुलिस और जिले के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बदमाशों की तलाश के लिए इलाके में नाकाबंदी कर दी गई है। बदमाश इतने शातिर थे कि उन्होंने घर में लगे कैमरों और उनकी डीवीआर को भी नहीं छोड़ा, ताकि उनकी पहचान न हो सके। गांव के मुख्य मार्ग पर हुई इस वारदात के बाद से स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों में भारी डर का माहौल है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। बदमाशों की धर-पकड़ के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया गया है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

समस्तीपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। समस्तीपुर में नहाने के दौरान पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान वारिसनगर थाना क्षेत्र के मटुआ वार्ड-6 निवासी उमेश महतो के 22 साल के बेटे सुमंत कुमार के रूप में हुई है।

सुमंत कुमार दिल्ली में मजदूरी करता था और अपनी फुफेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 16 अप्रैल को अपने भाइयों के साथ गांव आया था। उसकी बहन की शादी 26 अप्रैल को होनी थी। मृतक के फूफा मनोज कुमार कुशवाहा ने यह जानकारी दी।

परिजनों ने बताया कि गर्मी के कारण चापाकल में पानी सूख गया था, जिसके चलते सुमंत चौर में बने एक पानी के गड्ढे में नहाने गया। गहरे पानी में जाने के कारण वह डूब गया। आसपास के लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और सुमंत को गड्ढे से बाहर निकाला।

उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सदर अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में तैनात डॉक्टर निशांत कुमार ने बताया कि सुमंत कुमार की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। परिजनों ने इस घटना की सूचना वारिसनगर थाने की पुलिस को दे दी है। वारिसनगर थाना प्रभारी सर्वेश कुमार झा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में एक युवक की मौत होने की सूचना उन्हें हासिल हुई है। पुलिस टीम को सदर अस्पताल भेजा जा रहा है।

धरी रह गई अमेरिका की दादागिरी

चीन ने निकाल लिया तोड़, सिंगापुर और मलेशिया की चांदी

नई दिल्ली,24 अप्रैल(एजेंसियां)। सेमीकंडक्टर यानी चिप को लेकर अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। अमेरिका ने इस पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं क्योंकि वह इसे चीन को इसकी तकनीक कतई नहीं देना चाहता है। लेकिन चीन ने इसका तोड़ निकाल लिया है।

उसने सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों से सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट्स का आयात बढ़ा दिया है। साथ ही वह नीदरलैंड्स और जापान से भी सेमीकंडक्टर टूल मंगा रहा है। अमेरिका और चीन के बीच चल रही तनातनी ग्लोबल सेमीकंडक्टर मार्केट को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। चीन ने पिछले साल सिंगापुर से रेकॉर्ड 5.7 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट मंगाए। यह 2024 की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। इसी तरह मलेशिया से भी आयात 100 फीसदी बढ़कर 3.4 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। हालांकि पिछले साल चीन ने सबसे ज्यादा चिप टूल नीदरलैंड और जापान से मंगाए। नीदरलैंड से 9.9 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर चिप मंगाए गए जबकि जापान से आयात 8.5 अरब डॉलर का रहा।

अमेरिका से आयात

इस दौरान चीन का अमेरिका से आयात 34 फीसदी गिरकर 2 अरब डॉलर रहा जो 2017 के बाद सबसे कम है। 2020 से 2025 के दौरान चीन ने जापान से कुल 42 अरब डॉलर के चिप टूल का आयात किया जबकि नीदरलैंड से आयात 35 अरब डॉलर का रहा। चीन ने साथ ही दक्षिण कोरिया और जर्मनी से भी आयात किया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद चीन तेजी से घरेलू उत्पादन बढ़ा रहा है। 2024 में घरेलू उत्पादन का हिस्सा 25 फीसदी था जो 2025 में यह बढ़कर 35 फीसदी पहुंच गया। दुनिया की टॉप 10 सेमीकंडक्टर कंपनियों में तीन चीन की हैं।

चिप का खेल

अमेरिका ने चीन को सेमीकंडक्टर की सप्लाई पर लगाई है पाबंदियां अमेरिका से चीन को होने वाला एक्सपोर्ट पिछले साल 34 फीसदी गिरा इस दौरान चीन ने मलेशिया और सिंगापुर से चिप टूल्स का आयात बढ़ाया जापानी और नीदरलैंड्स अब भी चीन के सबसे बड़े सप्लायर बने हुए हैं

10 सबसे बड़ी कंपनियां

इस लिस्ट में ताइवान की टीएसएमसी 70 फीसदी मार्केट शेयर के साथ पहले नंबर पर है। दक्षिण कोरिया की सैमसंग 7 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे नंबर पर है। चीन की कंपनी एसएमआईसी 5% हिस्सेदारी के साथ तीसरे नंबर पर है। इसके बाद ताइवान की यूएमसी और अमेरिका की ग्लोबल फाउंड्रीज की 4-4% हिस्सेदारी है। चीन के हुआहॉन्ग ग्रुप की हिस्सेदारी 3 फीसदी और इजरायल की टावर, ताइवान की वीआईएस, चीन की नेक्सचिप और ताइवान की पीएसएमसी की 1-1% हिस्सेदारी है।

मिडिल ईस्ट क्राइसिस से हर रोज बर्बाद हो रहा 13 मिलियन बैरल तेल, भारत पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर अब पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई पर साफ दिखने लगा है. इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट के कारण वैश्विक बाजार से रोजाना 1.3 करोड़ (13 मिलियन) बैरल कच्चे तेल की सप्लाई बाहर हो गई है. यह इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सप्लाई झटका माना जा रहा है.

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस संकट की मुख्य वजह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल जहाजों की आवाजाही में आई भारी रुकावट है. यह दुनिया के सबसे अहम जल मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचती है. यहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर ग्लोबल सप्लाई चेन पर पड़ता है. आईईए के मुताबिक, मार्च महीने में वैश्विक तेल उत्पादन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. कुल सप्लाई 10.1 मिलियन बैरल प्रति दिन घटकर 97 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गई. इस गिरावट की वजह मिडिल ईस्ट में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले और होर्मुज से टैंकर मूवमेंट पर लगी पाबंदियां हैं.

इतना घट गया उत्पादन

रिपोर्ट के अनुसार, ओपीईसी प्लस देशों का उत्पादन महीने-दर-महीने 9.4 मिलियन बैरल घटकर 42.4 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया. वहीं, गैर-ओपीईसी देशों की सप्लाई भी 7.7 लाख बैरल प्रति दिन कम होकर 54.7 मिलियन बैरल रह गई. इससे साफ है कि संकट का असर लगभग हर बड़े तेल उत्पादक देश पर पड़ा है. मार्च महीने में कुल मिलाकर 360 मिलियन बैरल से ज्यादा तेल की सप्लाई कम हुई और अप्रैल में यह आंकड़ा 440 मिलियन बैरल तक पहुंचने का अनुमान है. यानी आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है.

इस संकट का असर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि तेल के भंडार पर भी पड़ा है. वैश्विक स्तर पर मार्च में 85 मिलियन बैरल तेल स्टॉक घटा, लेकिन यह गिरावट खासतौर पर खाड़ी क्षेत्र के बाहर ज्यादा देखने को मिली. खाड़ी के बाहर तेल भंडार 205 मिलियन बैरल तक घट गए, जो कि रोजाना 6.6 मिलियन बैरल की कमी के बराबर है.

भारत के लिए यह स्थिति बेहद अहम है, क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है. कच्चा तेल, एलएनजी, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल्स जैसी जरूरी चीजें ज्यादातर होर्मुज के रास्ते ही आती हैं. अगर यह रास्ता लंबे समय तक रुका रहता है, तो भारत में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं. इसके अलावा, शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और डिलीवरी का समय भी बढ़ जाएगा. इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा. यह संकट केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी इसका बड़ा असर पड़ रहा है.

क्यों बंगाल के लिए जरूरी है 'माछ-भात'?

राज्य की जीडीपी में देता है इतना योगदान

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल इन दिनों पूरे देश में छाया हुआ है. इसका प्रमुख कारण वहां हो रहे विधानसभा के चुनाव हैं. बंगाल में पहले चरण का मतदान हो गया है. सभी राजनीतिक पार्टियां जो भी वहां पर चुनाव लड़ रही हैं सभी के सभी जोरदार प्रचार में जुटी हुई हैं. बंगाल की चर्चा चुनाव के इतर जब भी होती है तब वहां की सभ्यता और खाने की बात जरूर होती है. खाने में मछली-भात वहां का प्रमुख व्यंजन है, जो कि बंगाल की एक तरीके से पहचान भी है, लेकिन क्या आपको पता है कि माछ-भात बंगाल की जीडीपी में कितना योगदान देता है. आइए आपको इसके बारे में डिटेल से बताते हैं.

ऑल इंडिया फिश स्टैटिस्टिक्स और आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2011-12 में इसका राज्य की जीएसडीपी में 3.3% योगदान था. हालांकि, 2022-23 में इसमें गिरावट आई और यह घटकर 2.1% रह गया. लेकिन गिरावट के बावजूद भी ये काफी राज्यों से बेहतर है. इन आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 2019-20 में राज्य की लगभग 3.25% आबादी मछली पकड़ने यानी फिशिंग के बिजनेस से जुड़ी थी, जो भारत में सबसे ज्यादा हिस्सों में से एक है. 2020-21 में समुद्री प्रोडक्ट्स का पश्चिम बंगाल के कुल एक्सपोर्ट में 5.46% हिस्सा था.

बंगाल के लोग मछली खाने के मामले में भी आगे हैं. डेटा बताता है कि साल 2022-23 में पश्चिम बंगाल में प्रति व्यक्ति मछली की खपत भारत में आठवें स्थान पर रही. इससे यह भी साफ है कि आगे ग्रोथ की काफी गुंजाइश है. ईटी की रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स ने कहा कि अगर प्रोसेसिंग बेहतर की जाए, तो समुद्री प्रोडक्ट्स, खासकर झींगा के एक्सपोर्ट में अच्छी बढ़त हो सकती है.

बंगाल की मछली और मीट इकोनॉमी कई लेवल पर फैली हुई है मछली पालन, होलसेल व्यापार, कोल्ड स्टोरेज, रिटेल बिक्री, डिलीवरी, क्लाउड किचन, क्यूएसआर फॉर्मेट, पुराने रेस्टोरेंट, पैकेज्ड फूड और एक्सपोर्ट इसमें शामिल हैं.

मांस का इकोनॉमी कनेक्शन

पश्चिम बंगाल में मांस उत्पादन भी एक बड़ा बिजनेस है. भारत सरकार के 'बेसिक एनिमल हसबैंड्री स्टैटिस्टिक्स 2025' के अनुसार, पश्चिम बंगाल देश के कुल मांस उत्पादन का लगभग 12.46% हिस्सा पैदा करता है, जिससे यह सबसे बड़ा प्रोड्यूसर राज्य बन गया है. यह मांस-आधारित प्रोडक्ट्स की मजबूत डिमांड और बड़े मार्केट को दिखाता है. उत्तर प्रदेश 12.2% के साथ दूसरे और महाराष्ट्र 11.57% के साथ तीसरे नंबर पर है. राज्य मत्स्य अधिकारियों के संघ के अनुसार, पश्चिम बंगाल 2025-26 में लगभग 2 मिलियन टन सालाना उत्पादन के साथ दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक बना हुआ है. यह राज्य इनलैंड मछली उत्पादन में सबसे आगे है और मछली के बीज का टॉप सप्लायर भी है, जिसका देश के कुल उत्पादन में 16% से ज्यादा योगदान है. यह सेक्टर करीब 3.2 मिलियन लोगों की रोजी-रोटी का आधार है और इसकी अनुमानित क्षमता लगभग 3.4 मिलियन टन है, यानी आगे और ग्रोथ की संभावना है.

गौतम अडानी की लंबी छलांग

पहली बार बिल गेट्स से निकले आगे, कहां पहुंच गई नेटवर्थ?

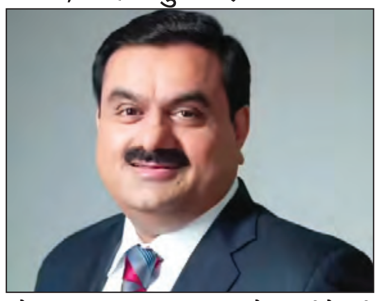

नई दिल्ली,24 अप्रैल(एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में गुरुवार को भारी तेजी आई। शेयर मार्केट में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में 7.16 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए हैं।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर पहुंच गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वह माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स के भी आगे निकल गए हैं। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 21.4 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि गेट्स की नेटवर्थ में 12.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। गेट्स 104 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 1.11 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 90.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 17.5 अरब डॉलर गिरी है।

अडानी की लंबी छलांग

अडानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 7 अरब डॉलर से ज्यादा तेजी आई अडानी लंबे समय बाद फिर से 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हुए वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं इस साल अडानी की नेटवर्थ में 21.4 अरब डॉलर की तेजी आई है

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 645 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 9.89 अरब डॉलर की गिरावट आई। लैरी पेज 289 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ गुरुवार को 9.49 अरब डॉलर की कमी आई। इस लिस्ट में जेफ बेजोस ($274 अरब) तीसरे, सर्गेई ब्रिन ($269 अरब) चौथे, मार्क जकरबर्ग ($233 अरब) पांचवें, लैरी एलिसन ($227 अरब) छठे, माइकल डेल ($179 अरब) सातवें, जेंसन हुआंग ($165 अरब) आठवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट ($160 अरब) नौवें और जिम वॉल्टन ($157 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए केंद्र और राज्य सरकार के दफ्तरों से अप्रूवल भी मिलेगा बुलेट स्पीड में!

नई दिल्ली,24 अप्रैल(एजेंसियां)। देश में बुलेट ट्रेन लगभग हर राज्य में चले, इसके लिए केंद्र सरकार की बड़ी तैयारी है। इसके साथ ही बुलेट ट्रेन की परियोजनाएं तेज गति से धरातल पर उतरे, इसके लिए भी रेल मंत्रालय में मिशन मोड में काम कर रहा है। अब रेलवे बोर्ड ऐसे प्रयास कर रहा है कि इस परियोजना के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों/एजेंसियों के साथ नगर निगम और नगपालिका जैसे स्थानीय निकायों से भी एक साथ क्लियरेंस मिल जाए।

आपको मालूम ही होगा कि अहमदाबाद से मुंबई तक बुलेट ट्रेन की परियोजना लगभग पूरी होने वाली है। इसके बाद बुलेट ट्रेन के सात नए कोरिडोर की इसी साल के बजट में घोषणा हुई है। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रेलवे मिशन मोड पर भविष्य के बुलेट ट्रेन कॉरिडोर लागू करेगा। इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो सके, इसके लिए केंद्रीय, राज्य और स्थानीय निकायों से एक साथ क्लियरेंस या बंडल क्लियरेंस हासिल करने की कोशिश चल रही है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इससे जमीन अधिग्रहण और राइट ऑफ वे क्लियरेंस तेज़ होंगे। इसके साथ ही भविष्य के बुलेट ट्रेन नेटवर्क में डिज़ाइन का मानकीकरण महत्वपूर्ण रोलिंग स्टॉक और सिग्नलिंग उपकरण के लिए निर्माण आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाएगा। सिविल वर्क में प्री-कास्ट सिस्टम को अपनाने से भी काम तेजी से होगा। उन्होंने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने ईटी को बताया बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को सरकार के विभिन्न स्तरों पर अनुमोदन प्राप्त करने को शीर्ष प्राथमिकता दी जाएगी।

देश में बुलेट ट्रेन का जो पहला कॉरिडोर अमहमदाबाद से मुंबई के बीच बनाया जा रहा है, उसके भूमि अधिग्रहण में शुरू में काफी देरी हुई। इसलिए उस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने में भी देर हुई। तभी पूर्व निर्धारित समय सीमा के तहत इसे चालू नहीं किया जा सका। साथ ही इसका प्रोजेक्ट कॉस्ट भी 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया जबकि इसकी शुरुआती लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये ही आंकी गई थी। अब योजना है कि अधिकारियों की एक समर्पित टीम स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में काम करेगी ताकि बुलेट ट्रेन परियोजनाओं के लिए तेजी से जमीन अधिग्रहित की जा सके।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सर्राफा बाजार बेहाल

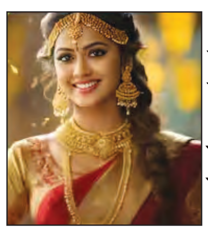

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिकवाली के दबाव के चलते दोनों कीमती धातुओं के दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गए। सोने की कीमतें 462 रुपये गिरकर 1.51 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, जून डिलीवरी के लिए पीले धातु की कीमत 462 रुपये या 0.3 प्रतिशत गिरकर 1,51,299 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 8,310 लॉट का कारोबार हुआ। वहीं चांदी की कीमतों में भी कमजोरी देखी गई। 5 मई 2026 डिलीवरी वाला सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट पिछले बंद 2,41,513 रुपये के मुकाबले 2,39,200 रुपये पर खुला। सुबह के कारोबार में यह 842 रुपये यानी 0.35 प्रतिशत टूटकर 2,40,671 रुपये पर पहुंच गया। सत्र में चांदी ने 2,39,200 रुपये का न्यूनतम और 2,41,382 रुपये का उच्चतम स्तर दर्ज किया।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने-चांदी का भाव

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, न्यूयॉर्क में कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स के जून अनुबंध में 33.54 अमेरिकी डॉलर या लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4,690.46 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी 0.92 प्रतिशत कमजोर होकर 74.81 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। मोतीलाल ओसवाल वित्तीय सेवाएं के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में तनाव को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना है।

59,000 करोड़ का झटका, 3 दिन में 15% गिर चुका है एचसीएल टेक का शेयर, आगे कैसी रहेगी चाल?

नई दिल्ली,24 अप्रैल(एजेंसियां)। देश की तीसरी बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज इसमें कारोबार के दौरान करीब 4.5 फीसदी गिरावट आई और यह 52 हफ्ते के निचले स्तर 1,218.90 रुपये पर आ गया। पिछले तीन दिन में यह 15 फीसदी गिर चुका है। इस दौरान कंपनी के मार्केट कैप में करीब 59,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। एचसीएल टेक ने मंगलवार को अपना चौथी तिमाही का रिजल्ट जारी किया था। उसके बाद से कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट आई है। कई ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर का टारगेट प्राइस घटाया है। एचसीएल का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 1277.20 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1267.95 रुपये पर खुला। कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 2027 में रेवेन्यू में 1 से 4 फीसदी ग्रोथ का अनुमान जताया है। साथ ही कंपनी फाइनेंशियल ईयर 2026 के ग्रोथ अनुमान से पीछे रह गई। जेफरीज ने कंपनी के शेयर की रेटिंग डाउनग्रेड करके अंडरपरफॉर्म कर दी और टारगेट प्राइस 1,165 रुपये कर दिया। उसका कहना है कि इस साल कंपनी का रेवेन्यू ग्रोथ 2.4 फीसदी रहने का अनुमान है जो 2023 के बाद सबसे कम है। इस बीच जेपी मोर्गन ने एचसीएल के शेयर पर न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखी है लेकिन टारगेट प्राइस 1,419 रुपये से घटाकर 1,370 रुपये कर दिया है। एचएसबीसी ने भी होल्ड रेटिंग बनाए रखी है लेकिन टारगेट प्राइस 1,560 रुपये से घटाकर 1,480 रुपये कर दिया है। सिटी ने भी न्यूट्रल रेटिंग बनाए रखी है लेकिन टारगेट प्राइस घटाकर 1,385 रुपये कर दिया। इसके उलट सीएलएसए ने भी आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखते हुए 1,519 रुपये टारगेट प्राइस रखा है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 983 अंक टूटा, निफ्टी 23900 के नीचे

मुंबई,24 अप्रैल(एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 982.71 अंक या 1.27% गिरकर 76,681.29 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 275.10 अंक या 1.14% गिरकर 23,897.95 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक शेयर बाजार ज्यादातर नीचे रहे जबकि तेल की कीमतें बढ़ीं क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत ठप रही। वॉल स्ट्रीट के सर्वकालिक उच्च स्तर से नीचे आने के बाद अमेरिकी वायदा बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एसएंडपी 500 का वायदा 0.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज का वायदा 0.2 प्रतिशत गिर गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में, जर्मनी का डीएएक्स 0.2 प्रतिशत गिरकर 24,106.17 पर आ गया, और पेरिस का सीएसी 40 1 प्रतिशत गिरकर 8,147.70 पर आ गया। ब्रिटेन का एफटीएसई100 0.6 प्रतिशत गिरकर 10,397.64 पर आ गया। एशियाई बाजार में ट्रेडिंग के दौरान, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक तकनीकी शेयरों की भारी खरीदारी के चलते 1 प्रतिशत बढ़कर 59,716.18 पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने इंट्राडे में 60,000 से ऊपर का रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ था। हांगकांग का हैंग सेंग शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 0.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,978.07 पर बंद हुआ, जबकि शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.1 प्रतिशत गिरकर 4,079.90 पर आ गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक लगभग अपरिवर्तित रहते हुए 6,475.63 पर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलिया में, एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 8,786.50 पर पहुंच गया। ताइवान का ताइएक्स सूचकांक 3.2 प्रतिशत उछल गया क्योंकि कंप्यूटर चिप निर्माता टीएसएमसी, जो सूचकांक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के एक और दौर पर प्रगति सीमित रही, भले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा रहा है, जबकि यह मूल रूप से समाप्त होने वाला था। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण मार्ग है और जहां युद्ध से पहले दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और प्राकृतिक गैस गुजरता था, अभी भी काफी हद तक बंद है, और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी समुद्री नाकाबंदी अभी भी लागू है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	मेष	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मीन	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

मेष......	05-21 बजे
वृष.....	07-06 बजे
मिथुन..	09-07 बजे
कर्क...	11-19 बजे
सिंह----	13-31 बजे
कन्या---	15-38 बजे
तुला----	17-43 बजे
वृश्चिक..	19-53 बजे
धनु......	22-07 बजे
मकर....	00-13 बजे
कुंभ...	02-04 बजे
मीन.....	03-42 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-58
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -30
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष शनिवार 25 April 2026
तिथि - नवमी 18-28 रात्री तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - आश्लेषा 20-04 रात्री तक उप मघा
योग - गण्ड 23-43 रात्री तक उप वृद्धि
करण - बालव 06-51 तक उप कौलव

विशेष: श्री जानकी नवमी
गण्ड मूल नक्षत्र अहोरात्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-05 से 10-39 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
काल 05-58 - 07-30 अशुभ	लाभ 18-30 - 19-59 शुभ
शुभ 07-30 - 09-05 शुभ	उत्पात19-59 - 21-24 अशुभ
रोग।। 09-05 - 10-39 अशुभ	शुभ 21-24 - 22-49 शुभ
उत्पात10-39 - 12-14 अशुभ	अमृत 22-49_ - 00-14 शुभ
चंचल 12-14 - 13-49 शुभ	चंचल 00-14 - 01-39 शुभ
लाभ 13-49 - 15-24 शुभ	रोग 01-39 - 03-04 अशुभ
अमृत 15-24 - 16-59 शुभ	काल 03-04 - 04-29 अशुभ
काल 16-59 - 18-30 अशुभ	लाभ 04-29 - 05-58 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ने के लिए साहसी कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। ऊर्जा का संचार आपको सक्रिय बनाए रखता है, हालाँकि बिना सोचे-समझे कार्य करने से बचना ज़रूरी है। आपका अंतर्ज्ञान प्रबल है, जिससे आप कार्य करने या अनुकूलन करने के लिए सही समय का आभास कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप ज़मीनी और तार्किक सोच के ज़रिए सफलता पाएँगे। रचनात्मकता आपको निखारने में मदद करती है, लेकिन ज़रूरत से ज़्यादा आलोचनात्मक होने से बचें। अगर सावधानी से काम लिया जाए, तो तेज़ सोच सफलता दिला सकती है। यह दिन बिना ज़्यादा प्रतिक्रिया दिए अच्छे अवसरों पर अमल करने का है। ध्यान और अनुशासन, काम या सीखने में प्रयासों को सार्थक प्रगति में बदल देंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका नेतृत्व चमकता है, और आपकी जिज्ञासा आपको काम या पढ़ाई में नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। तार्किक सोच आपको स्थिर ध्यान के साथ योजनाओं को परिणामों में बदलने में मदद करती है। आपको अहंकार के बिना नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, आंतरिक अनुशासन को अपनी प्रगति का मार्गदर्शन करने दें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप सार्थक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित और तैयार महसूस करेंगे। आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपके काम को निर्देशित कर सकती है, लेकिन संवेदनशीलता दूसरों के साथ ग़लतफ़हमी पैदा कर सकती है। तनाव से सावधान रहें और संचार को शांत रखें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप काम पर एक मजबूत छाप छोड़ते हैं और आसानी से सूक्ष्म संकेतों को समझ लेते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी कलात्मक समझ का लाभ मिलता है, और आप दूसरों, खासकर महिलाओं के साथ अच्छी तरह से जुड़ते हैं। तीव्र भावनाएँ आपको विचलित कर सकती हैं, इसलिए अतिशयोक्ति से बचें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका करियर सार्थक बदलावों से गुजर सकता है, जो दयालुता के कार्यों और प्रेरक महिलाओं के मार्गदर्शन द्वारा समर्थित है। एक पोषण करने वाला माहौल आपको आत्मविश्वास और रचनात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ-साथ जमीन पर टिके रहने में मदद करता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी स्पष्ट सोच काम और पढ़ाई में लगातार प्रगति का समर्थन करती है। रचनात्मकता चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। दूसरों की गलतियों पर बहुत ज़्यादा ध्यान देने से बचें और नए अवसरों के लिए खुले रहें। संघर्ष को रोकने के लिए सोच-समझकर बोलें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता नए द्वार खोलती है, जिससे आप पेशेवर और शैक्षणिक दोनों ही क्षेत्रों में चमक सकते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको कार्यों को आसानी से पूरा करने में मदद मिलती है। सामंजस्य की स्वाभाविक भावना आपके वातावरण को बेहतर बनाती है, जिससे काम और भी संतुष्टिदायक लगता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप आत्मविश्वासी और सक्षम महसूस करेंगे, खास तौर पर शैक्षणिक या कार्य सेटिंग में। अपनी ऊर्जा को व्यावहारिक कार्यों में लगाएं और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। मानसिक स्पष्टता आपको जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है। इस उत्पादक और प्रेरित ऊर्जा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए शारीरिक गतिविधि को ध्यान के साथ संतुलित करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बहुत मजबूत है, जो आपको काम या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। आपको अचानक जल्दी से काम करने की इच्छा हो सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करें। आपकी कल्पना और सहज ज्ञान आपका अच्छा मार्गदर्शन करते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

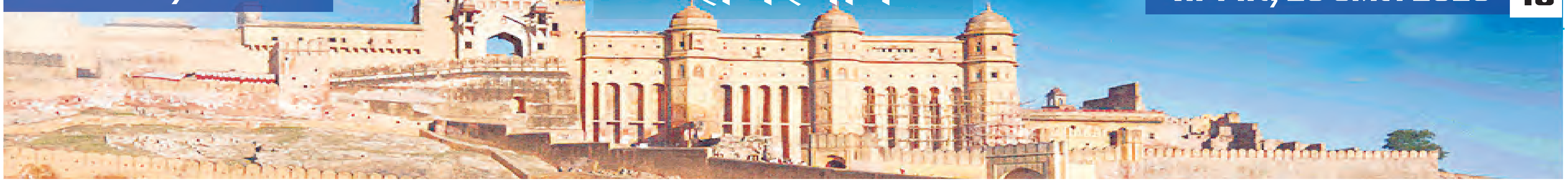

भीषण गर्मी के बीच बारिश का अलर्ट आग उगल रही मरुधरा की माटी

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।अप्रैल का महीना अभी खत्म भी नहीं हुआ है और उत्तर भारत ने 'मई-जून' जैसी तपिश महसूस करना शुरू कर दिया है। मरुधरा की माटी इस वक्त आग उगल रही है। राजस्थान का श्रीगंगानगर 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ पूरे भारत का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया।

यह तापमान सामान्य से करीब 5 डिग्री अधिक है, जिसने नेशनल वेदर चार्ट पर राजस्थान को 'रेड जोन' में ला खड़ा किया है। इसी बीच मौसम विभाग की ओर से प्रदेश के लिए राहत की खबर भी सामने आई है। जयपुर मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में गर्मी ने पिछले कई सालों के रिकॉर्ड को चुनौती दी है। श्रीगंगानगर में पारा 45 डिग्री के बेहद करीब पहुंच गया है, जिससे वहां 'सीवियर हीटवेव' जैसे हालात हैं।

दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है, जो आमतौर पर जून के महीने में देखने को मिलता है। राहत की बात यह है कि उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक के अनुसार, कल यानी 25 अप्रैल से मौसम का मिजाज बदलेगा। शनिवार की शाम से कुछ जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और हल्की ठंडी हवाओं का चलाना शुरू हो जाएगा। 26 से 28 अप्रैलः बीकानेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ बेल्ट में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल सकती है।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट से कृषि निवेश को मिलेगा नया विस्तारः सीएम भजनलाल

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम-2026) को लेकर नई दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर मीट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे कृषि क्षेत्र में निवेश और नवाचार का बड़ा मंच बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' विजन को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने निवेशकों, उद्यमियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण देते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से किसान, नीति निर्माता और वैज्ञानिक एक साथ आएंगे। इससे आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रसार होगा और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य में गिरदावर सर्किल से लेकर जिला स्तर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे अधिकतम किसानों को लाभ मिल

सके। भजनलाल शर्मा ने राजस्थान को कृषि उत्पादन में अग्रणी राज्य बताते हुए कहा कि बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में राज्य देश में शीर्ष स्थान पर है। इस विविधता के चलते फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट के क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में लगभग 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोसेसिंग यूनिट, वेयरहाउस, डेयरी, मछली पालन और पशुपालन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम हुआ है और दो वर्षों में 65 हजार से अधिक सौर पंप स्थापित किए गए हैं, जिससे किसानों की लागत कम हुई है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कृषि को लाभदायक बनाना देश के विकास के लिए जरूरी है और राजस्थान इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि ग्राम-2026 के तहत देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें महिला उद्यमिता, स्टार्टअप और नई तकनीकों पर विशेष चर्चा होगी।

'अलवर कलेक्टर पद के लायक नहीं अर्तिका शुक्ला'

जिला परिषद में ऐसा क्या हुआ कि भड़क गए बलवीर छिल्लर

अलवर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।अलवर जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक में 23 अप्रैल 2026 को जमकर हंगामा हो गया। यहां बैठक तीखी बहस और हंगामे की भेंट चढ़ गई। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर ने जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए तीखी टिप्पणी कर डाली।

इस दौरान उन्होंने कहा कि कि 'आर्तिका शुक्ला कलक्टर बनने के योग्य नहीं हैं। उनके खिलाफ सरकार को पत्र लिखा जाएगा। आखिर वे कब तक छुपकर काम करेंगी'? इस दौरान बैठक में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति ने सदन के माहौल को गरमाया रहा ।

कलेक्टर और अधिकारियों के खिलाफ अविश्वास की तैयारी

जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर कलेक्टर आर्तिका शुक्ला पर बेहद आक्रामक नजर आए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, 'कलेक्टर आज तक एक भी मीटिंग में नहीं आईं और न ही अपना प्रतिनिधि भेजा। वे कब तक छुपकर काम करेंगी? वे प्रशासनिक ढांचे को बिगाड़ रही हैं। छिल्लर ने ऐलान किया कि कलेक्टर के खिलाफ सरकार को पत्र लिखा जाएगा और सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा कि वे पद के योग्य नहीं हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या जिला प्रमुख की कुर्सी पर उनके बैठने की वजह से कलेक्टर दूरी बना रही हैं?

किस वजह से उपजा विवाद

हंगामा तब और बढ़ गया जब कांग्रेस पार्षदों ने सवाल उठाया कि अलवर, खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ के अंतर्गत 3 सांसद, 11 विधायक और कई उच्च अधिकारी आते हैं, लेकिन वे बैठक से नदारद हैं।

विशेषकर अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अनुपस्थिति पर निशाना साधा गया। विपक्ष ने कहा कि जब सांसद और कलेक्टर ही नहीं आएंगे, तो जिले का विकास कैसे होगा? इस दौरान भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

गैस सिलेंडर लेकर पहुंचे पार्षद, गिनाई जनसमस्याएं

बैठक की शुरुआत ही अनोखे विरोध के साथ हुई। जिला पार्षद जगदीश जाटव हाथ में रसोई गैस सिलेंडर लेकर सदन में पहुंच गए और किल्लत का मुद्दा उठाया। वहीं, अन्य पार्षदों ने जनहित के कई गंभीर विषय रखे।

शिवरत्न अग्रवाल के अंतिम संस्कार में पहुंचे गहलोत का सियासी वार, बोले- राजस्थान में बह रही उल्टी गंगा

बीकानेर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर में उद्योगपति एवं बीकाजी समूह के सीएमडी शिवरत्न अग्रवाल के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया से बातचीत के दौरान राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ता में होने के बावजूद भाजपा विपक्ष पर अधिक आक्रामक है और राजस्थान में 'उल्टी गंगा' बह रही है।

सरकार और विपक्ष पर की टिप्पणी

गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की कमियों को उजागर करता है, लेकिन वर्तमान में सरकार ही विपक्ष पर हमलावर हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को रिफाइनरी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की समझ नहीं है और वह बिना तथ्यों के बयान दे रही है।

रिफाइनरी और विकास कार्यों पर आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत उनकी सरकार ने 2013 में की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे जैसे सड़क और बिजली विकास पर पर्याप्त काम नहीं किया, जिससे रोजगार की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं।

राजनीति, राहुल गांधी और परिसीमन पर बयान

गहलोत ने राहुल गांधी की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदार और निर्भीक नेता बताया, जो सामाजिक न्याय के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं। साथ ही उन्होंने महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि विपक्ष के दबाव से गलत परिसीमन की प्रक्रिया को रोका गया, अन्यथा इसके गंभीर परिणाम हो सकते थे।

राजस्थान के 697 फरार डॉक्टरों का गेम ओवर

22 साल से कुर्सी घेरे बैठे 'भूतिया' स्टाफ पर बड़ा एक्शन!

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से एक ऐसी चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है, जिसने राज्य के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की पोल खोलकर रख दी है।

विभाग ने उन 697 सरकारी डॉक्टरों के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई शुरू की है, जो आधिकारिक रिकॉर्ड में तो तैनात हैं, लेकिन सालों से अपनी ड्यूटी से नदारद हैं। इनमें से कुछ डॉक्टर तो पिछले 22 सालों से अस्पताल नहीं आए हैं।

फाइलों में 'फुल' और वार्डों में 'शून्य'

यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं, बल्कि एक गंभीर प्रशासनिक विफलता का है। ये 'लापता' डॉक्टर स्त्री रोग, बाल रोग, रेडियोलॉजी और सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों

के विशेषज्ञ हैं। समस्या यह है कि कागजों पर ये डॉक्टर स्वीकृत पदों को घेरे हुए हैं। इसका मतलब यह है कि सिस्टम इन्हें 'कार्यरत' मानता है, जिससे नए डॉक्टरों की भर्ती का रास्ता बंद हो जाता है। अस्पतालों की फाइलों में तो पूरा स्टाफ नजर आता है, लेकिन असलियत में वार्ड विशेषज्ञ डॉक्टरों के बिना खाली पड़े हैं।

एक्शन मोड में सरकारः 5 दिन का अल्टीमेटम

लंबे समय तक प्रशासनिक नींद में रहने के बाद अब विभाग जागा है। सभी जिलों के सीएमएचओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे 5 दिनों के भीतर सीसीए नियमों के तहत इन डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजें। जो डॉक्टर एक साल से अधिक समय से बिना बताए गायब हैं, उनकी सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ऐसे डॉक्टर जिन्होंने सरकारी कोटे से पीजी की पढ़ाई पूरी की और फिर बिना अनिवार्य सेवा बांड पूरा किए 'लापता' हो गए, उनसे वसूली की कार्रवाई की जाएगी। विभाग इसे कर्तव्य की उपेक्षा और सरकारी आदेशों की अवमानना मान रहा है।

राजस्थान में गौवंश, रिफाइनरी और महिला आरक्षण पर घमासान

जूली और दिलावर के बीच सियासी संग्राम

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और भाजपा सरकार के बीच जुबानी जंग खुलकर सामने आ गई है। एक ओर जूली ने पाली जिले के दौरे के दौरान राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए, वहीं दूसरी ओर कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के जरिए कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति को और अधिक गरमा दिया है। गुरुवार को पाली दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा खुद को हिंदू धर्म और गौमाता का रक्षक बताती है, उसी के शासन में गौवंश दाने-पानी के लिए मोहताज हो गया है। जूली ने श्री पिंजरापोल गौशाला का दौरा किया और वहां की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए गौमाता सिर्फ चुनावी मुद्दा बनकर रह गई है, जबकि वास्तविकता में गौशालाओं की हालत बेहद खराब है।

जूली ने दावा किया कि आने वाले समय में भाजपा का जाना तय है पहले राजस्थान से और फिर पूरे देश से।जूली ने गौशालाओं को मिलने वाले अनुदान में देरी को लेकर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह बड़ी विडंबना है कि प्रदेश के गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत स्वयं पाली जिले से आते हैं, लेकिन उनके ही क्षेत्र की गौशालाएं पिछले 4-5 महीनों से अनुदान के लिए तरस रही हैं। समय पर अनुदान नहीं मिलने के कारण गौशालाओं के सामने चारे और पशुओं के भरण-पोषण का संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में वर्ष में 9 महीने तक अनुदान देने की व्यवस्था थी, जिसे वर्तमान भाजपा सरकार ने बंद कर दिया।पाली जिले की स्थानीय समस्याओं को उठाते हुए जूली ने कहा कि शहर में सीवरेज की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़कों पर बहता गंदा पानी न केवल बदबू फैला रहा है, बल्कि यह कई बीमारियों को भी जन्म दे रहा है। उन्होंने प्रभारी मंत्री और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी नाक के नीचे लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।जूली ने बाड़मेर रिफाइनरी परियोजना को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही रिफाइनरी में राजस्थान की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित की थी, लेकिन भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

30 हजार में नेशनल खिलाड़ी और चंद रुपयों में एमए पास

राजस्थान में सरकारी नौकरी के सौदागरों का खेल खत्म

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में मेहनत और मेधा की जगह 'जुगाड़ और जालसाजी' से सरकारी कुर्सी हथियाने वालों के साम्राज्य पर स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप ने करारी चोट की है। गुरुवार को हुई दो बड़ी गिरफ्तारियों ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश में फर्जी डिग्री से लेकर खेल कोटे के फर्जी प्रमाण पत्रों का काला कारोबार किस कदर पैर पसार चुका था।

शादी के पंडाल में बिका 'नेशनल मेडल'

राजस्थान पुलिस की एसओजी ने एक ऐसे जालसाज को बेनकाब किया है, जिसने खेल की गरिमा को बाजार में नीलाम कर दिया। आरोपी जगदीश सारण, जो शिक्षा विभाग में सस्पेंडेड क्लर्क है, नागौर का रहने वाला है। जगदीश का काम था भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों को 'नकली खिलाड़ी' बनाना था। जांच में सामने आया कि जगदीश ने एक अभ्यर्थी के साथ बीकानेर में एक शादी समारोह के दौरान डील की थी।

तायक्वांडो चैंपियनशिप का फर्जी सर्टिफिकेट

जगदीश ने अभ्यर्थी को विशाखापत्तनम में हुई नेशनल तायक्वांडो चैंपियनशिप का फर्जी सर्टिफिकेट दिलाने का झांसा दिया। शुरू में सौदा 2.30 लाख रुपये में तय हुआ, लेकिन बाद में 30 हजार रुपये में 'नेशनल लेवल' का खिलाड़ी होने का ठप्पा लगा दिया गया। इस एक फर्जी कागज के दम पर अभ्यर्थी 2022 की ग्रेड-III शिक्षक भर्ती में 2% खेल कोटे की मलाई खाना चाहता था। जगदीश अपने पीटीआई रिश्तेदार के जरिए इन फर्जी दस्तावेजों का जुगाड़ करता था, जिसकी तलाश अब पुलिस सरगर्मी से कर रही है।

यूनिवर्सिटी की नाक के नीचे 'डिग्री' का खेल

दूसरा मामला और भी गंभीर है, जहां ध्वज कीर्ति शर्मा नामक शख्स ने लेक्चरर भर्ती-2022 में 'फर्जी मास्टर' (एमए) तैयार करने की जिम्मेदारी ली थी। आरोपी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी, चित्तौड़गढ़ के नाम पर अभ्यर्थी कमला कुमारी के लिए एमए (हिंदी) की फर्जी डिग्री, मार्कशीट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट तक तैयार कर दिए।हैरत की बात यह है कि इन दस्तावेजों पर हूबहू वैसी ही मुहरें और हस्ताक्षर थे जैसे असली हों। जब आरपीससी ने दस्तावेजों की गहराई से जांच की, तब इस 'डिग्री फैक्ट्री' का पर्दाफाश हुआ। एसओजी की जांच में सामने आया है कि इस साजिश में यूनिवर्सिटी के कुछ अंदरूनी कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। ध्वज कीर्ति को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया गया है, जिससे पूछताछ में कई और बड़े नामों के खुलासे की उम्मीद है।

चूरू में बोलेरो और डंपर में टक्कर के बाद लगी आग में 3 बारातियों की जिंदा जलने से मौत, 5 झुलसे

चूरू, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले में राजगढ़- पिलानी नेशनल हाइवे पर गुरुवार देर रात दिल दहलाने वाला हादसा हो गया। भयंकर हादसे में 3 जने जिंदा जल गए जबकि 5 युवक गंभीर घायल हो गए जो 70 फीसदी से अधिक झुलस चुके हैं। घायलों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। इनका इलाज पहले झुंझुनूं जिले के पिलानी, फिर झुंझुनूं में हुआ और अब राजधानी जयपुर में इलाज जारी है।खबर लिखे जाने तक जिंदा जले लोगों की पहचान नहीं हुई क्योंकि इस भंयकर हादसे में मौत का शिकार हुए तीनों जने पूरी तरह आग की भेंट चढ़ गए थे।

हादसे के बाद लगा लंबा सड़क

प्राप्त समाचारों के अनुसार गुरुवार रात दस बजे बाद राजगढ़ (चूरू)-पिलानी (झुंझुनूं) नेशनल हाइवे पर थिरपाली छोटी और थिरपाली बड़ी के बीच टोल प्लाजा के पास रोड़ी से भरे एक डंपर और बारातियों से भरी बोलेरो में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया था। हादसे के बाद सडक़ पर लंबा जाम लग गया।

तीन लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत

दरअसल, राजस्थान के चूरू जिले में इस दिल दहला देने वाले भीषण सड़क हादसे ने खुशियों से भरे एक परिवार को मातम में बदल दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच युवक गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं से जयपुर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

शादी समारोह में लेने जा रहे थे भाग

बताया जा रहा है बोलेरा में सवार लोग बाराती थे जो झुंझुनूं के पिलानी इलाके में होने वाली शादी शिरकत करने के लिए आए थे। जिंदा जिले लोगों के शव चूरू जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। बताया जा रहा है कि बोलेरो चूरू नंबर की थी और

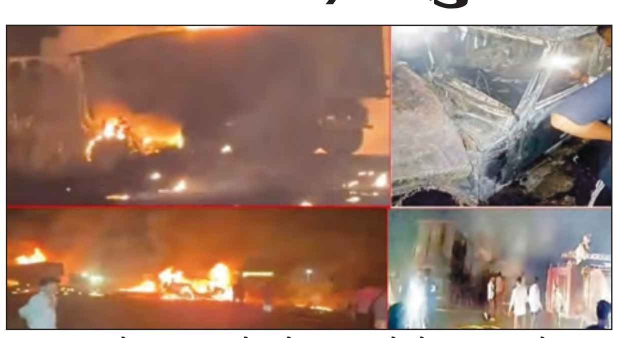

हनुमानगढ़ के सिधमुख क्षेत्र से सवारियां पिलानी बारात में जा रही थी। जबकि डंपर राजगढ़ की तरफ जा रहा था। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। पुलिस और स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को बाहर निकालकर तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा इतना भयानक था कि आग में झुलसने के कारण मृतकों की पहचान तक नहीं हो पाई है। शवों को चूरू जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और पुलिस उनकी शिनाख्त में जुटी हुई है।

5 युवक गंभीर रूप से घायल, दो सगे भाई

हादसे में घायल पांचों युवक 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के हैं और 50 से 70 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं। इनमें दो सगे भाई भी शामिल हैं। सभी को पहले पिलानी और फिर झुंझुनूं के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर किया गया। मीडिया रिपोटर्स में प्रांरभिक जानकारी के अनुसार, घायलों में हनुमानगढ़ जिले के मनदरपुरा गांव के पंकज (20) कमल (22), आनंद (20), सिद्धमुख निवासी विकास (24) एवं हिसार निवासी आशीष नामक युवक घायल हुए है। इनमें तीन घायल एक ही गांव के है और दो सगे भाई हैं।

बाघों के घर में 'अकेला' चीता, क्या राजस्थान का शेरगढ़ बनेगा इस बेघर मुसाफिर का नया बसेरा?

सवाई माधोपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान की पथरीली जमीन और घने जंगलों की ओर कदम बढ़ाते चीतों ने एक ऐसी कहानी लिखनी शुरू कर दी है, जिसमें रोमांच भी है और एक बेजुबान की बेबसी भी। सवाल अब केवल सरहदों का नहीं रहा, सवाल उस 'अकेले' मुसाफिर के हक का है जो बार-बार कूनो की लक्ष्मण रेखा लांघकर राजस्थान की माटी को अपना घर बनाने की कोशिश कर रहा है।

रणथंभौर में दहाड़ और चीते की खामोशी

पिछले कुछ दिनों से रणथंभौर के 'फलोदी रेंज' में एक अजीब सी हलचल है। यहां के असली राजा यानी 'बाघों' के बीच कूनो का चीता केपी-2 घूम रहा है।

यह नजारा जितना अद्भुत है, उतना ही डराने वाला भी। कूनो की बाड़ से निकलकर यह मुसाफिर सैंकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर यहां पहुंचा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाघों के गढ़ में एक चीते का होना वैसा ही है जैसे किसी अजनबी का अनजान शहर में भटकना। वह भूखा है, उसने कई दिनों से शिकार नहीं किया है, लेकिन फिर भी वह वापस जाने को तैयार नहीं है। क्या यह उसकी जिद है या राजस्थान के जंगलों से उसका बढ़ता लगाव?

शेरगढ़ः एक उम्मीद की किरण

इस पूरे घटनाक्रम में बारां का शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। चीता केपी-3 ने पिछले दो हफ्तों से शेरगढ़ के आसपास अपना डेरा डाला हुआ है। स्थानीय विधायक प्रताप सिंह सिंघवी ने इस 'ह्यूमन एंगल' को समझते हुए राज्य सरकार को पत्र लिखा है कि इस बेघर मुसाफिर को और ज्यादा परेशान न किया जाए। उनकी दलील है कि अगर एक जीव बार-बार एक ही इलाके में लौट रहा है, तो इसका मतलब है कि उसे वहां की आबोहवा पसंद आ गई है। क्या हम इस 'बेघर' को शेरगढ़ में स्थायी पता दे सकते हैं?वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि हर बार जब ये चीते राजस्थान आते हैं, तो इन्हें ट्रंकुलाइज कर वापस कूनो के बाड़े में छोड़ दिया जाता है। पूर्व वार्डन बलेंदु सिंह जैसे विशेषज्ञ मानते हैं कि यह प्रक्रिया उस जानवर के लिए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना जैसी है।

वे कहते हैं, 'उसे अपनी जगह खुद तलाशने दें। अफ्रीका में भी ये शिकारियों के बीच रहते हैं, तो यहां क्यों नहीं?' फिलहाल, भीषण गर्मी और बाघों के इलाके में होने के कारण वन विभाग अलर्ट मोड़ में है। केपी-2 की हर हरकत पर जीपीएस से नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के लिए चुनौती यह है कि क्या उसे फिर से कैद कर वापस भेजें या उसे प्रकृति के भरोसे छोड़ दें।

फिट युवा ही विकसित भारत की नींव : राज्यपाल

महबूबनगर, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं में खेल भावना और फिटनेस बेहद आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि फिट युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। राज्यपाल महबूबनगर जिला स्टेडियम में सांसद डी.के. अरुणा के नेतृत्व में आयोजित 'प्रधानमंत्री सांसद खेल महोत्सव-2026' के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विजेताओं को सम्मानित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, धैर्य और अनुशासन को बढ़ावा देते हैं। युवाओं का उत्साह और संकल्प ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल महोत्सव ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर समावेशी विकास को गति देते हैं।

उन्होंने 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्यक्रम जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के तहत खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्रीय एकता के साधन भी हैं। राज्यपाल ने हर गांव के बच्चों को खेलों में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने योग और पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को भी शारीरिक और मानसिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत खेलों को शिक्षा से जोड़ने को भविष्य के चैंपियंस तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए आयोजकों, कोच, अभिभावकों और खिलाड़ियों की सराहना की और खेल भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया। सांसद डी.के. अरुणा ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को सही दिशा देने के साथ उन्हें अनुशासित बनाते हैं। कार्यक्रम में विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, महापौर ममता, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर डायना डेविड, गोंगिडी तृषा रेड्डी और महिला प्रीमियर लीग की खिलाड़ी तृषा पूजिता सहित कई जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इससे पहले राज्यपाल का महबूबनगर स्थित आरएंडबी गेस्ट हाउस में स्वागत किया गया, जहां सांसद डी.के. अरुणा, जिलाधिकारी खुशबू गुप्ता और पुलिस अधीक्षक डी. जानकी ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया।

सीपीआई ने 'पर्यटन' संबंधी टिप्पणी पर नायडू को करारा दिया जवाब

तिरुपति, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के वरिष्ठ नेता के. नारायण ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की वैचारिक प्रणालियों को खारिज करने और 'पर्यटन' को एक मॉडल के रूप में बढ़ावा देने वाली टिप्पणियों की आलोचना की। नारायण ने तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान नायडू की टिप्पणियों को 'अप्रासंगिक और व्यंग्यात्मक' बताया और तर्क दिया कि पूंजीवाद ही वैश्विक व्यवस्था बनी हुई है। उन्होंने पर्यटन-आधारित सोच से स्थापित विचारधाराओं को प्रतिस्थापित करने की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया। सीपीआई नेता ने वंशवादी राजनीति पर भी निशाना साधा और कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां अक्सर पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देती हैं।

खरीफ सीजन से पहले धान की किस्मों पर मंत्री की अहम समीक्षा

उच्च उत्पादन और बाजार में मांग वाली किस्में ही उपलब्ध कराने के निर्देश

एमएसपी का बोझ राज्यों पर डालने पर केंद्र की आलोचना

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने आगामी खरीफ (वर्षा) सीजन में बोई जाने वाली धान की महीन किस्मों (सन्ना वेरायटी) को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों के लिए केवल वही बीज उपलब्ध कराए जाएं, जिनकी बाजार में मांग हो और जिनसे अधिक उत्पादन प्राप्त हो सके।

सचिवालय में आयोजित इस बैठक में कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंड रेड्डी समेत अन्य सदस्यों ने भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि आगामी सीजन के लिए बीपीटी-5024, आएनआर-15048, एचएमटी सोना, जय श्रीराम, केएनएम-1638, डब्लूजीएल-44, डब्लूजीएल -962, जेजीएल-1798 समेत कई किस्मों को तैयार किया गया है। मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष अधिक किस्में उपलब्ध कराने के कारण किसानों को विपणन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और कुछ को बोनस भी नहीं मिल सका। इस वर्ष ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सीमित और बेहतर किस्मों पर ही ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होंने सिविल सप्लाई विभाग के साथ समन्वय बनाकर बीज आपूर्ति की ठोस योजना तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि प्रजा पालना-प्रगति कार्यक्रम के तहत 4 से 9 मई तक आयोजित होने वाले किसान उत्सवों में 4 मई को इन बीजों के संबंध में विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही 15 मई तक चयनित बीज किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि सीड कॉरपोरेशन के साथ-साथ निजी कंपनियां भी इन्हीं किस्मों के बीज उपलब्ध कराएं। इसके लिए बीज कंपनियों के साथ विशेष बैठक आयोजित करने को कहा गया है। इस दौरान मंत्री ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र केवल एमएसपी घोषित करता है, लेकिन खरीद की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ देता है, जिससे राज्यों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने मांग की कि एमएसपी घोषित सभी फसलों की खरीद केंद्र सरकार स्वयं करे। किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंड रेड्डी ने भी कहा कि एमएसपी निर्धारण वैज्ञानिक आधार पर नहीं हो रहा है और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना जैसे राज्यों में किसानों को समर्थन मूल्य दिलाने के लिए सरकार को खुद खरीद करनी पड़ती है, जिससे हर वर्ष 2000 से 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ता है, जबकि केंद्र से कोई सहयोग नहीं मिलता। बैठक में कृषि विभाग के सचिव सुरेंद्र मोहन, वैज्ञानिकों और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोयला परिवहन बढ़ाने के निर्देश, रोजाना 50 हजार टन लक्ष्य तय

पेद्दापल्ली, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि साथुपल्ली कोयला हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) से पूर्ण क्षमता के साथ कोयले का परिवहन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रतिदिन 50 हजार टन तक कोयले की ढुलाई का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। शुक्रवार को हैदराबाद स्थित सिंगारेनी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में सीएमडी ने जेवीआर कोयला हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) में आ रही तकनीकी समस्याओं को शीघ्र दूर करने पर जोर दिया। यह संयंत्र वर्तमान में प्रतिवर्ष एक करोड़ टन से अधिक कोयले का संचालन कर रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतिदिन औसत परिवहन 45 से 50 हजार टन के बीच बनाए रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को कोयला भंडारों में उत्पन्न तकनीकी बाधाओं को दूर करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को कुशलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। साथ ही, ओडिशा के नैनी कोयला ब्लॉक से चालू वित्त वर्ष में 60 लाख टन कोयले के उत्पादन और परिवहन का लक्ष्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। सीएमडी ने रसद संबंधी चुनौतियों के समाधान पर विशेष बल देते हुए स्थानीय प्रशासन और समुदाय के साथ समन्वय स्थापित कर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि चालू वित्त वर्ष में जेवीआर-2 ओपनकास्ट खदान से 110 लाख टन तथा किश्तराम ओसीपी से 24 लाख टन कोयले के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक चिंतला श्रीनिवास ने सीएचपी की क्षमता के पूर्ण उपयोग के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वहीं, नैनी कोयला ब्लॉक के संबंध में सीएमडी ने कहा कि कोयला गलियारे की सड़क निर्माण में समय लग सकता है, इसलिए अंतरिम व्यवस्था के रूप में कोयले को सड़क मार्ग से निकटवर्ती रेलवे साइडिंग तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

बस भवन पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

सरकार से की तत्काल समाधान की मांग

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रहने से राज्यभर में परिवहन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच भाजपा ने हड़ताल का तत्काल समाधान निकालने की मांग की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बस भवन पहुंचकर हड़ताली कर्मचारियों के प्रति एकजुटता जताई और आरटीसी डिपो में चल रहे धरना स्थल का दौरा किया। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के आत्मघाती कदम न उठाएं और आश्वासन दिया कि भाजपा उनकी मांगों के समाधान तक संघर्ष में साथ खड़ी रहेगी।

राव ने कहा कि मौजूदा स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है और उसे तुरंत कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि हड़ताल के दौरान तीन कर्मचारियों द्वारा आत्महत्या का प्रयास किया गया, जो बेहद चिंताजनक है।

इनमें से वारंगल जिले के नरसंपेट मंडल के मुत्तोजीपेटा निवासी चालक कोला शंकर गौड़, जिन्होंने हड़ताल के चलते आत्महत्या का प्रयास किया था, उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। भाजपा ने शंकर गौड़ के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। राव ने आरोप लगाया कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है और समाधान निकालने के बजाय समितियों के नाम पर समय बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले भी कर्मचारियों के मुद्दों पर उनके साथ खड़ी रही है, चाहे वह बीआरएस सरकार के समय आरटीसी के विलय की मांग हो या अन्य लंबित समस्याएं। 2017 से लंबित पीआरसी बकाया और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के देयकों का भुगतान न होना सरकारों की लापरवाही को दर्शाता है। राव ने सरकार से मांग की कि वह तुरंत आरटीसी का सरकार में विलय करे, जैसा कि देश के कई राज्यों में किया जा चुका है।

फिटनेस अनुप्रयोगों पर पूर्ण निर्भर नहीं भारतीय उपयोगकर्ता, अध्ययन में खुलासा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी भारत में फिटनेस अनुप्रयोग (एप) और पहनने योग्य तकनीक (वियरेबल) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि उपयोगकर्ता इन डिजिटल मानकों का अंधानुकरण नहीं करते, बल्कि अपनी परिस्थितियों और सुविधा के अनुसार उनका उपयोग करते हैं। एडेप्टिव फिटनेस का एवरीडे एचसीआई : द ब्रिकोलेज ऑफ सेल्फ-ट्रैकिंग इन अर्बन इंडिया शीर्षक से किए गए इस शोध में बताया गया कि लोग फिटनेस के लिए डिजिटल साधनों के साथ-साथ पारंपरिक तरीकों का भी सहारा लेते हैं। अध्ययन में यह पाया गया कि कई लोग स्मार्ट घड़ी का उपयोग केवल कदम गिनने के लिए करते हैं, जबकि व्यायाम का लेखा-जोखा रखने के लिए नोटबुक का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग कैलोरी की गणना करने के बजाय अपनी प्रगति को तस्वीरों के माध्यम से दर्ज करते हैं। वहीं, कई लोग समय निर्धारण के लिए मोबाइल टाइमर का उपयोग करते हैं और दूसरों से चर्चा कर अपनी प्रगति का आकलन करते हैं। शोध में यह भी सामने आया कि अधिकांश फिटनेस अनुप्रयोग भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं। उपयोगकर्ताओं ने बताया कि इन अनुप्रयोगों में घर के बने भोजन की सही गणना नहीं होती और न ही वे स्थानीय जलवायु, जैसे अत्यधिक गर्मी या उमस, के प्रभाव को समझ पाते हैं। प्रतिभागियों ने यह भी कहा कि वे मौसम, त्योहारों और सामाजिक गतिविधियों के अनुसार अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करते रहते हैं। उदाहरण के लिए, उमस भरे दिनों में लोग व्यायाम की तीव्रता कम कर देते हैं, जबकि त्योहारों के समय दिनचर्या में लचीलापन अपनाते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, अधिकांश फिटनेस अनुप्रयोग पश्चिमी देशों की जीवनशैली को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, जहां सटीक आंकड़ों के अनुसार चलना अपेक्षित होता है। इसके विपरीत, भारत में फिटनेस जीवनशैली, खान-पान, जलवायु और सामाजिक व्यवहार से गहराई से जुड़ी हुई है। इस अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि किसी एक सांस्कृतिक परिवेश के लिए विकसित तकनीक को दूसरे परिवेश में उसी रूप में लागू करना प्रभावी नहीं होता।

बुर्जुगड्डा स्थित सत्यम शिवम सुन्दरम गौ निवास में गायों के शेड का उद्घाटन करते हुए आर.पांडुरंगा राव। साथ में गौशाला से निशुल्क गोबर वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन में उपस्थित धर्मराज रांका, पेद्दाशापुर के सरपंच रवि नायक, उप सरपंच वनजा गोपाल, रजत जैन, हेमा अग्रवाल, श्रीनिवासन व अन्य।

व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच) के 9वें नवरत्न (सिकंदराबाद चैप्टर) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन में भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन बेगमपेट स्थित होटल पिनकोड में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति और मनीष मेहता, डॉ. अर्चना, सुन्नम श्रीकांत, एमवी राव और चंदन श्रीधर जैसे अन्य सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। सम्मेलन का नेतृत्व अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति ने किया। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

तेलंगाना में 'वासवी मठ जयंती' को राज्य उत्सव का टैग मिला

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक निर्णय में, तेलंगाना सरकार ने 'वासवी माता जयंती' को आधिकारिक राज्य उत्सव घोषित किया है, जिसकी आर्य वैश्य अधिकारी और पेशेवर संघ (एवीओपीए) ने जमकर सराहना की है। रेड हिल्स में एफटीसीसीआई में एक प्रेस वार्ता में, एवीओपीए नेताओं ने इस कदम को आर्य वैश्य समुदाय की विरासत और वासवी कन्याका परमेश्वरी देवी की शिक्षाओं में निहित मूल्यों की 'ऐतिहासिक मान्यता' करार दिया। उन्होंने धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को धन्यवाद दिया। रवींद्र भारती में 26 अप्रैल को एक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। एसोसिएशन ने सरकार से 'आत्ममर्पण दिवसोत्सव' को एक आधिकारिक उत्सव घोषित करने का भी आग्रह किया, यह देखते हुए कि आंध्र प्रदेश ने पहले ही दोनों अवसरों को मान्यता दे दी है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. जीएनटी/सी.79/कैटरिंग/ई-नीलामी/19/2026, दि.22-04-2026

PUB/117/26

ई-नीलामी लीजिंग द्वारा प्रदत्त वाणिज्यिक आय संविदाओं हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल की ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से बोलियां या बिड्स आमंत्रित है। कैटरिंग कैटलाग, एमपीएस तथा वाटर वेंडिंग मशीन्स (डब्ल्यूवीएम) का विवरण नीचे दिया गया है।

दि.11-05-2026 नुसार वाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) का संचालन एवं रखरखाव

क्रम सं.	संविदा का प्रकार	स्टेशन	संविदा की अवधि	पूर्व धरोहर राशि मूल्य	नीलामी शुरु दिनांक व समय:
1	डब्ल्यूवीएम	क्लस्टर-4 (एसएपी, पीजीआरएल, एनडीकेडी & एमसीएलए)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
2	डब्ल्यूवीएम	क्लस्टर-5 (एमआरजीए & एनएलडीए)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
3	डब्ल्यूवीएम	विनुकोण्डा (वीकेएन) (प्लाटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
4	डब्ल्यूवीएम	सावल्यापुरम (एसवाईएम) (प्लाटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
5	डब्ल्यूवीएम	डोनाकोण्डा (ड़ीकेडी) (प्लाटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
6	डब्ल्यूवीएम	कमबम (सीबीएम) (प्लाटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे
7	डब्ल्यूवीएम	गिद्दलूर (जीआईडी) (प्लाटफार्म नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	11-05-2026 के 11.00 बजे

एमपीएस स्टाल्स ई-नीलामी दि.12-05-2026

क्रम सं.	संविदा का प्रकार	स्टेशन / लोकेशन	निम्न हेतु आरक्षितः	संविदा की अवधि	पूर्व धरोहर राशि मूल्य	नीलामी शुरु दिनांक व समय
1	एमपीएस स्टाल	रेपल्ले (पीएफ नं.1)	महिला-सामान्य	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	12-05-2026 के 11.00 बजे
2	एमपीएस स्टाल	नडीकुडी (पीएफ नं.1)	महिला-सामान्य	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	12-05-2026 के 11.00 बजे

कैटरिंग स्टाल्स ई-नीलामी दि.08-05-2026

क्रम सं.	संविदा का प्रकार	स्टेशन/लोकेशन / कैटगिरी	संविदा की अवधि	पूर्व धरोहर राशि मूल्यः	नीलामी शुरु दिनांक व समयः
1	टी स्टाल	पिडीगुराल्ला-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
2	टी स्टाल	माचेर्ला-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
3	टी स्टाल	रेपल्ले-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
4	ज्यूस बार	कमबम-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
5	ज्यूस बार	कमबम-डी (पीएफ 2&3)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
6	टी स्टाल	बेमुरु-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे
7	ज्यूस बार	विनूकोंडा-डी (पीएफ नं.1)	5 वर्ष	बोली मूल्य का 10%	08-05-2026 के 11.00 बजे

निविदाकार का यह उत्तरदायित्व है कि, डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए, स्वयं को आईआरईपीएस ई नीलामी लीजिंग में पंजीकृत करना होगा। मैन्युएल तथा www.ireps.gov.in पोर्टल के मार्गदर्शनों के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई नीलामी लीजिंग में भाग लेने के लिए पंजीकरण पूर्व आवश्यकताएं उपलब्ध हैं। जब कभी भी बुलाए जाने पर, निविदाकार द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। रेल प्रशासन को, निविदा सहित आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग या तत्संबंधित भुगतान के दौरान आईआरईपीएस पोर्टल पर घटित किसी भी रुकावट या बाधा के लिए, जिम्मेदार नही ठहराया जा सकेगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित सभी शर्तों को यथावत पूरा न कर, भरे गये संबंधित प्रपत्रों की प्राप्ति पर, ऐसे अपूर्ण प्रपत्रों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा की संपूर्ण जानकारी, ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।

A134 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/गुन्टूर

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 166वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 26 अप्रैल को

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्रीनिवास नगर रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन लिंगोजीगुडा के सहयोग से 166वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 26 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक करमनघाट चौराहा स्थित मास्टरमाइंड स्कूल लिंगोजीगुडा में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल दोमलगुडा द्वारा की जाएगी और नेत्रों की जांच के पश्चात योग्य को निशुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

जनरल फिजिशियन डॉ.अखिल्स क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खैरिया सुगंधी द्वारा की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ.मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस.तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा निशुल्क जांच कर योग्य को एड्स एवं एप्लायंसेज कृत्रिम अंग, हैड किट्स, कैलिपर्स, हैंड्स आदि की सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में आवश्यक रोगी के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी सेवा प्रदान की जाएगी। शिविर में रोगी अपने साथ चिकित्सा के पूर्व रिकार्ड साथ लाएं ताकि उनका उचित परामर्श किया जा सके। शिविर में नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, के.जानकीराम राव, एम.सुरेश राज, ए.लिंगाचारी, सरिता रेड्डी से संपर्क किया जा सकता है।

बीआरएस प्रवक्ता मन्ने कृशांक गिरफ्तार

जबरन प्रवेश और मारपीट के आरोप

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली पुलिस ने गुरुवार देर रात सिकंदराबाद कैंटोनमेंट क्षेत्र में स्थित बीआरएस के आधिकारिक प्रवक्ता मन्ने कृशांक को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई कांग्रेस के सोशल मीडिया समन्वयक की शिकायत के आधार पर की गई है, जिसमें कृशांक पर जबरन घर में घुसने, धमकाने और मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं-333, 118(1), 308(5), 191(2), 351(2), 189 और 190-के तहत मामला दर्ज किया गया है। टीपीसीसी के सोशल मीडिया समन्वयक गुंडमल्ला राजेंद्र कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि कृशांक गुरुवार को उनके दर्यागुडा स्थित आवास में घुस आए और एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर उनके साथ मारपीट की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

आप से छूटा ...

साल 2014 में वो आप के टिकट पर गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ी थीं, लेकिन बीजेपी प्रत्याशी वीके सिंह से शिकस्त मिली। लेकिन इसके बाद उन्होंने आप छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया।

योगेंद्र यादव : वहीं अगर योगेंद्र यादव की बात की जाए तो उनका कहना था कि आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चले एक बड़े जनांदोलन के बाद हुआ। जनता ने अन्य राजनीतिक पार्टियों की तुलना में आप में एक विकल्प देखा। आप को जो भी सफलता मिली है, वह परंपरागत राजनीति के खिलाफ जनता के मन में बैठे असंतोष के कारण थी। लेकिन अब पार्टी की कार्य करने का तरीका अन्य पार्टियों की तरह ही हो गया है। इसके बाद योगेंद्र यादव ने अपनी एक अलग राजनीतिक पार्टी स्वराज अभियान बनाई।

कुमार विश्वास : 2012 में अन्ना आंदोलन से जुड़ने और आम आदमी पार्टी के साथ सक्रिय राजनीतिक की शुरुआत करने से पहले कुमार विश्वास की राजनीति में एंट्री की बात करें तो वह किसी खास योजना के तहत राजनीति में नहीं आए थे। पहले वह लोकपाल को लेकर किए गए अन्ना आंदोलन में जुड़े। इसमें अरविंद केजरीवाल के साथ वह बड़े नामों में शामिल थे। अन्ना आंदोलन के कुछ समय बाद 2012 में जब अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के गठन का फैसला किया तो वह उनके साथ नजर आए और आम आदमी पार्टी के जरिये राजनीति में आ गए। 2014 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव भी लड़ा। कुमार विश्वास से जब यह पूछा गया कि क्या आपकी राजनीति पर विराम लग गया है, तो उन्होंने कहा कि नहीं... मैं झूठ नहीं कह सकता कि बच्चों की कसम खाऊं की फिर कभी नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी में गलत कामों का विरोध करता था, इसलिए मुझे किनारे किया गया।

इसी क्रम में अगर बात करें तो कपिल मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए थे। कपिल मिश्रा ने कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के घर पर केजरीवाल को मंत्री सत्येंद्र जैन से दो करोड़ रुपए लेते देखा था। इसके साथ ही कपिल मिश्रा ने 400 रुपये के पानी टैंकर घोटाले में अरविंद केजरीवाल के शामिल होने का आरोप लगाया थे। इसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार में मंत्री रहे कपिल मिश्रा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था, इससे पहले उन्हें केजरीवाल की कैबिनेट से मंत्री पद से हटा दिया गया था। अब वह दिल्ली सरकार में मंत्री पद संभाल रहे हैं।

स्वाति मालीवाल : आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की शिकायत पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। मालीवाल ने शिकायत में कहा था कि जब वह 13 मई को सीएम आवास मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने पहुंचीं थी तो बिभव ने उनके साथ मारपीट की। मालीवाल की शिकायत पर पुलिस ने बिभव कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया था। इस मामले के दौरान स्वाति ने पार्टी और उसके कद्दावर नेताओं पर कई आरोप लगाए थे।

हैदराबाद में मिलावटी ...

जांच में सामने आया कि आरोपी चाय की गुणवत्ता और रंग बढ़ाने के लिए सिंथेटिक फूड कलर (जैसे सनसेट येलो और टार्ट्राजीन), गुड़ का घोल और खराब हो चुकी चायपत्ति मिलाते थे। इसके बाद इस मिलावटी चायपत्ति को अलग-अलग ब्रांड नामों से पैक कर बाजार में असली उत्पाद बताकर बेचा जाता था।

छापेमारी के दौरान करीब 3000 किलो मिलावटी चायपत्ति, 1500 किलो एक्सपायर्ड चायपत्ति, आर्टिफीशियल रंग और 100 किलो गुड़ जब्त किया गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि इस तरह की मिलावटी चाय से स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिसमें पेट संबंधी समस्याएं, एलर्जी और लंबे समय में अन्य जटिल बीमारियां शामिल हैं।

डीसीपी के अनुसार, इस मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि शहर के छोटे चाय स्टॉल और सड़क किनारे दुकानदार सस्ती दरों पर यह मिलावटी चाय खरीदकर इस्तेमाल कर रहे थे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-HQ-WAT-18-2026, दिनांक :18.04.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/एस्टेट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य/साउथ/वाल्टियर सेक्शन में स्नूकर्स (Snookers) क्लब का उन्नयन एवं रेलवे क्रिकेट मैदान में बॉक्स क्रिकेट का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 65,86,400.68, EMD(रुपये में) : 1,31,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 04 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 14.05.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-77/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राष्ट्रमंडल खेल-ओलंपिक ही नहीं एशियाड की भी मेजबानी करना चाहता है भारत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने की कोशिश और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) की मेजबानी के अधिकार मिलने के बाद एशियाड कराने की भी चाहत दिखाई है। इस महीने की शुरुआत में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) को 2038 में एशियाड की मेजाबनी करने में दिलचस्पी को लेकर पत्र दिया। 2026 में एशियाड जापान के आइची-नागोया में, 2030 में दोहा में और 2034 में रियाद में होगा।

भारत ने 1951 में पहली बार एशियन गेम्स होस्ट किए थे। आखिरी बार इसका आयोजन 1982 में हुआ था। दोनों बार खेल नई दिल्ली में हुए थे। 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे। मेजबानी मिलने पर 2036 ओलपिंक भी यहीं होने की संभावना है। एशियाड को भी यहीं कराने की योजना होगी। चीन के सान्या में गुरुवार (23 अप्रैल) को ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की कार्यकारी बोर्ड मीटिंग में भारत के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। यह तय हुआ कि ओसीए की टीम देश का दौरा करेगी।

ओसीए को पत्र लिखा

आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने भारत की दिलचस्पी की पुष्टि की और कहा कि ओलंपिक संस्था ने इस महीने की शुरुआत में ओसीए अध्यक्ष कतर के शेख जोआन बिन हमद अल थानी को पत्र लिखा था। अय्यर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'हम एशियन गेम्स को भारत में कराने के इच्छुक हैं। हम ओसीए से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें पत्र लिखकर अपनी दिलचस्पी बता चुके हैं। हम ओसीए से बातचीत करेंगे।'

दो बार पहले हो चुका है आयोजन

ओलंपिक से ज्यादा खेल और खिलाड़ी

भारत के अलावा, दक्षिण कोरिया और मंगोलिया ने भी अब तक 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाई है। हिस्सा लेने वाले एथलीटों की संख्या के हिसाब से एशियन गेम्स को ओलंपिक से बड़ा माना जाता है। इसमें अक्सर लगभग 12,000 एथलीट होते हैं, जबकि ओलंपिक में लगभग 10,500 होते हैं। इसमें खेलों की संख्या भी अधिक है। चीन के हांग्जू में हुए पिछले एशियन गेम्स में 40 खेल थे, जबकि 2024 के पेरिस ओलंपिक्स में 32 खेल थे।

एशियन गेम्स की मेजबानी सही कदम

एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि 2038 में एशियन गेम्स की मेजबानी करना एक सही कदम है। अहमदाबाद और गुजरात के दूसरे हिस्सों में खेल और आधारभूत संरचना में हो रहे निवेश को देखते हुए खर्च काफी कम हो जाएगा। अधिकारी ने कहा, 'अगले तीन से चार सालों में अहमदाबाद में बहुत सारी जगहें तैयार हो जाएंगी। ये जगहें खेल की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही हैं। अगर भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल कर लेता है, तो एशियन गेम्स का भी बेहतरीन आयोजन होगा क्योंकि ज्यादातर जगहों का दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।'

2036 ओलंपिक की तैयारी

अधिकारी ने कहा, 'अगर भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी नहीं भी मिलती है तो 2038 एशियाड की मेजबानी से आधारभूत संरचना का अच्छा इस्तेमाल होगा। साथ ही देश को भविष्य के ओलंपिक के लिए मेजबानी का काफी अनुभव भी मिल जाएगा।' गुजरात सरकार ने 2036 ओलंपिक की तैयारी के तहत अहमदाबाद और गांधीनगर में बड़े पैमाने पर खेल परिसरों का निर्माण शुरू कर दिया है।

बांग्लादेश ने दिया पाकिस्तान को झटका

पीएसएल में नहीं खेलेंगे मुस्तफिजुर और नाहिद राणा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को झटक दिया है।

बीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 (पीएसएल2026) में खेलने के लिए तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और नाहिद राणा को अनुमति नहीं दी है। जनवरी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कहने पर इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) से कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया था। इसके विरोध में टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच न खेलने की धमकी दी थी।

इससे पहले उसने खिलाड़ियों की नीलामी से पहले ही ऐलान किया था कि मुस्तफिजुर रहमान पीएसएल में खेलेंगे। फरवरी में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेला। अब में मुस्तफिजुर पीसीएल में खेलते नहीं दिखेंगे।

मुस्तफिजुर घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। बीसीबी ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि टीम के मेडिकल स्टाफ ने मुस्तफिजुर की चोट की जांच की और तुरंत स्कैन कराने की सलाह दी। इसके बाद उनकी रिहैब शुरू होगी। इसके कारण मुस्तफिजुर पीएसएल 2026 के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

नाहिद राणा टेस्ट मैचों की तैयारी करेंगे

एक अलग फैसले में बीसीबी ने यह भी बताया कि तेज गेंदबाज नाहिद राणा को पीएसएल के लिए रिलीज नहीं किया जाएगा। वह आने वाले टेस्ट मैचों की तैयारी करेंगे। बांग्लादेश को मई में पाकिस्तान से टेस्ट सीरीज खेलनी है। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में 55 रनों से हराया और 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। नाहिद राणा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 अप्रैल से चटगांव में शुरू होने वाले शुरुआती दो टी20 मैचों के लिए नए चेहरों वाली टीम चुनी है। मुस्तफिजुर, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा जैसे तेज गेंदबाजों को आराम दिया गया। पेस-बॉलिंग ऑलराउंडर अब्दुल गफ्फार सकलैन और डेथ ओवर्स के स्पेशलिस्ट रिपन मोंडल को मौका मिला है।

तीरंदाज रजत चौहान को डीजीपी कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया गया

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर तीरंदाज रजत चौहान को राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए डीजीपी कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया है। राजस्थान पुलिस में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) के पद पर कार्यरत रजत, पुलिस बल के सबसे काबिल खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे हैं।

उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत और पुलिस विभाग दोनों का प्रतिनिधित्व किया है। रजत चौहान ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे मेरे विभाग ने सम्मानित किया है। मैं खेलों में अपने प्रदर्शन से अपने विभाग को गौरवान्वित करता रहूंगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान पुलिस को और पहचान दिलाऊंगा। चौहान की श्रेष्ठ उपलब्धियों में 19वें एशियन गेम्स 2023 में हिस्सा लेना शामिल है। उन्होंने विश्व कप 2022 में दो स्वर्ण पदक जीते थे। वर्ल्ड पुलिस गेम्स 2023 में भी रजत ने दो स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड कप 2023 में हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन किया था। हाल ही में, एशिया आर्चरी कप 2026 में, रजत ने एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते थे। भारत ने रजत के इस प्रदर्शन की बदौलत दो स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित रिकॉर्ड 10 पदक जीते थे।

न्यूजीलैंड की वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी ने संन्यास का ऐलान किया

टी20 विश्व कप में खेलेंगी आखिरी मैच

वेलिंगटन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स ने आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह वर्ल्ड कप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में 38 वर्षीय बेट्स को अपने देश के लिए खेले गए 362 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मौजूदा संख्या में और कुछ मैच जोड़ने का आखिरी मौका मिलेगा। सूजी बेट्स जून में शुरू होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम को लगातार दूसरा खिताब दिलाने का लक्ष्य रखेंगी। व्हाइट फर्न्स को ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है।

सूजी बेट्स ने क्या कहा?

अपने शानदार करियर पर बात करते हुए बेट्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'जब मैं पिछले 20 से ज्यादा वर्षों पर नजर डालती हूं,

तो मुझे यकीन ही नहीं होता कि समय इतनी तेजी से कैसे बीत गया। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने इतनी बार 'फर्न' (न्यूजीलैंड टीम का प्रतीक) पहना है। इस टीम के लिए हर दिन एक बेहतर इंसान, टीममेट, क्रिकेटर और एथलीट बनने की कोशिश करने में मुझे बहुत मकसद और खुशी मिली है।' न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सूजी बेट्स के हवाले से कहा- मेरे सभी टीममेट्स और कोचों के प्रति मेरी कृतज्ञता को शब्दों में पूरी तरह से बयां नहीं किया जा सकता। मेरा एक आखिरी मिशन है: यूके जाना- एक ऐसी जगह जहां मेरी बहुत सारी खास यादें जुड़ी हैं और एक और वर्ल्ड कप जीतना।

सूजी बेट्स का इंटरनेशनल करियर सूजी बेट्स ने अपने करियर में 181 वनडे और 181 ही टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। वनडे में उनके नाम 5964 रन और टी20 इंटरनेशनल में 4717 रन हैं। बेट्स ने सभी फॉर्मेट में कुल मिलाकर 14 शतक लगाए और 145 विकेट लिए हैं। उन्होंने साल 2006 में भारत के खिलाफ डेब्यू किया था। बेट्स ने 2011 से 2018 के बीच न्यूजीलैंड की कप्तानी भी की। साल 2013 में उन्हें 'आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना गया था। उस साल भारत में हुए वर्ल्ड कप में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं।

टी20 विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा रहीं

2016 में भी उन्हें 'आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' और 'आईसीसी विमेंस टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना गया था। यह वह दौर था, जब उन्होंने दोनों ही फॉर्मेट में द्विपक्षीय क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा था। हाल के समय में, जब टीम की नियमित कप्तान सोफी डिवाइन टीम से बाहर रही हैं, तब बेट्स ने कप्तान की जिम्मेदारी भी संभाली है।

अभय सिंह ने एलेइनिन को हराया

पहली बार पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व नंबर 13 अली अबू एलेइनिन को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय दूसरे दौर के पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त एलेइनिन को 12-10, 11-9 से मात दी।

अभय के सामने अब कड़ी चुनौती

इस महीने की शुरुआत में भी अभय ने मिस्र में आयोजित एल गूना ओपन में भी एलेइनिन को हराया था। अभय के सामने अब क्वार्टर फाइनल में मिस्र के विश्व नंबर चार करीम गवाड की चुनौती होगी। उन्होंने शुरुआती दौर में स्विट्जरलैंड के डेविड बेर्नेट को 11-9, 9-11, 11-8 से हराया था। भारत के ही रमित टंडन को मिस्र के फारेस देसौकी के खिलाफ 6-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

'क्यों न सभी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए?'

आईपीएल के बीच दिल्ली-लखनऊ समेत 6 मैदानों को एनजीटी का नोटिस

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) के बीच राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने छह क्रिकेट स्टेडियम और उनके संघों को नोटिस जारी किया है। इनमें दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम और लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम शामिल है। एनजीटी ने पूछा है कि क्रिकेट ग्राउंड के रखरखाव के लिए पानी के इस्तेमाल पर उसके निर्देशों का पालन न करने पर उनकी गतिविधियां क्यों न रोक दी जाएं? अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल और अफरोज अहमद की एनजीटी की प्रमुख पीठ ने 16 अप्रैल को यह आदेश दिया। यह सुनवाई 2021 के आदेश का पालन हो रहा है या नहीं को लेकर हो रही थी। प्राधिकरण ने क्रिकेट ग्राउंड के रखरखाव के लिए क्रिकेट संघों को भूजल की जगह बारिश के पानी का इस्तेमाल का निर्देश दिया था।

इन स्टेडियमों को नोटिस जारी

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम, रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम, नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम, लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम और कटक के बाराबती स्टेडियम को नोटिस जारी हुआ है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा, 'आवेदक के वकील का कहना है कि इन छह स्टेडियम में सभी गतिविधियां पूरी तरह से रोक दी जानी चाहिए।

उन्हें वहां कोई भी खेल आयोजन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे में इन छह स्टेडियम को नोटिस जारी किया जाता है कि वे बताएं कि प्राधिकरण के आदेश का पालन न करने और जरूरी जानकारी जमा न करने के आधार पर उनकी सभी गतिविधियां क्यों न रोक दी जाएं।' अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली कैपिटल्स का घरेलू मैदान है। इकाना स्टेडियम लखनऊ सुपर जायंट्स का घरेलू मैदान है, राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम सनराइजर्स हैदराबाद का घरेलू मैदान है।

गोलकीपर प्रिंस नहीं खेल पाएंगे एशियाड

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी के बाएं कंधे की होगी सर्जरी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। एशियाई खेलों के कैंप में शामिल गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह चोटिल हो गए हैं। प्रिंसदीप के बाएं कंधे के लेब्रल हिस्से में चोट की सर्जरी की जाएगी। प्रिंसदीप जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हैरतअंगेज प्रदर्शन से चर्चा में आए थे, जिससे भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था।

चेन्नई में बीते दिसंबर में खेले गए जूनियर विश्व कप में भारत की कांस्य पदक जीत में प्रिंस की अहम भूमिका थी। प्रिंस के कंधे की सर्जरी इसी सप्ताह मुंबई में सर्जरी चर्चित चिकित्सक डॉ. दिनशा पारदीवाला करेंगे। सर्जरी के बाद प्रिंसदीप को पूरी तरह ठीक होने में छह माह तक का समय लग सकता है, जबकि एशियाई खेल ऐची और नागोया में 19 सितंबर से शुरू होने हैं। ऐसे में उनके खेलने की संभावना नगण्य हो गई है।

सर्जरी पर 6.5 लाख खर्च

पंजाब के 21 वर्षीय गोलकीपर प्रिंस को पीआर श्रीजेश का विकल्प माना जा रहा है। वह 2024 में जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उनकी सर्जरी पर साढ़े छह लाख रुपये का खर्च होगा, जिसे मेडिकल इंश्योरेंस और टॉप्स स्कीम से पूरा किया जाएगा।

पुरानी है कंधे की चोट

सूत्र बताते हैं कि प्रिंसदीप पिछले एक-दो साल से इस चोट से पीड़ित हैं। तब भी वह लगातार खेल रहे थे। अब दर्द असहनीय होने पर उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। अब एशियाई खेलों की टीम में गोलकीपर के लिए कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेगा, पवन और मोहित के बीच मुकाबला है।

एफ-1 में ऐतिहासिक कारनामा

11 साल के हैरी विलियम्स बने मैक्लारेन के सबसे युवा ड्राइवर, भविष्य का हैमिल्टन कहा जा रहा

लंदन, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। फॉर्मूला-1 की दिग्गज टीम और मौजूदा चैम्पियन मैक्लारेन ने भविष्य के लिए एक बड़ा दांव खेला है। मैक्लारेन ने महज 11 वर्षीय ब्रिटिश कार्टर हैरी विलियम्स को अपने 'ड्राइवर डेवलपमेंट प्रोग्राम' में शामिल किया है। इसके साथ ही हैरी इस प्रतिष्ठित एकेडमी का हिस्सा बनने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

मैक्लारेन का यह प्रोग्राम वर्ल्ड चैम्पियन तैयार करने के लिए जाना जाता है। 7 बार के वर्ल्ड चैम्पियन लुईस हैमिल्टन 1998 में सिर्फ 13 साल की उम्र में इस प्रोग्राम से जुड़े थे। हैरी ने 11 साल की उम्र में साइन होकर हैमिल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा। यह साइनिंग दिखाती है कि अब एफ-1 टीमें भविष्य के चैम्पियंस को स्कूल की उम्र से ही तैयार करने पर निवेश कर रही हैं। हैरी का जन्म 2015 में इंग्लैंड के चेशायर काउंटी के छोटे से गांव नीदर एल्डर्ली में हुआ था। महज छह साल की उम्र में हैरी ने छोटी रेसिंग कार से ड्राइविंग सीखना शुरू कर कार्टिंग की। तब ट्रैक पर उनकी फुर्ती देख लोग हैरान हो जाते थे। उस दौरान जब वे पहली बार कार्ट में बैठे, तो पिता ने महसूस किया कि हैरी में रफ्तार और संतुलन की अच्छी समझ है। यहीं से उनकी कड़ी ट्रेनिंग की शुरुआत हुई। रेस ट्रैक पर दबाव बढ़ते ही दिग्गजों की धड़कन 165 बीपीएम तक पहुंच जाती है, लेकिन हैरी का दिल 142 बीपीएम पर स्थिर रहता है। एक रेस के दौरान सामने आए इस डेटा ने मैक्लारेन के इंजीनियर्स को चौंका दिया था। बारिश और फिसलन भरे ट्रैक पर भी हैरी शांत दिमाग से फैसले लेते हैं। वे रेसिंग को सिर्फ मशीन नहीं, माइंड से समझते हैं। यही कंट्रोल और कूल एटीट्यूड उन्हें हमउम्र ड्राइवरों से अलग बनाता है।

2021 में उन्होंने 'सुपर वन सीरीज' के जरिए मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में कदम रखा। यह वही सीरीज है, जहां से हैमिल्टन जैसे दिग्गजों ने शुरुआत की थी। यहां हैरी ने अपनी तकनीकी समझ और आक्रामक ड्राइविंग से कोचों को हैरान कर दिया। फॉर्मूला ई ड्राइवर ओलिवर रोलैंड के मार्गदर्शन में हैरी ने रेसिंग की बारीकियां सीखीं, जैसे कब ओवरटेक करना है और डिफेंस में अपनी लाइन कैसे बनाए रखनी है। इसके बाद ब्रिटिश कार्ट चैम्पियनशिप में 700+ अंक के साथ टॉप 10 में पहुंचे।

2025 सीजन में वे ब्रिटिश ओपन चैम्पियन बने और यूरोपियन चैम्पियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे। लगातार अलग-अलग मंचों पर मिले इन नतीजों ने उन्हें इंटरनेशनल स्तर पर मजबूत दावेदार बना दिया और यहीं से मैक्लारेन टीम की नजर उन पर पड़ी। हैरी ब्राजील के दिग्गज आर्यटन सेना को अपनी प्रेरणा मानते हैं। पढ़ाई में उन्हें विज्ञान में दिलचस्पी है। वहीं, रेसिंग के अलावा बास्केटबॉल खेलना उन्हें पसंद है।

5 हार झेल चुकी मुंबई इंडियंस अब भी प्लेऑफ की रेस में, कोई हल्के में नहीं लेगा

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम ने सीजन के अपने पहले मैच में जीत हासिल की थी। 2012 के बाद पहली बार मुंबई सीजन का पहला मैच जीता। लेकिन उसके बाद उसे लगातार 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी। गुजरात टाइटंस को मुंबई ने अपने छठे मैच में 99 रनों के बड़े अंतर से हराया लेकिन 7वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से 103 रनों से हार गई। 7 मैचों के बाद मुंबई के सिर्फ 4 ही पॉइंट हैं।

मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ के समीकरण आईपीएल 2026 के पॉइंट्स टेबल में अभी मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। उसे 7 और मुकाबले खेलने हैं। टीम को प्लेऑफ में आसानी से पहुंचना है तो उसे कम से कम 6 मुकाबले और जीतने होंगे। ऐसे में 16 पॉइंट के साथ मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। 14 पॉइंट्स के साथ ही प्लेऑफ का टिकट मिल सकता है। लेकिन उसके लिए मुंबई को अपना नेट रन रेट बेहतर करना होगा। अभी टीम का नेट रन रेट -0.736 है।

मुंबई पहले ऐसी परिस्थिति देख चुकी

मुंबई इंडियंस के लिए ऐसी स्थिति नई नहीं है। टीम हमेशा से स्लो स्टार्टर मानी जाती है। आधे आईपीएल के बाद ही टीम लय में आती है। आईपीएल 2015 में मुंबई के 7 मैचों में 4 ही पॉइंट थे। अगले 7 में से 6 मैच जीतकर टीम प्लेऑफ में पहुंची और फिर चैंपियन भी बनी। 2014 में ही 7 मैचों में 4 पॉइंट के बाद भी टीम प्लेऑफ तक पहुंच गई थी। पिछले सीजन टीम के 7 मैचों में 6 पॉइंट थे। यहीं से टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही थी।

आरटीसी चालक की मौत के बाद नरसमपेट बंद का आह्वान, डिपो पर बढ़ी सुरक्षा

वारंगल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसामपेट आरटीसी बस स्टैंड पर आत्मदाह के प्रयास में गंभीर रूप से झुलसे चालक कोला शंकर गौड़ की इलाज के दौरान मौत के बाद आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने शुक्रवार को नरसामपेट बंद का आह्वान किया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। गुरुवार की मध्यरात्रि शंकर गौड़ के पार्थिव शरीर को हैदराबाद से उनके पैतृक गांव मुथोजिपेट (नरसम्पेट मंडल) लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुथोजिपेट और नरसम्पेट में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। मुथोजिपेट गांव में बड़ी संख्या में हड़ताली आरटीसी कर्मचारी एकत्र हो गए और मुख्य सड़क पर धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों की मांग थी कि शंकर गौड़ के पार्थिव शरीर को नरसामपेट आरटीसी डिपो ले जाया जाए, ताकि वहां उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। नरसामपेट के पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने भी पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर शव को डिपो ले जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य सरकार से मृतक के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को इस घटना की जिम्मेदारी लेने की बात कही। इस बीच, वारंगल जिले के सभी आरटीसी डिपो में कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही, जिसमें कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समाधान की मांग उठाई। भूपालपल्ली में कर्मचारियों ने काला रिबन बांधकर विरोध जताया और एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत चालक को श्रद्धांजलि दी। कर्मचारियों ने शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए सरकार से तत्काल वार्ता शुरू करने की मांग की। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सभी डिपो पर अतिरिक्त पुलिस बल, अग्निशमन कर्मियों और एम्बुलेंस की तैनाती की है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सीएम ने आरटीसी चालक की आत्महत्या की घटना पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरटीसी चालक शंकर गौड़ की आत्महत्या की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस दुखद घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए शंकर गौड़ के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शंकर गौड़ के परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य देने की कामना की।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि एक क्षणिक आवेश में लिया गया निर्णय पूरे परिवार को गहरे शोक में डुबो गया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पुनः दोहराया कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों के साथ निरंतर वार्ता कर रही है और उनकी मांगों के समाधान के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम ने पर्यावरणविद् दुस्चर्ला सत्यनारायण के स्वास्थ्य का हाल जाना

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ए. रेवंत रेड्डी ने पर्यावरणविद् एवं जलसाधना समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष दुस्चर्ला सत्यनारायण के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उनके ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु ने दुस्चर्ला से बातचीत कर उनकी स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही सरकार की ओर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निम्स अस्पताल में उपचार की व्यवस्था भी की गई है। सरकार ने आश्वासन दिया है कि लोकप्रिय पर्यावरणविद् को हर संभव बेहतर इलाज मुहैया कराया जाएगा।

चालक शंकर गौड़ के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

10 लाख रुपये के साथ ही विधायक निधि से 5 लाख रुपये अतिरिक्त

परिवार के एक सदस्य को आरटीसी में नौकरी और एक 'इंदिराम्मा' आवास भी

जनगांव/वारंगल, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसामपेट की आरडीओ उमरानी ने घोषणा की कि सरकार मृतक के परिजनों को तत्काल 10 लाख रुपये की सहायता देगी, साथ ही विधायक निधि से 5 लाख रुपये अतिरिक्त प्रदान किए जाएंगे। परिवार के एक सदस्य को आरटीसी में नौकरी और एक 'इंदिराम्मा' आवास भी देने का आश्वासन दिया गया है।

नरसामपेट में आरटीसी चालक शंकर गौड़ को श्रद्धांजलि देने जा रहे बीआरएस नेताओं को पुलिस ने शुक्रवार को रास्ते में ही रोककर हिरासत में ले लिया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पूर्व मंत्री सबिता इंदिरा रेड्डी और पूर्व सांसद विनोद कुमार को जनगांव जिले के रघुनाथपल्ली टोल गेट पर हिरासत में लेकर जनगांव ग्रामीण पुलिस स्टेशन भेजा गया। वहीं, पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ को घनपुर स्टेशन पर हिरासत में लेकर स्थानीय थाने ले जाया गया। इस कार्रवाई के विरोध में जनगांव के विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी और पूर्व सांसद मलोथ कविता समर्थकों के साथ जनगांव ग्रामीण पुलिस स्टेशन पहुंचे और धरना-प्रदर्शन कर नेताओं की रिहाई की मांग की।

इसी बीच हनमकोंडा में पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकर राव और पूर्व विधायक अरूरी रमेश को नरसामपेट जाने से पहले ही नजरबंद कर दिया गया।

दयाकर राव ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी नेताओं को रोककर अलोकतांत्रिक तरीके से काम कर रही है। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के नरसामपेट मंडल के मुथोजिपेट पहुंचने के बाद स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। भाजपा नेताओं और आरटीसी यूनियन के पदाधिकारियों ने शंकर गौड़ के पार्थिव शरीर को नरसामपेट डिपो ले जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हुई।

तनाव के बीच शंकर गौड़ का शव एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर पड़ा रहा, जिसके बाद उसे मुथोजिपेट स्थित उनके दामाद के घर ले जाया गया। परिवार की ओर से शव को नरसामपेट डिपो ले जाने की मांग की गई, लेकिन प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। गतिरोध के चलते दोपहर तक अंतिम संस्कार नहीं हो सका। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वारंगल के पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नरसामपेट में मौजूद रहे।

टीजीईजेएसी ने आरटीसी हड़ताल को दिया समर्थन

सरकार से वार्ता की मांग

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कर्मचारियों, राजपत्रित अधिकारियों, शिक्षकों, श्रमिकों और पेंशनभोगियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीईजेएसी) ने टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों की चल रही हड़ताल को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। समिति ने राज्य सरकार से तत्काल कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी लंबित समस्याओं का समाधान करने की मांग की। टीजीईजेएसी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि पिछले छह वर्षों से टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों के वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। समिति के अनुसार कर्मचारियों की अन्य मांगें भी पूरी तरह जायज हैं और सरकार को इन्हें जल्द से जल्द सुलझाना चाहिए।

समिति के नेताओं ने नरसामपेट में आत्मदाह का प्रयास करने वाले आरटीसी चालक शंकर गौड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उनका हैदराबाद में इलाज के दौरान निधन हो गया था। टीजीईजेएसी ने कर्मचारियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार का चरम कदम न उठाएं। बयान में टीजीईजेएसी के अध्यक्ष मरम जगदीश्वर, महासचिव ई. श्रीनिवास राव और अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि समिति के अंतर्गत आने वाली सभी 206 यूनियन आरटीसी कर्मचारियों के साथ खड़ी हैं और उनकी मांगों को पूरा कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

आरटीसी चालक की मौत पर सियासत तेज

हरीश राव ने सीएम को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के नेता टी हरीश राव ने हड़ताल के दौरान आत्मदाह के प्रयास में घायल होकर दम तोड़ देने वाले आरटीसी चालक शंकर गौड़ की मौत के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की उदासीनता और वादों को पूरा न करने के कारण यह दुखद घटना सामने आई। शंकर गौड़ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हरीश राव ने कहा कि इस घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है और यह श्रमिकों के मुद्दों के प्रति सरकार की अनदेखी का परिणाम है। उन्होंने कहा, इस त्रासदी के

लिए रेवंत रेड्डी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने आरटीसी कर्मचारियों को सरकारी सेवा में विलय करने और उनकी मांगों को पूरा करने का चुनावी वादा किया था, लेकिन अब उससे पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि मांगों के समाधान में हो रही देरी गंभीर चिंता का विषय है और यदि यही स्थिति बनी रही तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई जा सकती हैं।

हरीश राव ने सरकार से आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने और उनमें भरोसा बहाल करने की मांग की। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि शंकर गौड़ के बलिदान को सम्मान देते हुए इस दिन को आरटीसी विलय के लिए निर्धारित दिवस घोषित किया जाए। आरटीसी कर्मचारियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे किसी भी प्रकार के चरम कदम न उठाएं और अपने अधिकारों के लिए कानूनी तरीके से संघर्ष जारी रखें। उन्होंने हड़ताल को बीआरएस का पूर्ण समर्थन देने की बात भी दोहराई।

तेलंगाना में भीषण गर्मी का कहर जारी

44 डिग्री तक पहुंचा तापमान

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सभी जिलों में शुक्रवार को भी लू का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है, जिससे थोड़ी देर के लिए राहत मिल सकती है।

लेकिन दोपहर के समय शुष्क और गर्म हवाओं के कारण गर्मी बेहद असहनीय रहने का अनुमान है। हैदराबाद और आसपास के जिलों- संगारेड्डी, विकाराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मल्काजगिरि में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। राज्य के उत्तरी और पश्चिमी जिलों में गर्मी का असर अधिक देखने को मिलेगा, जहां तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आदिलाबाद, निजामाबाद और नालगोंडा जैसे जिलों में पारा लगातार 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं, लेकिन शनिवार से राज्य में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा और बारिश या तेज हवाओं की संभावना नहीं रहेगी।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

चोरी की दस बाइक बरामद

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की स्पेशल क्राइम टीम (सीसीएस) और गांधी नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोपहिया वाहन चोरी में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 10 चोरी की बाइक बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद रियाज, सैयद अहमद अली, मोहम्मद फरदीन और एक नाबालिग (सीसीएल) शामिल हैं। सभी आरोपी हैदराबाद के विभिन्न इलाकों के निवासी हैं और अलग-अलग काम करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से 8 होंडा डियो, 1 हीरो ग्लैमर और 1 बजाज पल्सर एनएस-200 बाइक बरामद की गई हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बालानगर, गांधी नगर, कोल्लूर और अत्तापुर थाना क्षेत्रों में 10 दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर आरोपियों पर नजर रखी और उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर गतिविधियों की भी निगरानी की। इसके बाद 23 अप्रैल 2026 की सुबह एमएम पहाड़ी, अत्तापुर इलाके में दबिश देकर सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया। यह कार्रवाई च. सुधाकर राव के नेतृत्व में उनकी टीम ने की। इस ऑपरेशन को एस. चैतन्य कुमार के मार्गदर्शन और जी. वेंकटेश्वर रेड्डी की निगरानी में अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

तालाब संरक्षण समितियों के गठन को लेकर मंत्री को ज्ञापन

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग ने लघु सिंचाई संसाधनों के पुनर्गठन (माइनर इरिगेशन सिस्टम्स रिऑर्गनाइजेशन), तालाब संरक्षण समितियों के गठन तथा तालाबों के डी-सिल्टिंग (गाद हटाने) से संबंधित एक समग्र नोट तैयार कर राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी को सौंपा है। आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंड रेड्डी के नेतृत्व में सिंचाई एवं कृषि विभाग के अधिकारियों, वालमतारी के प्रतिनिधियों तथा विशेषज्ञों के साथ कई बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में तालाबों के संरक्षण के लिए स्थायी व्यवस्था की आवश्यकता और जल भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए डी-सिल्टिंग के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठकों में हुई चर्चाओं के आधार पर आयोग ने तालाब संरक्षण समितियों के गठन और डी-सिल्टिंग कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मंत्री को सौंपी तथा आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर आयोग के सदस्य केवी नरसिम्हा रेड्डी, श्रीमती भवानी मरिकांति, गड्डगु गंगाधर, सुनील, रामरेड्डी गोपाल रेड्डी, सदस्य सचिव गोपाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग ने कहा कि तालाबों के संरक्षण और जल के समुचित उपयोग के माध्यम से किसानों को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

सोशल मीडिया विवाद पर गरमाई राजनीति

मन्ने सतीश का बीआरएस पर हमला

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी सोशल मीडिया एवं टीजीटीएस के चेयरमैन मन्ने सतीश ने एक प्रेस वार्ता में बीआरएस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट पर सवाल पूछने मात्र पर राजेंद्र नामक व्यक्ति के घर जाकर क्रिशांक द्वारा हमला करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह घरों में घुसकर हमले करने की प्रवृत्ति से तेलंगाना में फैक्शनल राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है। सतीश ने कहा कि घर के बुजुर्गों के निवेदन के बावजूद धमकियों पर उतर आना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता राज्य में अराजकता फैला रहे हैं और मुख्यमंत्री व अन्य नेताओं पर क्रिशांक निराधार आरोप लगाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में मंत्रियों सीतक्का और पोंगुलेटी श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत तथ्यों का सामना न कर पाने के कारण इस तरह की हरकतें की जा रही हैं। आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं के लिए मोबाइल फोन खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज करते हुए सतीश ने कहा कि यह पूरी तरह से भ्रामक प्रचार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ ओपन टेंडर प्रक्रिया के जरिए ही मोबाइल फोन खरीदे गए हैं। सतीश ने कहा कि बिना किसी प्रमाण के राज्य सरकार पर आरोप लगाना ही बीआरएस का उद्देश्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सैफाबाद पुलिस ने एक घंटे में लौटाया सोना और नकदी

ऑटो चालक को महिला ने दिया नकद इनाम

हैदराबाद, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक महिला का खोया हुआ बैग महज एक घंटे के भीतर ढूंढकर उसे सुरक्षित वापस कर दिया। बैग में करीब 6.5 तोला सोने के आभूषण और 3,500 रुपये नकद थे। कर्नाटक के गुलबर्गा निवासी सुजाता आर. हिरेमठ (43) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नरसिंगी से बिड़ला मंदिर जा रही थीं और उबर ऑटो में अपना बैग भूल गईं। इसके बाद उन्होंने सैफाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधकारी ए. सीतैया के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की जांच कर पुलिस ने एक घंटे के भीतर ऑटो चालक का पता लगा लिया। चालक के. नागेश ने ईमानदारी दिखाते हुए बताया कि बैग सुरक्षित है और वह तुरंत थाने पहुंच गया। ऑटो चालक ने बैग में मौजूद सोना और नकदी सही सलामत पुलिस को सौंप दी, जिसे बाद में महिला को वापस कर दिया गया। पुलिस ने चालक की ईमानदारी की सराहना करते हुए उसे नकद इनाम देकर सम्मानित किया। सैफाबाद पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और ऑटो चालक की ईमानदारी की लोगों ने सराहना की है।

सड़कों पर फसल सुखाने से बढ़े हादसे

पुलिस ने किसानों को जारी किए नोटिस

करीमनगर, 24 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में पुलिस की चेतावनी के बावजूद किसान धान, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों को सड़कों पर सुखा रहे हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और सड़क हादसों में वृद्धि देखी जा रही है। कई मामलों में वाहन चालकों की जान भी जा चुकी है, जब वाहन धान के ढेरों से टकरा गए।

बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस किसानों को जागरूक कर रही है। इसके तहत जम्मीकुंटा ग्रामीण पुलिस ने उन किसानों को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, जो बार-बार समझाने के बावजूद सड़कों का उपयोग फसल सुखाने के लिए कर रहे हैं। यह प्रथा पुराने करीमनगर जिले में व्यापक रूप से देखी जा रही है, खासकर वीणावंका, मनकोंदुर, जम्मीकुंटा, हुजूराबाद और शंकरपट्टनम मंडलों में इसकी अधिकता है।

वीनावंका मंडल के नरसिंगापुर निवासी किसान जंगपल्ली स्वामी ने बताया कि पुलिस की सलाह के बाद उन्होंने सड़क से अपनी मक्का की फसल हटा ली। हालांकि उन्होंने माना कि सड़क पर फसल सुखाना सही नहीं है, लेकिन खेत या घर में पर्याप्त जगह न होने के कारण उनके पास कोई विकल्प नहीं था। इसी तरह मनकोंदुर मंडल के पचुनूर गांव के किसान राजैया ने बताया कि धान खरीद केंद्र पहले ही भर चुके थे, जिसके कारण उन्हें अपनी फसल सड़क पर सुखाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

वीनावंका के सब-इंस्पेक्टर अवुला तिरुपति ने बताया कि अब तक करीब दस किसानों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है कि यदि सड़कों पर फसल सुखाने के कारण कोई दुर्घटना होती है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़कें सड़क एवं भवन (आर एंड बी) विभाग के अंतर्गत आती हैं, इसलिए पुलिस सीधे कार्रवाई नहीं कर सकती, लेकिन शिकायत मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के बाद क्षेत्र में धान की खेती और उत्पादन में तेजी आई है, जिससे फसल सुखाने की समस्या और बढ़ गई है।

पहले किसान खेतों में ही फसल सुखा लेते थे, लेकिन अब हार्वेस्टर के बढ़ते उपयोग और श्रमिकों की कमी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। धान खरीद केंद्रों द्वारा पूरी तरह सूखी फसल ही स्वीकार किए जाने के निर्देश के चलते किसान वैकल्पिक स्थानों की तलाश में सड़कों का सहारा ले रहे हैं। कुछ स्थानों पर तो किसान पहले से ही खाद की खाली बोरियां रखकर सड़क पर जगह आरक्षित करने लगे हैं, जिससे समस्या और गंभीर होती जा रही है।

Manav Seva · Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust
Agarwal Seva Dal
in coordination with
SRINIVASNAGAR RESIDENTS WELFARE ASSOCIATION
LINGOJIGUDA, HYDERABAD
Organises
166th Camp MEGA MEDICAL CAMP FREE
In Associates with
LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd.
KIMS Sunshine Hospitals, Begumpet, Hyd.
SHRI BHAGWAN MAHAVEER VIKLANG SAHAYATA SAMITI, Hyderabad
Free Aids & Appliances: Artificial Limbs | Hand Kits | Callipers | Hands
Specialities at the Camp
• EYE CHECKUP (FREE CATARACT SURGERY RETINA DISORDER EVALUATION CAMP & OPTICALS TO THE NEEDY)
• GENERAL PHYSICIAN DR. AKHILS CLINIC (PURANDAS RANCHHODDAS) DR. AKHIL SUGANDHI, (RHEUMATOLOGY) & DR. MEENAL KHIRAIYA SUGANDHI (MBBS DIPLOMA BIABETES)
• PHYSIOTHERAPY (BAJAJ PHYSIO CARE, DR. MEETA BAJAJ)
• DENTAL (SNR DENTAL, DR.S TEJESSWI, NAVNEET RAJ, DR.S NIKHIL RAJ)
• ORTHOPAEDIC • CARDIOLOGY
• ECG / 2D ECHO / BMD • RBS / BP CHECKUP
रविवार 26 अप्रैल 2026
प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक
VENUE : MASTERMINDS SCHOOL LINGOJIGUDA, KARMANGHAT X ROADS, HYDERABAD
REGISTRATION 10.00 AM to 12 NOON
"Please bring along your past health records, if available, for a detailed evaluation."
शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी।
: संयोजक :
प्रदीप अग्रवाल 9246504222 | सुधीर गुप्ता 9550522277 | सुरेन्द्र गोयल 9866493222 | के.जानकी रामा राव 9703269112 | एम.सुरेश राज 9849423977 | ए.लिंगाचारी 9391076972
: स्थान प्रदाता :
AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad – 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
2 years 9.00%
Senior Citizen 9.50%
MEENAKSHI

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.